THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

मैं मुंबई हमले का बदला लेना चाहता था-मनमोहन सरकार पर अमेरिकी दबाव था : चिदंबरम

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम ने खुलासा किया है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया। 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के 17 साल बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री ने एक चैनल को मंगलवार को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई न करने का फैसला अंतर्राष्ट्रीय दबाव और विदेश मंत्रालय के रुख के कारण लिया गया था।

वर्ष-30 अंक : 186 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.9 2082 बुधवार, 1 अक्टूबर-2025 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम ने गाजा में सीजफायर को लेकर ट्रंप के प्लान पर लगाई मुहर

स्थायी शांति के लिए जरूरी : पीएम

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा में सीजफायर से जुड़े अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति ट्रंप के इस प्रस्ताव को सभी पक्षों का समर्थन मिलेगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि हम गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक योजना का स्वागत करते हैं।

यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल पर एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने और शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 प्वाइंट्स में गाजा में संघर्ष खत्म करने के लिए प्लान तैयार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस प्लान को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और मुस्लिम देशों का समर्थन मिल चुका है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति का यह प्रस्ताव मिस्र और कतर के मध्यस्थों ने हमास के सामने पेश किया है। हमास ने प्रस्ताव को लेकर कहा कि किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने से पहले इस मामले पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूएनजीए की बैठक से इतर अरब और मुस्लिम देशों के साथ बैठक की थी। इस दौरान ही गाजापट्टी में सीजफायर को लेकर ट्रंप ने अपना प्रस्ताव पेश किया। अमेरिका ने फिर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी अपनी योजना बताई। पीएम नेतन्याहू ने भी ट्रंप के प्लान का समर्थन किया। इसके बाद नेतन्याहू ने ट्रंप से वाशिंगटन डीसी में 29 सितंबर की देर रात को मुलाकात की।

आरएसएस के 100 साल होने पर देश में 7 प्रोग्राम होंगे

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस साल दशहरा से अपना शताब्दी वर्ष कार्यक्रम शुरू कर रहा है। 2 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक देशभर में सात बड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनका मकसद संघ की सौ साल की यात्रा, वर्तमान चुनौतियों और समाधानों को समाज के सामने रखना है। कार्यक्रम मोहल्ले से लेकर प्रांत स्तर तक होंगे। पश्चिम बंगाल में यह क्रम नवरात्रि के पहले दिन ही शुरू हो चुका है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत इस दौरान विदेश भी जाएंगे। वे अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में कार्यक्रमों को संबोधित कर सकते हैं। संघ प्रमुख किन देशों में जाएंगे, इसका फैसला नवंबर में जबलपुर में होने वाली कार्यकारी मंडल की बैठक में लिया जाएगा।

बिहार में एसआईआर की फाइनल लिस्ट जारी

> पहले ड्राफ्ट में 69.29 लाख लोगों के नाम कटे

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की फाइनल लिस्ट मंगलवार को जारी कर दी है। इस फाइनल लिस्ट में करीब 7.3 करोड़ मतदाताओं के शामिल होने का अनुमान है। करीब 14 लाख नए वोटरों के नाम भी जुड़ सकते हैं।

ईसी के अनुसार, एसआईआर की प्रक्रिया जून 2025 से शुरू की गई थी। इसमें 7.89 करोड़ रजिस्टर्ड वोटर्स से दोबारा फॉर्म भरवाए गए थे। इसके बाद 1 अगस्त को लिस्ट जारी की गई, जिसमें 69.29 लाख वोटर्स के नाम काट दिए गए थे। ये 65 लाख लोग ऐसे वोटर्स हैं, जो मर चुके हैं या स्थायी रूप से बाहर चले गए हैं। इनमें से कुछ लोग ऐसे भी थे, जिनके पास 2 वोटर आईडी थे। फाइनल लिस्ट जारी होने के साथ ही चुनावी तैयारियां और तेज हो जाएंगी।

24 जून 2025 से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया

बिहार में 2003 के बाद पहली बार एसआईआर प्रक्रिया चली। इसे 24 जून 2025 को शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य था, फर्जी जैसे विदेशी नागरिकों, दोहराए गए और स्थानांतरित मतदाताओं को सूची से हटाना और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ना। इसके तहत 7.24 करोड़ मतदाताओं से फॉर्म लिए गए। एसआईआर का पहला फेज 25 जुलाई 2025 तक पूरा किया गया, जिसमें 99.8 प्रतिशत कवरेज हासिल की गई। आंकड़ों के अनुसार, 22 लाख मतदाताओं की मौत हो चुकी है। 36 लाख मतदाता अपने घरों पर नहीं मिले।

7 लाख लोग किसी नई जगह स्थायी निवासी बन चुके हैं। बिहार के एसआईआर में शुरूआत में 11 दस्तावेज मान्य किए गए थे, लेकिन 8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद आधार नंबर को 12वां दस्तावेज माना गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए।

'हिंसा और भय की राजनीति बंद करें'

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र से लद्दाख के लोगों के साथ बातचीत करने का आग्रह किया।

राहुल गांधी ने सरकार से 'बातचीत में शामिल होने और हिंसा और भय की राजनीति को रोकने' का आह्वान किया। राहुल गांधी ने लेह में हाल ही में हुई हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की, जिसमें चार लोगों की जान चली गई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि गोली लगने से मारे गए लोगों में से एक सैनिक परिवार से था। उन्होंने कहा कि पिता सैनिक, बेटा भी सैनिक- जिनके खून में देशभक्ति दौड़ती है। फिर भी बीजेपी सरकार ने देश के वीर सपूत को सिर्फ़ इसलिए गोली मारकर उसकी जान ले ली क्योंकि वह लद्दाख और अपने अधिकारों के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आंखें बस एक ही सवाल पूछ रही हैं- क्या आज देश सेवा का यही इनाम है? राहुल गांधी ने निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग करते हुए इस मौत को 'हत्या' बताया। कांग्रेस नेता ने कहा, हमारी मांग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

'केंद्र ने अब तक नहीं दी 260 करोड़ रुपये की मदद'

तिरुवनंतपुरम, 30 सितंबर (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि केंद्र सरकार ने वायनाड भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के लिए 260.65 करोड़ रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है, लेकिन राज्य को अब तक यह धनराशि प्राप्त नहीं हुई है। यह बयान उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने शुरूआती आकलन के आधार पर केंद्र से 2,262 करोड़ रुपये की मांग की थी।

चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी एकीकरण से बढ़ेगा आत्मविश्वास : राजनाथ

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है।

वह दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक-दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग-अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत प्रणाली से सेनाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे। उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो।

परमाणु और जैविक हमलों के खिलाफ तैयार रहना जरूरी : सीडीएस

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि हमें भविष्य में परमाणु और जैविक खतरों के खिलाफ तैयार रहना होगा। नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में सैन्य नर्सिंग सेवा के 100वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिए अपने संबोधन में सीडीएस चौहान ने कहा कि आज के डेटा-केंद्रित युद्ध के युग में, जहां सूचना तक पहुंच, दुश्मन को हम पर बढ़त दिला सकती है, वहां चिकित्सा डेटा की भूमिका भी बेहद अहम है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा, भारतीय डीएनए बेहद खास है। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली अलग-अलग वातावरण या संक्रमणों के प्रति अलग-अलग प्रतिक्रिया करती है। ऐसे में व्यक्तिगत चिकित्सा डेटा की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है और इसमें केस हिस्ट्री, रिपोर्ट और चिकित्सा स्वास्थ्य रिकॉर्ड आदि शामिल हैं। परिचालन डेटा, स्वास्थ्य पैटर्न से संबंधित तैनाती, निकासी योजनाओं को भी लीक से सुरक्षित रखने की जरूरत है। हालांकि डेटा सुरक्षा और डेटा संरक्षण सीधे तौर पर एमएनएस (मिलिट्री नर्सिंग सर्विस) की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन आपको इन सभी प्रकार की चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए।

इंदौर-मुंबई तेजस एक्सप्रेस का तीसरी बार एक्सटेंड

इंदौर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर से संचालित हो रही मध्य प्रदेश की पहली तेजस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन को यात्रियों की मांग और सुविधा को देखते हुए तीसरी बार एक्सटेंड किया गया है। यह ट्रेन अब 29 नवंबर तक संचालित होगी। रेलवे सूत्रों ने बताया कि ट्रेन पूर्व निर्धारित मार्ग, ठहराव और कोच संरचना के अनुसार ही संचालित होगी। विस्तारित फेरों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। इस विस्तार से यात्रियों को इंदौर और मुंबई के बीच यात्रा करने में और अधिक सुविधा मिल सकेगी।

रेलवे सूत्रों अनुसार, मुंबई सेंट्रल से इंदौर आने वाली तेजस स्पेशल ट्रेन का अंतिम फेरा अब 28 नवंबर तक चलेगा। यह ट्रेन मुंबई से हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को रवाना होगी। वहीं, इंदौर से मुंबई सेंट्रल के लिए तेजस स्पेशल ट्रेन का अंतिम फेरा अब 29 नवंबर तक किया गया है। यह ट्रेन इंदौर से हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को चलेगी। इस ट्रेन को एक्सटेंड करने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई हैं।

पशु क्रूरता की हदें पार किसान ने कुल्हाड़ी से काट दिए दस भैंसों के थन

शिवपुरी, 30 सितंबर (एजेंसियां)। शिवपुरी जिले के मायापुर थाना अंतर्गत ग्राम शेरगढ़ मजरा वरखेड़ा के पठार पर घास चर रही 12 भैंसे पास स्थित एक खेत में घुस गईं। इस घटना से आक्रोशित खेत मालिक ने अपने परिजनों के साथ मिलकर कुल्हाड़ी से सभी भैंसों के थन काट दिए। भैंस मालिकों ने की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि कृपाल सिंह गुर्जर निवासी शेरगढ़ मजरा बरखेड़ा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी 10 भैसे, भैयालाल लोधी की एक भैंस और लखन कुमार शर्मा की एक भैंस गांव के पठार पर चरने गई थी।

भैंसे चरते-चरते पास स्थित शिवदयाल लोधी के खेत में पहुंच गई। थोड़ी बहुत फसल खराब होने पर शिवदयाल ने आक्रोश में आकर अपने दो पुत्रों टीकाराम लोधी और अनिल लोधी के साथ सभी भैंसों को पकड़कर कुल्हाड़ी से उनके थन काट दिए।

पाथ ग्रुप पर ईडी ने की छापेमारी

अनिल अंबानी केस से जुड़ रही लिंक

दावा- करोड़ों रुपए का हो सकता है हेर-फेर

इंदौर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार सुबह इंदौर के पाथ इंडिया ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी की टीम पांच-छह गाड़ियों के साथ पाथ इंडिया के महू के 76 माल रोड स्थित मुख्यालय और डायरेक्टर्स के घर पर पहुंची है। टोल सड़कों सहित अन्य प्रोजेक्टों में मिली गड़बड़ियों की शिकायत के बाद कार्यवाही होने की जानकारी सामने आ रही है।

पाथ ग्रुप के एमडी नितिन अग्रवाल हैं, जबकि निपुण अग्रवाल, सक्षम अग्रवाल, नीति अग्रवाल और संतोष अग्रवाल डायरेक्टर के पद पर हैं। इसके अलावा आशीष अग्रवाल और आदित्य उपाध्याय इंडिपेंडेंट डायरेक्टर हैं। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) की मुंबई टीम में अमिताभ बच्चन के साथ पाथ इंडिया लिमिटेड के डायरेक्टर नीतिअग्रवाल सह-मालिक के रूप में जुड़ी है। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी अनिल अंबानी से संबंधित बैंक लोन

घोटाले की जांच का भी हिस्सा है। ईडी को इनपुट मिले थे कि अनिल अंबानी की एक कंपनी और पाथ ग्रुप के बीच कई निर्माण कार्यों को लेकर समझौते हुए हैं। ईडी को संदेह है कि इन समझौतों की आड़ में करोड़ों रुपए की राशि इधर-उधर की गई है।

करीब दस साल पहले पाथ ग्रुप पर आयकर विभाग ने भी छापा मारा था। उस समय सामने आया था कि राजस्थान में एक हाईवे निर्माण परियोजना का ठेका अनिल अंबानी की कंपनी को मिला था, जिसे पाथ ग्रुप को पेटी कॉन्ट्रैक्ट के तौर पर सौंपा गया। इस प्रोजेक्ट को लेकर दो अलग-अलग अनुबंध बनाए गए थे। एक आधिकारिक और दूसरा गोपनीय। सूत्रों के अनुसार, इस गुप्त करार में यह प्रावधान था कि कंपनी को मिलने वाली अतिरिक्त राशि को अन्य कंपनियों के माध्यम से शिफ्ट किया जाएगा। आयकर विभाग की जांच में यह भी सामने आया था कि इस राशि को देशभर की अलग-अलग कंपनियों से ट्रांसफर किया गया और फिर यह पैसा दुबई के माध्यम से दोबारा भारत में लाया गया।

इन लेन-देन से लाभ उठाने वाली कंपनियों के तार अनिल अंबानी के ग्रुप से जुड़े हुए पाए गए थे। ईडी की टीम ने मंगलवार को पाथ ग्रुप के अलग-अलग ठिकानों से दस्तावेज, कंप्यूटर और डिजिटल डिवाइस जब्त किए हैं। मामले में फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि जांच में बड़े पैमाने पर हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका जताई जा रही है।

नाबालिग दौड़ा रहा था थार... बेकाबू होकर दुकान का शटर तोड़ते हुए अंदर जा घुसी, शराब की बोतलें मिली

जालंधर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में ब्लैक थार ने जमकर तांडव मचाया। जालंधर के बस्ती बावा खेल इलाके में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार थार बेकाबू होकर एक दुकान में जा घुसी। डरोना गार्डन के सामने स्थित गुप्ता सैनटरी स्टोर में घुसी था की वजह से काफी नुकसान हुआ है। घटना के समय दुकान बंद थी और थार शटर को तोड़ते हुए अंदर जा घुसी। गनीमत रही कि किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ। वहीं थार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है और उसके एयरबैग खुल गए। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया।

यह घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। जैसे ही थार बेकाबू हुई तो वहां से गुजर रहा एक राहगीर उसकी चपेट में आने से बाल-बाल बच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय थार में दो युवक सवार थे। इनमें एक नाबालिग और दूसरा करीब 20-22 साल का है। बताया जा रहा है कि नाबालिग कार ड्राइव कर रहा था।

नहीं रहे दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष वीके मल्होत्रा

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा का आज दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। वे 94 साल के थे। उनका जन्म 3 दिसंबर 1931 को लाहौर शहर में हुआ था। जो अब पाकिस्तान में है।

वीके मल्होत्रा दिल्ली के पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद और सांसद रह चुके हैं। कुछ दिनों से वह एम्स में भर्ती थे। जहां उनका इलाज चल रहा था और आज सुबह लगभग 6 बजे उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि अत्यंत दुख के साथ यह बताना पड़ रहा है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा का आज प्रातः आकस्मिक निधन हो गया है। वह 94वें वर्ष के थे। आगे कहा कि विजय मल्होत्रा का जीवन सादगी एवं जन सेवा को समर्पण की मिसाल रहा, उन्होंने दिल्ली में संघ की विचारधारा के विस्तार के लिए जनसंघ काल से बहुत काम किया।

उनका जीवन हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को सदैव प्रेरणा देता रहा है और देता रहेगा। वीके मल्होत्रा के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक्स पर पोस्ट साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा जी का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

राजनीति में बड़ा उलटफेर

आप के इन बड़े नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। आम आदमी पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित कार्यक्रम में देवेंद्र यादव ने आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को कांग्रेस का पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और उन्हें आने वाले समय में कांग्रेस के लिए जी-जान से काम करने की शुभकामनाएं दीं।

राहुल गांधी के नेतृत्व में बढ़ रहा कांग्रेस का कद

देवेंद्र यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद दिल्ली में अब जनता कांग्रेस की विचारधारा पर विश्वास जता रही है। अब विपक्षी दलों के कार्यकर्ता कांग्रेस के नेतृत्व और विचारधारा को स्वीकारते हुए पार्टी का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यह सभी नेता और कार्यकर्ता राहुल गांधी के नेतृत्व में झूठ, भ्रष्टाचार और जनता को गुमराह करने वाली राजनीति के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।

आप नेताओं की बड़ी खेप कांग्रेस में शामिल

कांग्रेस में शामिल होने वालों में वार्ड 233 के निगम प्रत्याशी राशिद अली, कड़कड़डूमा कोर्ट के सदस्य सनफ खान, रेशमा खान, शुभम पांचाल, तनिष्क जयंत, रोहित शर्मा, शोयब इकरा, फिरोज मलिक, कंचन शर्मा, समरीन सैफी, तरन्नम मिर्जा, रईस अंसारी, आरिफ जैसे नाम शामिल रहे। इसके अलावा, मटियाला विधानसभा से जनवेद यादव, साहिल राणा, तिलक नगर से सुखविंदर पाल सिंह, विकासपुरी से संयोगिता और उमेद सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं का कांग्रेस में शामिल होना साफ इशारा करता है कि दिल्ली में केजरीवाल की पकड़ कमजोर पड़ रही है।

कार्यक्रम में जुटे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के अलावा जिला अध्यक्ष आदेश भारद्वाज, धर्मपाल चंदेला, पर्यवेक्षक डॉ। पीके मिश्रा, राजेश यादव, लक्ष्मण रावत, मोहम्मद शहजाद, महेंद्र खेड़ा और रघुविंद्र सिंह पठानिया भी मौजूद रहे।

भाई और 2 बहनों की हादसे में मौत

पन्ना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार से जा रही एक टूरिस्ट बस ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उस पर सवार दो सगी बहनों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना जिले के अजयगढ़ बाइपास पर मंगलवार सुबह उस समय हुई जब तीनों अष्टमी के अवसर पर एक मंदिर में पूजा कर अपने घर लौट रहे थे। मृतकों की पहचान लालकरण (22), अंजलि (17) और अनारकली (12) के रूप में हुई है। तीनों चीमट से पद्मावती बड़ी देवन मंदिर दर्शन करने गए थे और लौटते समय हादसे के शिकार हो गए।

बाइक लालकरण चला रहा था और वह दोनों लड़कियों का ममेरा भाई था। हादसे के बाद तीनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पन्ना में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान तीनों ने ही दम तोड़ दिया। जानकारी लगने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बंगाल की खाड़ी में आज बनेगा कम दबाव का क्षेत्र

ओडिशा में 3 अक्टूबर तक भारी बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में मौसम विभाग के अनुसार कुछ-कुछ स्थानों पर हल्की बारिश भी दर्ज की गई। पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र और गुजरात, दक्षिण छत्तीसगढ़, दक्षिण ओडिशा और उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश से गुजर रही ट्रफ लाइन के कारण राज्य का मौसम स्थिर नहीं है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बुधवार तक उत्तरी और मध्य बंगाल की खाड़ी में नया निम्न दबाव क्षेत्र बन सकता है। इसी के चलते दक्षिण ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

विशेषकर गजपति, गंजाम, मलकानगिरि, कोरापुट, रायगढ़, नबरंगपुर और कालाहांडी जिलों में बुधवार से तेज बारिश होने की संभावना जताई गई है। तटीय ओडिशा में भी भारी वर्षा की आशंका को देखते हुए क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य मौसम विभाग ने बताया कि यह बारिश का दौर 3 अक्टूबर तक जारी रह सकता है। इस बीच, ओडिशा के तटवर्ती क्षेत्रों और उत्तरी व मध्य बंगाल की खाड़ी में समुद्र अशांत रहने की संभावना है। ऐसे में मछुआरों को गहरे समुद्र में जाने से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग की चेतावनी है कि आम नागरिक सावधानी बरतें और नदी किनारे या तटीय इलाकों में अनावश्यक जोखिम न लें।

शास्त्री भवन में दर्दनाक हादसा

बंदर के हमले से अधिकारी 7वीं मंजिल से नीचे गिरे

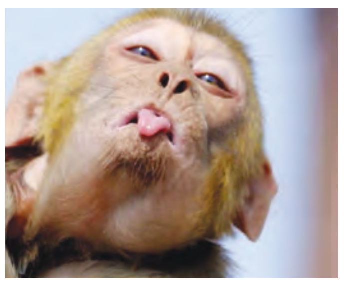

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के शास्त्री भवन में बंदर के हमले से बड़ा हादसा हुआ है। यहां केंद्रीय मंत्रालय में कार्यरत अधिकारी दीपक खोड़ा पर अचानक एक बंदर ने हमला कर दिया। हमले से घबराकर अधिकारी पीछे हटे और संतुलन बिगड़ने से वह सातवीं मंजिल से नीचे गिर पड़े। उनके हाथ में फ्रैक्चर है और शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। गंभीर हालत में उन्हें फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बताया जा रहा है दीपक शास्त्री भवन की सातवीं मंजिल की बालकनी में खड़े होकर फोन पर बातचीत कर रहे थे तभी अचानक एक बंदर उनके पास आ धमका। डर के मारे दीपक ने खुद को बचाने की कोशिश में जैसे पीछे हटे तो वो बिल्डिंग से नीचे गिर गए। जिसके बाद घायल अधिकारी को तुरंत आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं और मौके पर मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ भी हो रही है।

बता दें कि हाल ही में ऐसा ही एक और मामले यूपी के जनपद हापुड़ से सामने आया था जहां बंदरों के हमले की रोंगटे खड़े कर देने वाली तस्वीरें सीसीटीवी में कैद हुई थी। विवेक विहार कॉलोनी में बंदरों के झुंड ने स्कूटी सवार एक परिवार के तीन लोगों पर हमला कर दिया था। हमले से बचने के लिए स्कूटी सवार लोगों ने वहां एक घर के अंदर घुसकर अपनी जान बचाई थी। घर में घुसने के बाद भी बंदरों के झुंड ने परिवार के लोगों का पीछा नहीं छोड़ा जो लगातार उन पर हमला करने के लिए आमादा नजर आए।

दुष्कर्म मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचा प्रज्वल, दलील- मेल नहीं खाते पीड़िता के बयान

बंगलूरू, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जेडी(एस) के पूर्व सांसद ने खुद को दोषसिद्धी के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। प्रज्वल को दुष्कर्म के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। पिछले महीने एक विशेष अदालत ने प्रज्वल को दुष्कर्म मामले में दोषी करार देते हुए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी। यह सजा चार अलग यौन शोषण और दुष्कर्म के मामलों से एक में दी गई थी। कोर्ट ने उस पर कुल 11.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था, जिसमें से 11.25 लाख रुपये पीड़िता को देने के आदेश दिए गए थे। सांसदों/विधायकों की सुनवाई के लिए बनी विशेष अदालत के जज गजानन भट ने दो अगस्त को यह सजा सुनाई थी। सजा के बाद से प्रज्वल जेल में है। प्रज्वल को मई 2024 में जर्मनी से लौटने के बाद गिरफ्तार किया गया था। अब उसने कोर्ट के फैसले को कई आधारों पर चुनौती है। उसका कहना है कि पीड़िता के बयान में विरोधाभास है और अभियोजन पक्ष ने जो सबूत पेश किए हैं, उनमें कई विसंगतियां हैं। जिसमें में उसे सजा हुई है, वह 48 साल की एक महिला से जुड़ा है। महिला प्रज्वल के परिवार के होलेनरसीपुरा स्थित 'गणिकाडा' फार्महाउस में काम करती थी। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि 2021 में उसे दो बार दो बार दुष्कर्म का शिकार बनाया है, एक बार फार्महाउस में औरर दूसरी बार बंगलूरू के घर में। आरोपी ने अपने फोन से इन घटनाओं का वीडियो भी बनाया था।

निचली कोर्ट ने अपने फैसले में वीडियो फुटेज, डीएनए जांच, पीड़िता के कपड़ों पर मिले दाग जैसे कई जैविक साक्ष्य जैसे कई अहम सबूतों को आधार बनाया। याचिका में प्रज्वल ने कहा है कि पीड़िता की पुलिस में दी गई शिकायत और कोर्ट में दिए गए बयान मेल नहीं खाते। उसने एक और मुद्दा उठाया कि जिस गद्दे पर दाग मिले, वह मई 2024 तक बिना साफ किए रखा गया था, जबकि घटना जनवरी 2021 से जनवरी 2022 के बीच की है। प्रज्वल ने यह भी कहा कि अगर वाकई में घटना हुई होती, तो पीड़िता 2023 में उसी फार्महाउस में हुए गृहप्रवेश के कार्यक्रमों में क्यों जाती?

सोनम वांगचुक के समर्थन में उतरे दिग्विजय सिंह

कहा- उनके साथ हो रहा अनुचित व्यवहार निंदनीय

भोपाल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद गिरफ्तार किए गए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का समर्थन किया है। दिग्विजय सिंह ने कहा, मैं सोनम वांगचुक को लंबे समय से जानता हूं। हाल ही में संसद की स्थायी समिति की यात्रा के दौरान हमने वांगचुक के संस्थानों का दौरा किया। वह एक अद्भुत व्यक्ति हैं और कई प्रतिभाओं से संपन्न हैं। वह एक शिक्षाविद, पर्यावरणविद, कार्यकर्ता और गांधीवादी हैं। उनके साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, वह पूरी तरह निंदनीय है। सोनम वांगचुक को हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल राजस्थान के जोधपुर की जेल में बंद हैं। वांगचुक लंबे समय से लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश से पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय सुरक्षा प्रदान करने की मांग कर रहे थे।

दिग्विजय सिंह ने पहले भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था, सोनम वांगचुक के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाना घोर आपत्तिजनक है। हम इसकी भर्त्सना करते हैं। पूरी कांग्रेस पार्टी सोनम वांगचुक के साथ खड़ी है। गौरतलब है कि लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और 80 से अधिक लोग घायल हुए थे। पुलिस का आरोप है कि वांगचुक के भड़काऊ भाषणों ने प्रदर्शनकारियों को उग्र कर दिया, जिससे हिंसा फैल गई।

पहलगाम आतंकी में नाम देकर 70 लाख रुपए ठगे आदित्य बिड़ला ग्रुप के पूर्व एमडी से फ्रॉड

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक बड़ा साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। यहां ठगों ने आदित्य बिड़ला ग्रुप के पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी), 75 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक को डिजिटल अरेस्ट के नाम पर धमकाकर 70 लाख रुपए ठग लिए हैं। जानकारी के मुताबिक, व्यक्ति को झांसा दिया गया कि उसका नाम पहलगाम आतंकी हमले में आया है। इस घटना के सामने आने के बाद मुंबई पुलिस की साइबर क्राइम सेल ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, परेल इलाके में रहने वाले पीड़ित को एक महिला ने शख्स को फोन कर खुद को दिल्ली एटीएस कंट्रोल रूम की अधिकारी बताया। उसने दावा किया कि पीड़ित का नाम पहलगाम आतंकी हमले की जांच में सामने आया है। इसके बाद वीडियो कॉल पर एक शख्स पुलिस की वर्दी में दिखाई दिया और खुद को आईजी प्रेम कुमार गौतम बताया। उसने पीड़ित को गिरफ्तारी, बैंक खाते फ्रीज करने और पासपोर्ट जब्त करने की धमकी दी। डर और दबाव में आकर पीड़ित ने अपनी आय, बैंक अकाउंट्स, फिक्स्ड डिपॉजिट और शेयर निवेश से जुड़ी जानकारी साझा कर दी। ठगों ने आरबीआई के नाम पर फर्जी नियम बताकर पैसे को 'व्हाइट मनी' में बदलने की बात कही और 70 लाख रुपए तीन अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए। ठगों ने भरोसा दिलाने के लिए व्हाट्सऐप पर नकली आरबीआई रसीद भी भेजी।

पुलिस की कार्रवाई

मुंबई साइबर क्राइम सेल ने इसे गंभीर मामला मानते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने ठगों द्वारा भेजे गए व्हाट्सऐप चैट, ऑडियो कॉल रिकॉर्डिंग और बैंक ट्रांजेक्शन के सबूत जब्त कर लिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल ट्रेल्स और खातों की जांच के आधार पर आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

कुंवारी लड़कियां टारगेट, 20 लाख में सौदा

मैसूर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कुंवारी लड़कियां टारगेट पर, 20 लाख रुपये में सौदा... तस्कर इन्हें देह व्यापार के धंधे में ढकेल देते थे। कर्नाटक के मैसूर की विजयनगर पुलिस ने इस गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला और एक पुरूष हैं। ये गिरोह नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार करवाकर ग्राहकों से मोटी रकम वसूलता था। मामले में पुलिस ने ओडानाडी संगठन की मदद से इस रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

शुरुआती जांच में पता चला कि यह नेटवर्क अंधविश्वास के मामले से जुड़ा है। अंधविश्वास है कि कुंवारी लड़कियों से पहली बार यौन संबंध बनाने से कई मानसिक बीमारियों और नपुंसकता दूर हो जाती हैं। मामले में

दोनों आरोपी तुलसी कुमार और शोभा लोगों ऐसे लोगों को अपने जाल में फंसाते थे जो मानसिक बिमारियां से परेशान थे। इसके बाद ये उसे इस अंधविश्वास के बारे में बहलाते थे। फिर इनके जाल में फंस चुके व्यक्ति को ये आरोपी 12 से 13 साल की लड़कियां उपलब्ध कराते थे। इसके बदले ये आरोपी इनके जाल में फंस चुके शख्स से लाखों रुपये वसूला करते थे। ये आरोपी नाबालिग लड़कियों को आलीशान जिंदगी का लालच देकर जाल में फंसाते थे और फिर उन्हें वेश्यावृत्ति में धकेल देते थे। मामले में मैसूर स्थित ओडानाडी संगठन को सूचना मिली थी कि ऐसा ही एक रैकेट चल रहा है। मामले की गंभीरता को समझते हुए, संस्था ने योजना बनाकर जानकारी जुटाई और आखिरकार ग्राहकों के वेश में आरोपियों से संपर्क कर इसकी पुष्टि की। पुष्टि होने के बाद, ओडानाडी संस्था ने पुलिस को मामले के बारे में जानकारी दिया। सूचना के आधार पर, विजयनगर पुलिस और मैसूर स्थित महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों ने प्लान बनाया और दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस ऑपरेशन में पुलिस ने एक नाबालिग को भी बचाया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने लड़की को वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेलने की कोशिश की थी। उन्होंने लड़की का इस्तेमाल करके पैसे कमाने कि कोशिश की। आरोपियों ने कहा था कि वे 20 लाख रुपये के लिए लड़की के साथ कुछ भी कर सकते हैं। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सुविचार: मेहनत हमेशा एकांत में रहकर करो अपने सपनों को पूरा करने पर ध्यान दो।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, 6 करोड रुपये का गांजा बरामद

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के साथ एसओटी, महेश्वरम जोन टीम ने अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 1210 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे का मूल्य 6 करोड़ 25 लाख रुपये बताया जा रहा है। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता में, महेश्वरम जोन के विशेष अभियान दल (एसओटी) ने अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के साथ समन्वय में, ओडिशा राज्य के मलकानगिरी जिले से हैदराबाद के रास्ते राजस्थान तक गांजा परिवहन में शामिल एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विक्रम विश्नोई उर्फ विकास, अनिया गांव, उस्मान तहसील, जिला जोधपुर, राजस्थान का रहने वाला है। उसके पास से टाटा अल्ट्रा ट्रक में लगभग 1210 किलोग्राम गांजा मिला है। उन्होंने बताया कि आरोपी विक्रम विश्नोई उर्फ विकास एक ड्राइवर है और गांजे की अवैध तस्करी में शामिल रहा है। इस दौरान, वह अपने क्षेत्र के जाने-माने गांजा तस्करों, देवीलाल उर्फ काटू (मध्यस्थ), अयूब खान (तस्करी का गांजा प्राप्तकर्ता) और रामलाल (डीसीएम वाहन मालिक और तस्करी का गांजा प्राप्तकर्ता) के संपर्क में आया। ये सभी राजस्थान के जोधपुर जिले की ओसियां तहसील के निवासी हैं। इन व्यक्तियों ने विक्रम को ड्राइवर के रूप में नौकरी देने की पेशकश की और ओडिशा राज्य के मलकानगिरी से राजस्थान राज्य तक गांजा पहुंचाने के लिए प्रति खेप 5 लाख रुपये का भुगतान करने का वादा किया। देवीलाल, अयूब खान और रामलाल राजस्थान राज्य भर में अपने एजेंटों को गांजा की आपूर्ति के लिए एक वितरण नेटवर्क बनाए रखने में शामिल थे। इन लोगों के निर्देशों पर कार्य करते हुए, विक्रम विश्नोई उर्फ विकास ने एक टाटा अल्ट्रा ट्रक चलाया जिसका पंजीकरण क्रमांक आरजे-19-जीएच-9295 था। उसने सबसे पहले राजस्थान के जयपुर से लोहे का एक लदा सामान महाराष्ट्र के नांदेड़ पहुंचाया, उसे उतारा और फिर हैदराबाद के लिए रवाना हुआ। वहां से, वह खम्मम, तेलंगाना गया, जहां उसने सीमेंट के बैग खरीदे जिनके नीचे गांजा के पैकेट छिपाने का इरादा था। उसने जानबूझकर वाहन के सामने के हिस्से को तस्करी के सामान के लिए खाली छोड़ दिया और बाद में ओडिशा राज्य के मलकानगिरी की यात्रा की। उसने ओडिशा के मलकानगिरी में अज्ञात स्रोतों से लगभग 1210 किलोग्राम गांजा एकत्र किया। मंगलवार को सुबह, विश्वसनीय सूचना के आधार पर, एसओटी महेश्वरम जोन की टीम ने अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के साथ मिलकर राष्ट्रीय राजमार्ग 65, कोत्तागुडा एक्स रोड, अब्दुल्लापुरमेट पर एक टाटा अल्ट्रा ट्रक को रोका और विक्रम विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। यह गांजा राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर वितरित किया जाना था। आरोपी वर्तमान में हिरासत में है और सिंडिकेट के अन्य सदस्यों की पहचान करने और आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

एसओटी महेश्वरम जोन और अब्दुल्लापुरमेट पुलिस की टीम के सक्रिय प्रयासों से इस मादक पदार्थों की तस्करी के अभियान को सफलतापूर्वक रोका जा सका, जिससे अवैध मादक पदार्थों की गतिविधियों से निपटने और समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनकी निरंतर प्रतिबद्धता उजागर हुई।

गरीबों की जमीन हड़पने के आरोप में गिरफ्तार

आदिलाबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फर्जी भूमि अधिकार पत्र का उपयोग कर गरीबों की जमीन हड़पने, जनता को धमकाने और कमजोर वर्गों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में मंगलवार को उश्केम रघुपति को गिरफ्तार किया गया।

डीएसपी एल जीवन रेड्डी ने बताया कि रघुपति के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस कार्रवाई मावला निवासी एरे नादिपी गंगन्ना की शिकायत पर की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि छह साल पहले रघुपति ने गंगन्ना की जमीन गिरवी रख दी थी। जब गंगन्ना ने आपत्ति जताई, तो रघुपति ने उसे ट्रैक्टर से कुचलने की धमकी दी।

मावला पुलिस स्टेशन में पहले भी रघुपति के खिलाफ एक मामला दर्ज था।

सीएम ने बतुकम्मा गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए मंत्री जुपल्ली को बधाई दी

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज राज्य के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और पर्यटन विभाग के अधिकारियों को राज्य सरकार की ओर से दुनिया का सबसे बड़ा बतुकम्मा आयोजित करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करने पर बधाई दी। ज्ञातव्य है कि हैदराबाद के सरूरनगर स्टेडियम में आयोजित बतुकम्मा समारोह को सबसे बड़े बतुकम्मा और सबसे बड़े लोक पारंपरिक नृत्य के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। इस संदर्भ में, मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन और पर्यटन विभाग के एमडी क्रांति ने सीएम रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुलाकात की। मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, अधिकारी जयेश रंजन और पर्यटन एमडी क्रांति ने संयुक्त रूप से सीएम को बतुकम्मा कार्यक्रम और लोक नृत्य के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाण पत्र सौंपा। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य के सबसे बड़े बतुकम्मा और सबसे बड़े लोक नृत्य के रूप में सांस्कृतिक उत्सव और कला प्रदर्शन के लिए गिनीज रिकॉर्ड बनाना सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस रिकॉर्ड को हासिल करने के लिए काम करने वाले सभी लोगों को बधाई दी।

राज्यपाल ने आयुध पूजा की

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मंगलवार को राजभवन में आयुध पूजा और वाहन पूजा की। दशहरा उत्सव के पारंपरिक समारोह के तहत, राज्यपाल ने सुरक्षाकर्मियों के हथियारों की आयुध पूजा और राजभवन के सभी वाहनों की वाहन पूजा की।

राजभवन परिसर में मंदिर के पास आयोजित विशेष आयुध पूजा और वाहन पूजा में राज्यपाल के साथ वरिष्ठ अधिकारी और अन्य कर्मचारी भी शामिल हुए। राज्यपाल ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं दीं।

भाजपा सांसद ने आदित्य विंटेज बंगले को गिराने की मांग की

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गंडीपेट मंडल के नरसिंगी के पास श्री आदित्य विंटेज परियोजना को लेकर विवाद ने मंगलवार को एक नया मोड़ ले लिया जब भाजपा सांसद रघुनंदन राव ने मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्र में कथित 'अवैध निर्माण' को गिराने की मांग की। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सांसद ने कहा कि राज्य सरकार मूसी रिवरफ्रंट परियोजना पर ध्यान केंद्रित कर रही है, लेकिन वह बड़े पैमाने पर अवैध निर्माणों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे आदित्य विंटेज जैसी परियोजनाओं को निषिद्ध क्षेत्रों में बनने की अनुमति देते हुए गरीब परिवारों को गिराने का लक्ष्य बना रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, एचएमडीए ने सर्विस रोड पर अतिक्रमण करने वाली और पूरी तरह से एफटीएल सीमा के भीतर स्थित एक संरचना को अनुमति कैसे दी? और कहा कि वह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और हाइड्रा आयुक्त रंगनाथ को पत्र लिखेंगे और चेतावनी देंगे कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो वह अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

युवक की चाकू मारकर की हत्या

नरसिंगी में शराब पार्टी के दौरान हुआ झगड़ा

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के नरसिंगी इलाके में सोमवार आधी रात शराब पार्टी के दौरान हुए झगड़े में एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान यादगिरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यादगिरी अपने दोस्तों अफरोज और नवाज के साथ कोकापेट स्थित डबल बेडरूम कॉम्प्लेक्स के पास शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी मामूली बात पर उनके बीच बहस हो गई। गुस्से में आकर अफरोज और नवाज ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे यादगिरी गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग बाहर आए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। नरसिंगी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि घटना नशे की हालत और मामूली विवाद के कारण हुई। मामले की आगे जांच जारी है।

सांसद ईटेला ने स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र ने मंगलवार को स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण के वादे से लोगों को गुमराह कर रही है, जिसे अदालतें शायद ही बरकरार रखेंगी। रेवंत रेड्डी सरकार पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के नाम पर नाटक कर रही है। अगर अदालत यह फैसला सुना दे कि यह संवैधानिक नहीं है, तो क्या होगा? अदालत ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव होने के बाद उन्हें रद्द कर दिया था। ईटेला ने याद दिलाया कि जिन उम्मीदवारों ने चुनावों में पैसा खर्च किया था, उन्हें भारी नुकसान हुआ है। हनुमाकोंडा के कमलापुर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए, राजेंद्र ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले बिहार और महाराष्ट्र में इसी तरह के आरक्षण को रद्द कर चुका है। उन्होंने कहा, लोगों के अदालत जाने पर मंत्रियों को क्या आपत्ति है? वे जानते हैं कि यह कानूनी जांच में टिक नहीं पाएगा। उन्होंने सरपंच पद के उम्मीदवारों को चुनाव में खर्च करने में जल्दबाजी न करने की सलाह दी और चेतावनी दी कि हो सकता है कि चुनाव ही न हों। आरक्षण के इस कदम को 'राजनीतिक नाटक' बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की उम्मीदों से खेल रही है।

युवा क्रिकेटर तिलक वर्मा ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। युवा क्रिकेटर तिलक वर्मा ने एशिया कप-2025 के फाइनल मैच में पाकिस्तान पर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तिलक वर्मा को सम्मानित किया और बधाई दी। तिलक वर्मा ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को क्रिकेट बैट भेंट किया। कार्यक्रम में मंत्री वक्ति श्रीहरि, एसएटीएस अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, एसएटीएस एमडी सोनीबाला देवी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू, खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी और अन्य लोग शामिल हुए।

जीएम ने हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज सिकंदराबाद मंडल के हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। संजय कुमार श्रीवास्तव ने हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन के बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षालय, स्टेशन मास्टर कार्यालय और सर्कुलेटिंग एरिया का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हाई-टेक सिटी स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मंडल के अधिकारियों ने कार्यों की प्रगति और स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। महाप्रबंधक ने मंडल को कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी ताकि परियोजना को निर्धारित तिथि तक पूरा किया जा सके।

भाकपा ने लद्दाख समस्या का समाधान करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) नियंत्रण आयोग के अध्यक्ष डॉ.के. नारायण ने मंगलवार को केंद्र सरकार से सभी हितधारकों के साथ सार्थक बातचीत और परामर्श के माध्यम से लद्दाख समस्या का समाधान करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जारी तनाव और प्रशासनिक अनिश्चितता स्थानीय लोगों की आजीविका और लोकतांत्रिक अधिकारों को प्रभावित कर रही है।

सरकार को लद्दाख के लोगों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपाय, पर्यावरण संरक्षण और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना चाहिए। डॉ. नारायण ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लद्दाख के नागरिकों की चिंताओं की अनदेखी करने से अलगाव और अशांति और बढ़ सकती है।

उन्होंने सरकार से राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची का दर्जा और समान विकास की मांगों को संबोधित करते हुए संघीय सिद्धांतों और लोकतांत्रिक भावना को बनाए रखने की अपील की। भाकपा नेता ने यह भी मांग की कि गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को निर्धारित वार्ता बैठक से पहले तुरंत रिहा किया जाए, ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में बातचीत हो सके।

एक शाम माँ भगवती का 16वाँ जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल चंगीचेरला स्थित कुमावत सेवा समिति के तत्वावधान में सोमवार 29 सितंबर सायं 5.30 बजे से डांडिया, सायं 7.15 बजे से भोजन-प्रसादी, रात्रि 9.15 बजे से पुजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर एक शाम माँ भगवती के जागरण का आयोजन किया गया।

जिसमे आस्था टी.वी. फेम सिंगर कन्हैया वैष्णव ने राजस्थानी अंदाज में भजनों के पुष्प अर्पित किये। पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, भोजन-प्रसादी के लाभार्थी महेन्द्र मोचीवाल, मोतीलाल, नेतीराम दुबलदिया, नौरतमल चांदौरा, नाथुराम, ताराचन्द लारना का पदाधिकारियों द्वारा शॉल व साफे से स्वागत कर भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया ने समाज बन्धुओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों का तहदिल से आभार प्रकट कर बताया कि समाज के विकासशील कार्यो को समाज बन्धुओं के सहयोग से पुरा करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संरक्षक चन्द्रप्रकाश मोटावत, पारसमल रेनवाल, अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पीपाड़ा, बाबुलाल गोयल, सचिव नाथुराम लारना, महेन्द्र मोचीवाल, कोषाध्यक्ष आसुराम रेनवाल, मल्लाराम मंडोरा, मंत्री सी.आर.कुमावत, गौतमचन्द भदानिया, प्रचार मंत्री धाराराम रेनवाल, लक्ष्मणराम बावलिया, खेल मंत्री ओमकार दुबलदिया, पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। सचिव नाथुराम लारना के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Padala Lakshmi, Spouse No.14651617M, NK, Pulugu Kishore Reddy, R/o, Prakasam Dist, Andhra Pradesh, changed my name from Padala Lakshmi to Pulugu Sri Laxmi vide Affidavit dt 29.09.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, Appa Rao, Father of No.14669207Y, Hav, Uttama Appalareddy Karri, R/o, Dist: Visakhapatnam, Andhra Pradesh, changed my name from Appa Rao to Karri Apparao, vide Affidavit dt 29.09.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, Nara Laxmi, Mother of No.14669207Y, Hav, Uttama Appalareddy Karri, R/o, Visakhapatnam Dist, Andhra Pradesh, changed my name from Nara Laxmi to Karri Varahalamma, vide Affidavit dt 29.09.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-आक्शन लीजिंग माध्यम से वाणिज्यिक आय संविदाओं हेतु गुण्टूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

PUB/1225

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस वेब पोर्टल के ई-आक्शन लीजिंग मोड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। कैटरिंग कैटलाग्स के विवरण को नीचे दिया गया है।

कैटरिंग स्टाल्स की ई-नीलामी तिथि 14-10-2025

क्रम संख्या	ठेका या संविदा प्रकार	स्टेशन/श्रेणी/स्थान:	ठेका अवधि:	पूर्व धरोहर राशि-पूधरा मूल्य:	नीलामी शुरू तिथि व समय:
1	ज्यूस बार	सत्तेनपल्ली-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
2	ज्यूस बार	नडीकुडी-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
3	टी स्टाल	माचेर्ला-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
4	टी स्टाल	रेपल्ले-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
5	टी स्टाल	दोनकोण्डा-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
6	टी स्टाल	दोनकोण्डा-डी (पीएफ नं.2&3)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
7	ज्यूस बार	कम्बम-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
8	ज्यूस बा	कम्बम-डी (पीएफ नं.2&3)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
9	टी स्टाल	कम्बम-डी (पीएफ नं.2&3)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
10	टी स्टाल	वेमुरू-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
11	टी स्टाल	नलगोण्डा-बी (पीएफ नं.2)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
12	टी स्टाल	नरसारावपेट-डी (पीएफ नं.2)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बजे
13	ज्यूस बार	विनुकोण्डा-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	14-10-2025 के 11.00 बज

यह निविदाकार का उत्तरदायित्व है कि, डिजीटल सर्टिफिकेट प्राप्त करें तथा ई-निविदाओं में भाग लेने हेतु स्वयं को आईआरईपीएस 'ई' नीलामी लीजिंग में पंजीकृत करना चाहिए। वेबसाइट: www.ireps.gov.in पोर्टल के मैन्युएल & गाइडलाइन्स के तहत आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण के प्रति आवश्यकताएं तथा 'ई' नीलामी लीजिंग में सहभागिता विवरण दिया गया है। जब कभी भी बुलाए जाने पर, निविदाकार द्वारा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में तत्संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा एवं रेल प्रशासन,

निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग या तत्संबंधित भुगतान के दौरान घटित किसी भी बाधा के लिए, कतई जिम्मेदार नहीं होगा। निविदा के निर्धारित शर्तों को य़थोचित रूप से पूरा न कर, प्रस्तुत किए गये, निविदा प्रपत्रों को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा का पूरा विवरण, ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के वेबसाइट पोर्टल:www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

A1547 हस्ता./- वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटूर

मौलाना तौकीर के करीबी डॉ. नफीस समेत 31 आरोपी गिरफ्तार

जांच के लिए एसआईटी गठित; इंटरनेट सेवा बहाल

बरेली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में मौलाना तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसकी मार्केट को दिन में नगर निगम ने सील किया। इसमें 74 दुकानें हैं। वहीं मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है। बरेली में इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी और शहर में हुए बवाल के आरोपी डॉ. नफीस की नावल्टी स्थित मार्केट को नगर निगम ने सील कर दिया। इसमें 74 दुकानें हैं।

इसी मार्केट में आईएमसी का दफ्तर भी संचालित किया जा रहा था। उस पर भी नगर निगम ने ताला लगा दिया है। आरोप है कि नाले पर कब्जा कर यह मार्केट बनाई गई है। देर रात नफीस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आईएमसी जिलाध्यक्ष सादिक को भी पकड़ लिया है। आईएमसी के पूर्व जिलाध्यक्ष और तौकीर के

सिपहसालार नदीम खान को पुलिस ने रविवार रात को ही गिरफ्तार कर लिया था। उपद्रव की तफ्तीश के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। वहीं, रात 12.45 बजे इंटरनेट सेवा बहाल हो गई।

पूरा मार्केट किया गया सील

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि पहलवान साहब की मजार के पास की मार्केट की कई दुकानें नाले पर बनी हैं, जो अवैध हैं। शनिवार शाम को ही नगर निगम की टीम ने मार्केट की पैमाइश कर ली थी। सोमवार को टीम मौके पर पहुंची और दुकानदारों को सामान निकालने के लिए कहा। जैसे-जैसे दुकानें खाली होती गईं, एक-एक कर उनको सील किया गया। फिर पूरी मार्केट पर बाहर से भी सील लगा दी।

दूसरे तल पर आईएमसी का दफ्तर

मार्केट के दूसरे तल पर स्थित आईएमसी कार्यालय में बैठकर नफीस जिले में होने वाले संगठन के सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करता था। इस कार्यालय में मौलाना तौकीर का दो-तीन बार ही आना-जाना हुआ है। डॉ. नफीस ही संगठन की पूरी रणनीति को अंजाम देता था। नफीस का करीबी पार्षद अनीस सकलैनी मार्केट में पंचायत लगाकर बैठता था। पिछले दिनों नफीस ने आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर उतारने पर किला इंस्पेक्टर को हाथ काटने और वर्दी उतारने की धमकी दी थी।

> आईएमसी जिलाध्यक्ष सादिक सहित 31 गिरफ्तार

बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि कसाई टोला निवासी उमेद, मुस्तकीम, अरबाज, कलीम, मोबीन, नाजिम रजा, मोहसिन, शाकिब, रफीक, जैनुल, तौहीन, फैसल, मोबीन पुत्र छोटेशाह, अरशद व सुब्हान को गिरफ्तार कर लिया गया। देर रात बारादरी पुलिस ने आईएमसी के जिलाध्यक्ष फरीदपुर निवासी सादिक खान को भी गिरफ्तार कर लिया। आईएमसी का पूर्व जिलाध्यक्ष और मौलाना तौकीर का खास गुर्गा नदीम खां उपद्रव के दौरान पलिस का वायरलेस हैंडसेट भी छीनकर ले गया था। कोतवाली पुलिस ने नदीम की गिरफ्तारी के बाद उसकी निशानदेही पर हैंडसेट बरामद कर लिया।

'अब नहीं करेंगे पथराव और बवाल'

आरोपियों ने हाथ जोड़कर मांगी माफी, नदीम की अकड़ अब भी बाकी; नहीं जोड़े हाथ

बरेली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में बवाल करने वाले आरोपियों को पुलिस लाइन से कोर्ट और फिर जेल भेज दिया गया। आरोपियों ने हाथ जोड़कर माफी मांगी कि भविष्य में पुलिस पर पथराव व बवाल जैसी कोई गलती नहीं करेंगे।

सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने नदीम खां के साथ ही मुस्तकीम, जफरुद्दीन, मोहम्मद इमरोज, मुसरोफ शेख, शमशेर रजा, मोहम्मद उवैस, राहिल, मोहम्मद साजिद, समीर, जीशान, फैसल, तौहीद खान व फरमान को भी अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया गया। साथ ही 12 बोर का एक तमंचा, दो कारतूस व एक खोखा भी बरामद किया गया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया कि नदीम खां मौलाना तौकीर का बेहद भरोसेमंद है। शुक्रवार को बवाल के दौरान भीड़ को उकसाकर प्रदर्शन की अगुवाई करने वालों में वह सबसे आगे था। कोतवाली प्रभारी अमित पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार रात कोतवाली क्षेत्र से ही नदीम की गिरफ्तारी की। उससे पूछताछ के बाद पता लगा कि 26 सितंबर को प्रदर्शन के दौरान वह पुलिस का वायरलेस हैंडसेट लेकर भाग निकला था। नदीम की निशानदेही पर हैंडसेट बरामद कर लिया गया है। प्रेसवार्ता के बाद आरोपियों को पुलिस लाइन से कोर्ट और फिर वहां से जेल भेज दिया गया। इस दौरान आरोपियों ने हाथ जोड़कर माफी मांगी कि भविष्य में पुलिस पर पथराव व बवाल जैसी कोई गलती नहीं करेंगे। हालांकि, इस दौरान नदीम ने हाथ नहीं जोड़े। लोगों ने टोका तो भी वह अकड़ दिखाता रहा।

आईफोन के लिए कारोबारी के बेटे का अपहरण

प्रयागराज में 16 साल के किडनैपर ने सिर पर पत्थर मारे, 15 दिन कोमा में रहा

प्रयागराज, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में 9 साल के अंश की किडनैपिंग में चौंकाने वाला फैक्ट सामने आया। उसका किडनैपर कोई और नहीं, घर से सिर्फ 200 मीटर दूर रहने वाला 16 साल का लड़का हरि केसरवानी (बदला हुआ नाम) निकला। सवाल उठा कि हरि ने किडनैपिंग की क्यों? पुलिस कस्टडी में आरोपी ने कहा-मैं ऑनलाइन गेमिंग में 52 हजार रुपए हार गया था। इसमें 46 हजार रुपए 3 दोस्तों से उधार लिए थे। वापस नहीं कर पा रहा था। गेम खेलने के लिए मुझे आईफोन-17 की जरूरत थी, इसलिए किडनैपिंग के लिए अंश को चुना। 2 लाख रुपए की फिरौती मांगनी थी, मगर फिरौती की पर्ची देने से पहले ही अंश बेहोशी हालत में मिल गया। मैंने उसे मरा समझकर फेंका था।

12वीं के छात्र ने खुद को गोली से उड़ाया

परिजनों ने देखा खून से लथपथ शव, अवैध तमंचा बरामद

उन्नाव, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उन्नाव जिले के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में एक 17 वर्षीय छात्र ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना सोमवार देर शाम करीब 8:30 बजे कलवारी-महमदाबाद गांव में हुई। परिजनों ने गोली की आवाज सुनकर कमरे में देखा तो छात्र खून से लथपथ पड़ा था। पुलिस ने मौके से अवैध तमंचा और एक कारतूस का खोखा बरामद कर जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक छात्र की पहचान जयंत दीक्षित के बेटे मयंक उर्फ सावन के रूप में हुई है।

भेड़ियों की दहशत : बहराइच में दंपती को जिंदा चबाया

> बचने के लिए हाथ-पैर पटकते रहे > घर में कैद ग्रामीण

बहराइच, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बहराइच में मंझारा तौकली ग्राम पंचायत में सोमवार रात भेड़ियों ने फिर कहर बरपाया। गांव प्यारे पुरवा में अहाते में सो रहे बुजुर्ग दंपती पर भेड़ियों ने हमला कर उन्हें जिंदा चबा लिया। घटना में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, देवनाथ पुरवा और भृगु पुरवा में भेड़ियों के हमले से महिला समेत दो लोग घायल हुए हैं। लगातार हो रहे हमलों से गांवों में दहशत का माहौल है।

घर से 200 मीटर दूर सो रहे थे पुरवा निवासी खेदन (70) पुत्र जनार्दन और उनकी पत्नी मनकी (65) रोज की तरह सोमवार रात घर से करीब 200 मीटर दूर बने अहाते में सो रहे थे। आधी रात लगभग 1 से 2 बजे के बीच भेड़ियों

का झुंड वहां आ पहुंचा। सोते समय ही दंपती पर हमला कर दिया। दोनों के हाथ-पांव और शरीर के कई हिस्सों को भेड़िये चबा गए। गले और चेहरे पर गहरे जख्म मिले।

गांव वालों पर भी किया हमला

सुबह देर तक दंपति घर नहीं पहुंचे तो उनका बेटा झब्बर खोजते हुए अहाते पहुंचा। वहां मां-बाप के क्षत-विक्षत शव देखकर उसकी चीख निकल गई। गांव के लोग इकट्ठा हुए तो सभी सन्न रह गए। ग्रामीणों का कहना है कि गन्ने के खेतों में भेड़ियों का झुंड घूमता देखा गया है। इसी रात भेड़ियों ने देवनाथ पुरवा की सेबरी (30) और भृगु पुरवा के रामू पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दोनों का इलाज जारी है।

डीएफओ ने बंद किया फोन

गांव में फैली दहशत को देखते हुए लोग रात में जागकर पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद अभी तक वन विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। डीएफओ राम सिंह यादव दो दिन से न मीडिया से बात कर रहे हैं और न ही फोन रिसीव कर रहे हैं।

बिलखते हुए मां ने कहा कि हमला भेड़िये ने किया। कुछ ग्रामीणों का दावा है कि उन्होंने तेंदुए को देखा है। वन विभाग अभी तक पक्के तौर पर कुछ कह नहीं पा रहा है। 10 मार्च 2024 से अब तक जिले में भेड़ियों के 80 से अधिक हमले हो चुके हैं।

पुलिस ने फिर नजरबंद किया सपा सांसद रामजीलाल सुमन को

घर के रास्ते पर लगाई बैरिकेडिंग; समर्थकों की जुटी भीड़

आगरा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा पुलिस ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन को एक बार फिर घर में नजरबंद कर दिया है। उनके आवास के रास्तों पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा दी। इसकी सूचना मिलते ही समर्थकों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। पुलिस इस दौरान अलर्ट दिखाई दी।

संजय प्लेस स्थित एचआईजी फ्लैट निवासी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन मंगलवार सुबह गिजौली जाने वाले थे। इस सूचना पर उनके घर पर पुलिस पहुंच गई। सपा सांसद को नजरबंद कर दिया गया। उनके आवास के रास्ते पर बैरिकेडिंग लगा दी गई। इसकी जानकारी मिलते ही तमाम समर्थकों की भीड़ उनके आवास पर जुटना शुरू हो गई। हालांकि पुलिस ने किसी को भी वहां एकत्रित नहीं होने दिया।

बता दें रामजीलाल सुमन के नेतृत्व में 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल खंदौली क्षेत्र के गांव गिजौली जाने वाला था। ये वही गिजौली है, जहां पिछले दिनों दो पक्षों में विवाद हो गया था। हालांकि इस विवाद में समझौता हो चुका है। पुलिस ने गिजौली में शांति भंग करने की कोशिश करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। सपा सांसद सुमन पिछले दिनों भी गिजौली गए थे। पुलिस अधिकारी से वार्ता में एक पक्ष को उन्होंने रावण कह दिया था, जिस पर राजनीत शुरू हो गई थी।

भाजपा प्रभारी के साथ पवन सिंह की उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात

अब एनडीए में अभिनेता की एंट्री

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति का पारा एक बार फिर चढ़ गया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में भोजपुरी स्टार और गायक-अभिनेता पवन सिंह ने राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा से दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात ने अचानक बिहार की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। दिल्ली में हुई इस बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

कुछ जानकार मान रहे हैं कि यह मुलाकात सिर्फ औपचारिक नहीं थी, बल्कि इसके पीछे बड़े चुनावी समीकरण की तैयारी है। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी इस बात को और पुख्ता करती है कि बातचीत का एजेंडा आगामी चुनाव से जुड़ा हुआ था। कहा जा रहा है कि पवन सिंह की लोकप्रियता को चुनावी रणनीति में शामिल करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, इस मुलाकात पर किसी ने आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन इतना तय है कि बिहार की सियासत में नई उठापटक की शुरुआत हो चुकी है। इसके अलावा यह भी सामने आ रहा है कि पवन सिंह पार्टी से नाराज चल रहे थे और लोकसभा चुनाव के दौरान उत्पन्न नाराजगी को अब दूर किया जा रहा है। हाल ही में पवन सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री आर. के. सिंह की भी दिल्ली में मुलाकात हुई थी। उसके बाद आर. के. सिंह का रुख पवन सिंह की ओर झुकने लगा।

11वीं के छात्र को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

गोरखपुर में दुर्गा पूजा से लौटते वक्त बाइक टकराई, भड़के लोगों ने अधमरा किया

गोरखपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में सोमवार देर रात दो बाइकों की टक्कर के बाद भीड़ ने 11वीं के छात्र आकाश निषाद को पीट-पीटकर मार डाला। आकाश बाइक से अपने दोस्तों के साथ दुर्गा पूजा देखकर लौट रहा था। तभी रात 10 बजे सहजनवा के पास उसकी दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। इसके बाद आसपास मौजूद लोग हादसे की जगह की ओर भागे। नाराज लोगों ने आकाश को घेर लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। युवक को बीआरडी मेडिकल कालेज ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर देर रात करीब 3 बजे नौसड़ के पास सड़क पर बैठ गए। उन्होंने खूब हंगामा किया। आकाश के पिता दिलीप कुमार निषाद ने कहा- ये हादसा नहीं है। लोगों ने मेरे बेटे की हत्या की है। पुलिस के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

कानपुर-नोएडा समेत 20 शहरों में बारिश, 3 की मौत

मथुरा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में दशहरे से पहले एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। प्रदेश में 10 दिनों बाद बारिश का दौर शुरू हुआ है। कम से कम 20 जिले बारिश से तरबतर हो गए हैं। मंगलवार सुबह कानपुर, प्रयागराज, नोएडा, गाजियाबाद, गोंडा, मथुरा, हाथरस, बरेली, श्रावस्ती और फर्रुखाबाद समेत कई शहरों में तेज बारिश हुई। मथुरा और श्रावस्ती में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। मंडियों में भी पानी भर गया। हाथरस के कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। बिजली गिरने से मथुरा, श्रावस्ती और कन्नौज में एक-एक की मौत हो गई है। इससे पहले, सुबह से ही पश्चिम यूपी के कई जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज 17 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

संभल में आचार्य प्रमोद बोले-सांसद बर्क रावण हैं

> दंगे भड़काने पर बुलडोजर चलेगा और तोपें भी

> योगी को अभिमन्यु न समझें, वे अर्जुन हैं

संभल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। 'कई रावण तो संभल में ही हैं। संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क भी रावण हैं। अगर कोई दंगा भड़काएगा तो बुलडोजर भी चलेगा, तोपें भी चलेंगी, गोले भी चलेंगे। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को लोग अभिमन्यु न समझें- वे अर्जुन हैं।' ये बातें श्रीकल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने संभल में रामलीला के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि हिंदुओं पर हजारों साल से अत्याचार हो रहा है।

अब भी सनातन धर्म को मिटाने की कोशिशें हो रही हैं। हम बलिदान देने से पीछे नहीं हटते। सनातन, राष्ट्र और राम के नाम पर हिंदुओं ने कभी समझौता नहीं किया और न ही कभी करेंगे। रावण के दहन के सवाल पर आचार्य ने कहा- कई रावण तो संभल में ही हैं। संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क भी रावण हैं। बरेली कांड के आरोपी तौकीर रजा के करीबी द्वारा उपद्रवी बुलवाने के सवाल पर उन्होंने कहा- भारत में कानून का राज और संविधान का राज है। यदि कोई दंगा भड़काएगा तो बुलडोजर भी चलेगा, तोपें भी चलेंगी, गोले भी चलेंगे। संभल कोतवाली क्षेत्र के खेल मैदान में श्रीरामलीला कमेटी के नेतृत्व में 15 दिनों का रामलीला मंचन चल रहा है। बीते सोमवार रात करीब 10 बजे आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कार्यक्रम में शिरकत की। रात 12:30 बजे तक रामलीला देखी। उन्होंने श्रीकल्कि धाम आने का निमंत्रण भी दिया। रामलीला नाट्य कला मंदिर (दरभंगा, बिहार) के कलाकारों ने माता सीता हरण की लीला का मंचन किया। इस नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को पूरी तरह भावविभोर कर दिया।

रामलीला में लौटे पुराने अनुभव

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने रामलीला मंचन के दौरान भजनों की बौछार कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा- जब हम कॉलेज जाया करते थे, तो इसी मैदान में खेला करते थे और रात को रामलीला देखने आते थे। इस रामलीला मंचन से मेरी 47 साल पुरानी यादें ताजा हो गईं। आचार्य ने करीब 40 मिनट तक भजन गाए। आजम खान और राजनीतिक गठबंधनों पर सवाल पर आचार्य प्रमोद ने कहा कि अखिलेश यादव और आजम खान का पुराना रिश्ता था, लेकिन वह रिश्ता मुलायम सिंह जी के साथ खत्म हो गया।

प्रशांत किशोर के आरोपों पर चिराग पासवान का पलटवार

पटना पहुंचकर बोले-जिन पर आरोप, वो जवाब देने में सक्षम जातिवाद ने बिहार को पीछे धकेला

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रशांत किशोर के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्रियों पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, यह जांच का विषय हो सकता है। लेकिन जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, वे स्वयं सक्षम हैं अपना जवाब देने में। चिराग पासवान ने कहा कि, दिल्ली में भी आम आदमी पार्टी के एक नेता ने अपनी ही पार्टी के मंत्रियों की सूची जारी की थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां भी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।"

एसआईआर की फाइनल रिपोर्ट पर बोले चिराग

चिराग पासवान ने एसआईआर की फाइनय रिपोर्ट पर कहा कि, रिपोर्ट आने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि विपक्ष इसमें कितनी राजनीति करता है। उन्होंने साफ कहा कि, इस रिपोर्ट को लेकर केंद्र सरकार पर अनावश्यक आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि इसका केंद्र से कोई संबंध नहीं है।

तेजस्वी यादव पर चिराग पासवान ने जोरदार पलटवार

तेजस्वी यादव द्वारा अति पिछड़ों को अपना वोट बैंक बताने पर चिराग पासवान ने जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा, "21वीं सदी में भी जाति के आधार पर वोट मांगना केवल नेता प्रतिपक्ष की सोच हो सकती है। इसी मानसिकता ने बिहार को पीछे धकेला है। राजद का 'एम-वाई' वोट बैंक ही जातिवाद का प्रतीक है।" बिहार सरकार के खजाने को खाली बताने और योजनाओं की घोषणा पर सवाल उठाने वाले तेजस्वी के बयान पर चिराग ने पलटवार किया है। चिराग पासवान ने कहा कि, विपक्ष सरकार की योजनाओं से घबरा चुका है।

मांझी बोले–लालू यादव ने मुझे सीएम पद से हटाया

तेजस्वी को पागल बताया; वित्त रहित टीचर्स के लिए सरकार ने बनाई कमेटी

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में चुनावी सरगर्मी तेज है। आज चुनाव आयोग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 38 जिलों के कमीश्नर, आईजी, डीआईजी, डीएम, एसपी, डीएसपी के साथ बैठक करेगा। वहीं एसआईआर प्रोसेस के बाद फाइनल वोटर लिस्ट आएगी। राजनीतिक दल भी एड़ी-चोटी को जोर लगा रहे हैं। इनके बीच आई लव मोहम्मद से शुरू हुआ विवाद अभी तक थमा नहीं है।

तेजस्वी पागल हैं, दिमाग इधर-उधर हो गया है : मांझी

गयाजी में जीतन राम मांझी तेजस्वी यादव पर भड़क गए। उन्हें पागल कहा, साथ ही पूछा-उनका दिमाग इधर-उधर हो गया है क्या? दरअसल, एससी/एसटी के प्रति भाजपा नेगेटिव एप्रोच रखती है तेजस्वी यादव के इस बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री से सवाल किया गया था।

जिसपर मांझी ने कहा, 'तेजस्वी पागल हैं।' 'उनके पिता ने मुझे मुख्यमंत्री के पद से हटाने का काम किया है। यह बात तेजस्वी को लगता है भूल जाता है कुछ दिमाग इधर-उधर हो गया है क्या।'

वित्त रहित टीचर्स के लिए सरकार ने बनाई कमेटी

वित्त रहित शिक्षकों के वेतनमान समेत दूसरी मांगों के समाधान के लिए बिहार सरकार ने समिति बनाई है। मुख्य सचिव इसके अध्यक्ष होंगे। संस्कृत विद्यालयों और मदरसों के शिक्षकों को भी इस कमेटी में लिए जाने फैसले का फायदा मिलेगा। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। बिहार में वित्त रहित शिक्षकों की संख्या 20 हजार है। लंबे समय से ये अनुदान की जगह वेतनमान की मांग कर रहे हैं। समिति उनके वेतनमान पर फैसला लेगी।

पटना में 'आई लव लालू-तेजस्वी' के लगे पोस्टर

सीमांचल न्याय यात्रा के दौरान ओवैसी के 'आई लव मोहम्मद ' वाले बयान से शुरू हुआ विवाद अभी थमा नहीं है। पटना में आज मंगलवार को 'आई लव लालू-तेजस्वी' के पोस्टर लगे है। राजद कार्यालय के बाहर पोस्टर लगा है। पोस्टर में लिखा है- मुझे बिहार के हर एक व्यक्ति से प्यार है। मुझे लालू जी और तेजस्वी जी से भी प्यार है। क्योंकि लालू जी गरीबों, पिछड़ों, अति पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की आवाज़ हैं।

सीएम नीतीश ने की पटन देवी मंदिर में पूजा

महाष्टमी के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना सिटी के गायघाट पहुंचे और ऐतिहासिक शक्तिपीठ बड़ी पटन देवी मंदिर में मां दुर्गा की पूजा अर्चना की। सीएम ने शीतला माता मंदिर में भी मां भगवती के दर्शन किए। मुख्यमंत्री हर दुर्गा पूजा में यहां पूजा करने जाते हैं। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार दीपक कुमार, प्रमंडलीय आयुक्त डॉ चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉक्टर त्याग राजन एसएम, एसएसपी कार्तिकेय शर्मा समेत जिला प्रशासन के कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे।

उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार को दी चेतावनी

बोले- 'हम लोगों के धैर्य का गलत मतलब न निकालें'

जम्मू, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि जम्मू-कश्मीर का राज्य दर्जा बहाल करना लोगों का मौलिक अधिकार है, और सरकार को लोगों के धैर्य का गलत मतलब नहीं निकालना चाहिए, क्योंकि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं।

गांदरबल में पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर के लोगों से किए गए वादों को पूरा करके, लद्दाख में फैली अशांति जैसी स्थिति को जम्मू-कश्मीर में भी न पनपने देने के प्रति आगाह किया। अब्दुल्ला ने जोर देकर कहा कि यहां हालात पलभर में बदल सकते हैं, लेकिन हम नहीं चाहते कि यह उस स्तर तक पहुंचे जो हम लद्दाख में देख रहे हैं। राज्य का दर्जा हमारा अधिकार है। लद्दाख के लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मांगा था, फिर भी इससे उनके जीवन में कोई सुधार नहीं आया। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि यहां निर्दोष लोगों को कष्ट सहना पड़े। उनकी पार्टी इस मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीके से उठाती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि भारत सरकार पहले ही राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और सर्वोच्च न्यायालय को भी यह आश्वासन दे चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिसीमन और चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आगे राज्य का दर्जा बहाल करना है, जो भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में वादा किया है। लोगों ने अब तक उल्लेखनीय धैर्य दिखाया है, लेकिन अब इस वादे को पूरा करने का समय आ गया है, और उनके धैर्य का गलत मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए।

नई सुविधाओं के साथ पहले से महंगी होगी जंगल सफारी, आज से शुरू

दमोह, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मानसूनी सीजन में एक जुलाई से बंद हुए वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के द्वार एक अक्तूबर से पर्यटकों के लिए खुल जाएंगे। टाइगर रिजर्व प्रबंधन तैयारियों में जुटा है, ताकि पर्यटकों को और बेहतर अनुभव मिल सके। पिछले साल की अपेक्षा इस बार रिजर्व क्षेत्र में कुछ सुविधाओं में सुधार किया गया है। पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाइड व्यवस्था, सफारी रूट, वॉच टॉवर बेहतर को बनाया गया है। पार्किंग और टिकट काउंटर को लेकर भी इंतजाम किए जा रहे हैं। बता दें टाइगर रिजर्व में 24 से अधिक बाघ हैं, जिनकी संख्या इन तीन महीने में बढ़ने की उम्मीद भी है।

सभी बाघों ने अलग-अलग स्थानों पर अपना डेरा जमा लिया है, जिसमें दमोह जिले का सबसे अधिक स्थान है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन का कहना है कि इस बार पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इस दौरान पर्यटकों को बाघ, तेंदुआ, भालू और अन्य जंगली जानवरों के साथ पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों को देखने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व जैव विविधता के लिहाज से समृद्ध है। वहीं अब यह क्षेत्र पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अक्तूबर से रिजर्व खुलने पर बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। बता दें कि टाइगर रिजर्व 2339 वर्ग किमी में सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों में फैला है। यहां 250 से अधिक प्रजातियों से वन्य जीवन समृद्ध है। अभी यहां 24 बाघ, तेंदुआ करीब 50, चीतल 1796, सांभर 479, चिंकारा 1566, नीलगाय, जंगली सुअर, लंगूर 32981, मगरमच्छ और कई प्रजाति के पक्षी हैं।

महंगी होगी जंगल सफारी

अक्तूबर से प्रदेश के तमाम टाइगर रिजर्व के साथ रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व भी पर्यटकों को खुल जाएगा। पर्यटकों को इस बार से 10 फीसदी ज्यादा शुल्क चुकाना होगा, क्योंकि सरकार ने शुल्क बढ़ा दिया है। ऐसे में वीडीटीआर में जंगल सफारी महंगी होगी। प्रति पर्यटक 400 की जगह 440 रुपये, रविवार को 500 की जगह 550 रुपये लगेंगे। एक जिप्सी पर 3300 रुपये तक खर्च होंगे।

बेहतर होगा अनुभव

दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ। एए अंसारी का कहना है। अक्तूबर से टाइगर रिजर्व खुल जाएगा। पर्यटक सुरक्षित, आरामदायक और रोमांचक वन्यजीव दर्शन का आनंद ले सकेंगे। सफारी का अनुभव और बेहतर होगा।

36 साल पुरानी कॉलोनी तोड़ी:2 घंटे में 450 घरों पर चला बुलडोजर

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के सेक्टर-38 वेस्ट स्थित 36 साल पुरानी शाहपुर रिहायशी कॉलोनी पर प्रशासन ने एक्शन लिया। मंगलवार सुबह भारी मात्रा में पुलिसबल के साथ प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और कॉलोनी में बने घरों को बुलडोजर से तोड़ डाला। सुबह साढ़े 8 बजे तक ज्यादातर घर रेत, ईंट और पत्थर के ढेर में तब्दील हो गए थे।

कॉलोनी में करीब साढ़े चार सौ घरों पर कार्रवाई हुई। हालांकि, जिन 4 लोगों को कोर्ट से स्टे मिला हुआ है, उनके घरों को नहीं तोड़ा गया। उन पर पहले से ही क्रॉस का निशान लगा दिया गया है, ताकि बुलडोजर चलाने वालों को पता चल सके कि ये घर नहीं तोड़ने हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई पर लोगों में भी रोष है। इन लोगों में ज्यादातर प्रवासी हैं। उनका कहना है कि त्योहारों के मौसम में कार्रवाई गलत है। प्रशासन ने उनके साथ धोखा किया है। अब अपने परिवार को लेकर कहां जाएंगे? कार्रवाई से पहले करीब 2 सप्ताह पहले एस्टेट ऑफिस के इंफोर्समेंट विंग ने कॉलोनी में ढोल बजाकर मुनादी करवाई थी और झुग्गियों पर नोटिस चस्पा किए थे। प्रशासन ने 30 सितंबर तक कॉलोनी को खाली करने की चेतावनी दी थी। इसके बाद आज कार्रवाई की गई है। यूटी सचिवालय में हुई बैठक के बाद डीसी निशांत यादव ने लिखित आदेश जारी किए। इसके तहत 4 जेसीबी, 10 ट्रक और 200 मजदूर मौके पर पहुंचे थे। चीफ इंजीनियर को कार्रवाई की कमान सौंपी गई। जबकि एसडीओ और जेई भी मौजूद रहे।

जिला प्रशासन की ओर से कार्रवाई के दौरान एसएसपी को 4 डीएसपी, महिला कॉन्स्टेबल और 200 पुलिसकर्मी मौके पर तैनात करने के निर्देश दिए गए थे। स्वास्थ्य विभाग को 4 एम्बुलेंस मौके पर तैनात करने का आदेश दिया था। प्रशासन का कहना है कि कॉलोनी को तोड़ने के बाद अब जमीन को विकसित किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर राज्यसभा की एक सीट पर कांग्रेस पेश करेगी दावेदारी

दिग्विजय जल्द फारूक से करेंगे बात, क्या रहेगा नतीजा?

जम्मू, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा की चार सीटों के लिए 24 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में कांग्रेस एक सीट के लिए अपनी दावेदारी पेश करेगी। इसके लिए पार्टी के कोआर्डिनेटर दिग्विजय सिंह जल्द ही नेशनल कान्फ्रेंस के प्रधान डॉ फारूक अब्दुल्ला से बात करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 10 अक्टूबर तक नेकां प्रधान फारूक अब्दुल्ला से बातचीत कर फैसला हो सकता है। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी अपना उम्मीदवार तय कर पार्टी हाईकमान को अंतिम मुहर लगाने के लिए भेजेगी। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा की चार सीटों में से दो सीटें नेकां और एक सीट भाजपा को मिलना तय माना जा रहा है, लेकिन एक सीट के लिए मुकाबला होगा। इसमें कांग्रेस को नेकां के अलावा पीडीपी, माकपा और निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिलने की संभावना है।

जानें क्या है कांग्रेस का गणित

कांग्रेस के जम्मू कश्मीर में कुल छह विधायक हैं। पार्टी को जम्मू से विधानसभा चुनाव में मात्र राजौरी से एक ही सीट मिली थी और पांच उम्मीदवार कश्मीर से विजयी हुए थे। एक खास बात यह भी है कि कांग्रेस के सभी विधायक मुस्लिम है। जम्मू से कांग्रेस को झटका लगा था। जब उमर सरकार ने जम्मू कश्मीर की सत्ता संभाली थी तो उस समय कांग्रेस ने मंत्रिमंडल से बाहर रहने का फैसला किया था।

पीडीपी दे सकती है कांग्रेस को समर्थन

उनका कहना था कि जब तक जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा हासिल नहीं हो जाता है तब तक कांग्रेस सरकार का हिस्सा नहीं होगी, लेकिन समर्थन जारी रहेगा। पार्टी सूत्र यह मान रहे है कि पीडीपी चुनाव में नेकां को नहीं बल्कि कांग्रेस को समर्थन दे सकती है। इस लिहाज से कांग्रेस को निर्दलीय विधायकों का समर्थन भी मिल जाएगा।

कई वरिष्ठ नेता दावेदारी में नाम आगे कर रहे

पार्टी की दावेदारी व उम्मीदवार तय करने को लेकर कोई बैठक नहीं हुई है लेकिन जम्मू क्षेत्र से पार्टी के कई वरिष्ठ नेता प्रमुख दावेदार के रूप में अपना नाम आगे कर रहे है। पार्टी की नजरें अब नेकां पर टिकी है। जैसे ही स्थिति साफ होती है तो पार्टी उम्मीदवार के नाम पर विचार करना शुरु कर देगी। उम्मीदवार का नाम चयन करने में पार्टी के जम्मू कश्मीर के प्रभारी नसीर हुसैन, प्रदेश प्रधान तारिक हमीद करा व अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

माता मनसा देवी से लौट रहा वाहन पलटा

एक की मौत और 30 से ज्यादा श्रद्धालु घायल

पंचकूला, 30 सितंबर (एजेंसियां)। माता मनसा देवी मंदिर में माथा टेककर लौट रहे श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार की मध्य रात्रि काली साबित हुई। श्रद्धालुओं से ठसाठस भरी एक पिकअप सेक्टर-3 के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर अचानक हादसे का शिकार हो गई। गाड़ी में करीब 35 लोग सवार थे, जबकि इसकी क्षमता इससे कहीं कम थी। ओवरलोड पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई और देखते ही देखते सड़क पर चीख-पुकार मच गई।

इस हादसे में एक श्रद्धालु की मौके पर मौत हो गई, जबकि 6 की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें तुरंत चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया गया। वहीं, 20 घायल श्रद्धालुओं को सेक्टर-6 नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज में जुटी है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाया पाक

पंजाब में दहशत के लिए आईएसआई ले रही आतंकियों की मदद

अमृतसर/जालंधर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ की ओर से हथियार और हेरोइन भेजकर पंजाब को अशांत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए विदेश में बैठे आतंकियों व गैंग्सटरों की मदद ली जा रही है। पाकिस्तान के इस षड्यंत्र को बीएसएफ और पंजाब पुलिस संयुक्त अभियान चलाकर नाकाम बनाने में जुटे हुए हैं। सीमा पर तैनात किया गया एंटी ड्रोन सिस्टम भी हथियारों की तस्करी रोकने में काफी कारगर साबित हुआ है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पाकिस्तान के साथ लगते जिलों पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन, अमृतसर, फिरोजपुर और फाजिल्का में सुरक्षा के कड़े उपाय किए गए हैं। इन जिलों में बीएसएफ की सात कंपनियां तैनात की गई हैं। डीजीपी सोमवार को अमृतसर और जालंधर के दौरे पर दोनों जिलों की सुरक्षा की समीक्षा करने आए थे।

गौरव यादव ने कहा कि आइएसआइ पंजाब को अशांत करने के लिए गैंगस्टरों को भी संरक्षण दे रही है। यही नहीं, विदेश में बैठे गैंग्सटरों और आतंकियों की मदद से राज्य में बड़ी घटनाओं को अंजाम देने के प्रयास किए जा रहे हैं। पंजाब पुलिस केंद्र की सहायता से विदेश में बैठे गैंग्सटरों व आतंकियों को भारत लाने के प्रयास में जुटी है। दुबई से प्रत्यर्पित कर लाया गया आतंकी पलविंदर सिंह उर्फ पिंदी इसी का हिस्सा है।

डीजीपी ने कहा कि अब कुख्यात आतंकी हैप्पी पशियां को भी भारत लाए की तैयारी की जा रही है। विभाग में 150 इंस्पेक्टर, 450 सब इंस्पेक्टर और एक हजार से ज्यादा एएसआइ को पदोन्नति दी जा रही है। इस दौरान एजीटीएफ के चीफ प्रमोद बान, काउंटर इंटेलिजेंस के इंचार्ज अमित प्रसाद मौजूद थे।

बाढ़ की आड़ में भी मादक पदार्थों, हथियारों की तस्करी ऑपरेशन सिंदूर के बाद आइएसआइ किस तरह पंजाब को अशांत करने के लगातार प्रयास कर रही है, इसका पता इस बात से चलता है कि सितंबर महीने में ही सीमा पार से आए आठ हैंड ग्रेनेड, 1.700 किलो आरडीएक्स। 81 पिस्तौलें और ढाई हजार के करीब कारतूस बरामद किए गए।

गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ बदमाशों के पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में दक्षिणी जिले के अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने पोर्टर के जरिए गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 37.79 किग्रा गांजा बरामद हुआ है, जिसकी कीमत करीब 13.22 लाख रुपये बताई जा रही है। वहीं, पकड़े गए आरोपितों की पहचान दादरी के प्रमोद कुमार, शाहपुर नोएडा के संजय चतुर्वेदी और मेरठ के अनित सोम के रूप में हुई है। इनमें प्रमोद पोर्टर में काम करता है।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल और कार जब्त की है। तीनों काफी समय से दिल्ली-एनसीआर में गांजे की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस उनके नेटवर्क की जांच कर रही है। उपायुक्त अंकित चौहान के मुताबिक, 27 सितंबर को अंबेडकर नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि इलाके में डिलीवरी एप के जरिए पोर्टर के माध्यम से गांजा सप्लाई किया जा रहा है। सूचना को पुख्ता करने के बाद पुलिस टीम ने मुखबिरों की मदद से मदनगीर गांव में बाइक पर गांजे की सप्लाई करने पहुंचे प्रमोद कुमार को दबोचा।

तलाशी में उसके कब्जे से 1.761 किग्रा गांजा मिला। प्रमोद की निशानदेही पर नोएडा में उसके सहयोगी संजय चतुर्वेदी को 676 ग्राम गांजे के साथ पकड़ा गया। दोनों ने बताया कि वह मेरठ के सप्लायर अनित सोम से गांजा लेते हैं। जिसके बाद पुलिस टीम ने मेरठ के गांव सलावा में छापा मारकर अनित सोम को पकड़ा। उसके कब्जे से 35.34 किग्रा गांजा व तस्करी में इस्तेमाल कार बरामद की गई।

प्राइवेट बैंक में 2000 करोड़ की गड़बड़ी का खुलासा, टॉप मैनेजमेंट ने मानी हेरफेर की बात

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की जांच में, इंडसइंड बैंक में 2,000 करोड़ रुपये की अकाउंटिंग गड़बड़ी से जुड़े कई अहम खुलासे हुए हैं। जांच में सामने आया है कि बैंक के तत्कालीन टॉप मैनेजमेंट के कुछ अधिकारियों ने अपने बयान में यह स्वीकार किया है कि बैंक की अकाउंटिंग बुक्स में जानबूझकर एडजस्टमेंट किए गए थे।

सूत्रों के मुताबिक, ईओडब्ल्यू ने पिछले सप्ताह बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कथपालिया, पूर्व डिप्टी सीईओ अरुण खुराना और पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी गोविंद जैन के बयान दर्ज किए हैं। इनमें खासतौर पर अरुण खुराना की भूमिका को अहम मानते हुए, उन्हें दोबारा समन भेजा गया है। जांच अधिकारियों को शक है कि इन एडजस्टमेंट्स के जरिए बैंक के शेयर मूल्य कृत्रिम रूप से बढ़ाए गए, जिससे कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने इनसाइडर ट्रेडिंग के जरिए भारी मुनाफा कमाया। आरोप है कि इस अंदरूनी जानकारी का फायदा उठाकर अधिकारियों ने सैकड़ों करोड़ रुपये का लाभ कमाया।

ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सामने आया है कि बैंक के खातों में दो अलग-अलग हेडिंग्स के तहत एडजस्टमेंट्स किए गए, जिनका सीधा असर स्टॉक वैल्यूएशन पर पड़ा। हालांकि, कुछ पूर्व अधिकारियों ने किसी भी तरह की अनियमितता से इनकार किया है, लेकिन एजेंसी अब इन विरोधाभासी बयानों की गहन पड़ताल कर रही है। जानकारी के मुताबिक, ईओडब्ल्यू जल्द ही कानूनी विशेषज्ञों और वित्तीय विश्लेषकों की राय लेने के बाद आगे की कार्रवाई तय करेगी। गौरतलब है कि यह गड़बड़ी सबसे पहले बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में सामने आई थी, जो बाद में माइक्रोफाइनेंस कारोबार तक फैल गई।

इसी विवाद के बाद, अप्रैल 2025 में, सीईओ सुमंत कथपालिया और डिप्टी सीईओ अरुण खुराना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब तक, ईओडब्ल्यू सात से आठ कर्मचारियों के बयान दर्ज कर चुकी है और इन्हीं बयानों के आधार पर पूर्व टॉप अधिकारियों को समन भेजा गया है।

'मंदिर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे तो अन्य धार्मिक समुदाय क्यों नहीं?' भाजपा नेता ने उठाए सवाल

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र भाजपा के प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने मंगलवार को कहा कि राज्य में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए कई मंदिर आगे आए हैं, लेकिन अन्य धार्मिक समुदायों के पूजा स्थलों ने ऐसा सहयोग नहीं किया है। उपाध्ये ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में दावा किया कि यह हिंदू या मुस्लिम का मुद्दा नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का मुद्दा है। उपाध्ये ने बताया कि राज्य अत्यधिक बारिश और बाढ़ से जूझ रहा है, लाखों परिवार संकट में हैं और सैकड़ों लोग इस आपदा से तबाह हो गए हैं।

उपाध्ये ने कहा कि 'ऐसे कठिन समय में, कई हिंदू मंदिरों ने राज्य सरकार के साथ-साथ सीधे प्रभावित लोगों को बड़े पैमाने पर और पारदर्शी तरीके से मदद कर एक मिसाल कायम की है, लेकिन राज्य में अन्य धर्मों के पूजा स्थल - दरगाहें और मस्जिदें - पीछे क्यों हैं? उनके प्रशासन के पास करोड़ों रुपये की धनराशि है, इसके बावजूद मदद का कोई एलान नहीं किया गया है। बाढ़ पीड़ितों को कोई राहत क्यों नहीं दी गई? सवाल हिंदू या मुसलमान का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का है।'

भाजपा नेता ने खास तौर पर तुलजाभवानी मंदिर, शेगांव गजानन महाराज संस्थान और सिद्धिविनायक मंदिर का हवाला देते हुए कहा कि इन सभी ने पारदर्शी तरीके से सरकार को करोड़ों रुपये की सहायता भेजी है।

उन्होंने कहा कि कई मंदिरों, ट्रस्टों और सार्वजनिक संगठनों ने अपनी क्षमता के अनुसार, संकटग्रस्त लोगों को मदद पहुंचाई है। राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधते हुए उपाध्ये ने कहा कि जो नेता और विचारक कभी हिंदुत्व का नकली मुखौटा पहनते हैं और कभी गंगा-जमुनी संस्कृति के प्रति प्रेम का दावा करते हैं लेकिन मंदिरों का मजाक उड़ाते हैं और हिंदुओं की आलोचना करते हैं, उन्हें स्वयं इन सवालों पर विचार करना चाहिए। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में, जिनमें सूखाग्रस्त मराठवाड़ा क्षेत्र भी शामिल है, हाल ही में भारी बारिश और बाढ़ आई, जिससे भारी नुकसान हुआ है।

कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल हादसे में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला पीड़ित परिवारों को मिलेगा 1.5 करोड़ मुआवजा

चड़ीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ के सेक्टर-9 स्थित कार्मेल कान्वेंट स्कूल में 8 जुलाई 2022 को हुए पेड़ गिरने की दर्दनाक घटना पर अहम फैसला सुनाया. इस हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई थी और एक अन्य छात्रा का हाथ काटना पड़ा था. कोर्ट ने प्रशासन को स्पष्ट किया कि पीड़ित परिवारों को अनुशंसित मुआवजा तत्काल दिया जाए, क्योंकि यह घटना प्रशासन की लापरवाही का नतीजा थी. घटना वाले दिन छात्राएं लंच टाइम में स्कूल परिसर के एक पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर खाना खा रही थीं. अचानक उसकी विशाल शाखा गिरने से एक छात्रा की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई. बाद में उसका बायां हाथ काटना पड़ा. कई अन्य छात्र और स्टाफ सदस्य भी घायल हुए थे.

घटना के बाद चंडीगढ़ प्रशासन ने जस्टिस (सेवानिवृत्त) जितेंद्र चौहान की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच समिति गठित की. समिति ने विशेषज्ञों की मदद से विस्तृत जांच कर इंजीनियरिंग विभाग को लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया.

अपनी रिपोर्ट (30 दिसंबर 2022) में समिति ने मृतक छात्रा के परिवार को एक करोड़ और घायल छात्रा को 50 लाख का मुआवजा देने की सिफारिश की. साथ ही इसके इलाज और भविष्य की चिकित्सा आवश्यकताओं (देश या विदेश में) का पूरा खर्च भी प्रशासन द्वारा उठाने का निर्देश दिया. चंडीगढ़ प्रशासन ने कुछ सिफारिशें मान लीं, जैसे चिकित्सा सहायता और सुरक्षा उपाय, लेकिन मुआवजे की सिफारिश लागू नहीं की. प्रशासन ने तर्क दिया कि समिति का सुझाव बाध्यकारी नहीं है और पहले ही आपदा राहत कोष से 84 लाख प्रभावित परिवारों को दिए जा चुके हैं. इसके खिलाफ मृतक छात्रा के पिता और घायल छात्रा ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी. हाई कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए आठ जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रखा था. कोर्ट ने कहा कि जब किसी सरकारी विभाग की लापरवाही से नागरिकों की जान जाती है या वे स्थायी अपंगता का शिकार होते हैं, तो मुआवजा देना प्रशासन का संवैधानिक दायित्व है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि हादसा "ईश्वर का कार्य" नहीं माना जा सकता, बल्कि इंजीनियरिंग विभाग की लापरवाही इसका मुख्य कारण था और मुआवजे का विरोध करने पर प्रशासन को "संवेदनहीन और सहानुभूति-विहीन" करार दिया. विशेषज्ञ रिपोर्ट में सामने आया कि पेड़ भीतर से सड़ा हुआ था और समय पर वैज्ञानिक जांच होती तो हादसा रोका जा सकता था.

हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि मृतक छात्रा के पिता याचिकाकर्ता को एक करोड़ और घायल छात्रा (याचिकाकर्ता दो) को 50 लाख का मुआवजा इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तुरंत अदा किया जाए. साथ ही, घायल छात्रा के भविष्य में होने वाले ट्रांसप्लांट या अन्य इलाज का खर्च भी प्रशासन को उठाना होगा.

युवक से बीच सड़क पर 1.5 करोड़ रुपए का सोना लूटा, फिल्मी स्टाइल में किया किडनैप

मंगलुरु, 30 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कन्नडा जिले के मंगलुरु शहर में फिल्मी स्टाइल में एक व्यक्ति का किडनैप कर उससे डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य का सोना लूटा गया है। हालांकि ये वारदात 26 सितम्बर को घटी लेकिन इसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। किडनैप की ये पूरी वारदात शहर के बिजी रोड कार स्ट्रीट में घटी और वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। कुछ ही सेकंड्स में एक कार वहां आई और फिर इन लोगों ने जबरन मुस्तफा को कार में बिठा लिया, जबकि बाइक में पीछे बैठकर आने वाला आरोपी मुस्तफा की बाइक पर बैठ गया। मुस्तफा को किडनैप कर आनन फानन में आरोपी वहां से भागने लगे, हालांकि उस समय सड़क पर और भी वाहन गुजरे लेकिन किसी ने किडनैपर्स को रोकने की कोशिश नहीं की।

पुलिस की जांच में पता चला कि वहां से कुछ किलोमीटर जाने के बाद किडनैपर्स ने मुस्तफा को मंगलुरू से केरला की ओर जाने वाले एक रास्ते में छोड़ दिया और बाइक की डिक्की में रखे करीब डेढ़ करोड़ रुपये के सोने के बॉर लेकर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों का पता लगाने के लिए स्पेशल टीम का गठन किया है।

अजीब बीमारी, किडनी फेल होने से बच्चे की मौत, 22 दिन में 7 जानें गईं

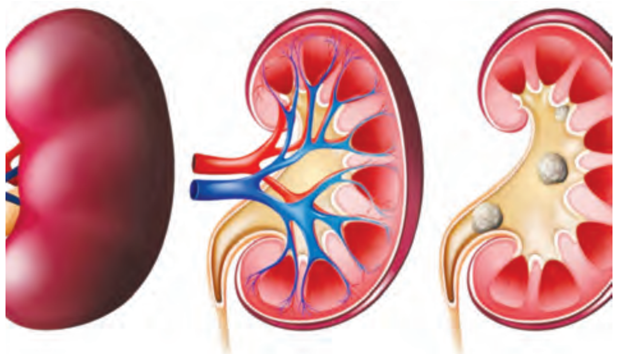

छिंदवाड़ा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के चार साल के बच्चे की किडनी में संक्रमण के कारण महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 22 दिनों में किडनी में संक्रमण के ऐसे ही मामलों में छिंदवाड़ा के 7 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस तरह के मामलों की बढ़ती संख्या ने जिले के अधिकारियों का सकते में डाल दिया है। छिंदवाड़ा जिले के दिघवानी गांव के रहने वाले 4 वर्षीय विकास यदुवंशी की शनिवार को नागपुर के अस्पताल में मौत हो गई और अगले दिन उसका अंतिम संस्कार उसके पैतृक स्थान पर किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर तामिया और समीपवर्ती कोइलांचल इलाकों में इस प्रकार के किडनी संक्रमण के मामले अधिक आए हैं और यहां के प्राइवेट अस्पतालों में अब भी कुछ बच्चों का इलाज जारी है। छिंदवाड़ा के डीएम शैलेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारी डॉक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे संक्रमण के लक्षण दिखने वाले बच्चों को हरसंभव चिकित्सा देखभाल प्रदान करें और पूरी तरह से सक्रिय रहें।

उन्होंने कहा, ''जिन मरीजों को तत्काल बेहतर उपचार की आवश्यकता है, उन्हें एम्स नागपुर में रेफर किया जाना चाहिए। जरूरत पड़ने पर लोगों की जान बचाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार की 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' की व्यवस्था की जाएगी।''

हद से ज्यादा शक करने वाली वाइफ को हैंडल करने के असरदार टिप्स

आजकल मोबाइल और व्हाट्सएप हमारे रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं. लेकिन कई बार ये टेक्नोलॉजी हमारे रिश्तों में टेंशन भी ला देती है. सोचिए अगर आपकी पत्नी ने अचानक आपकी व्हाट्सएप चैट पढ़ ली और किसी मैसेज को गलत समझ लिया तो क्या होगा? अक्सर ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं, डिफेंसिव हो जाते हैं और कभी-कभी झगड़ा भी बढ़ जाता है. लेकिन इस तरह के रिएक्शन से स्थिति बिगड़ने की बजाय और खराब हो सकती है. जरूरी है कि इस समय आप शांत दिमाग से सोचें और सही तरीका अपनाएं ताकि गलतफहमियां दूर हों और रिश्ता खराब न हो. यहां हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ आसान और असरदार टिप्स जो आपको इस मुश्किल स्थिति को प्यार और समझदारी से हैंडल करने में मदद करेंगे.

1. सबसे पहले शांत रहें

पत्नी के रिएक्शन पर तुरंत गुस्से में न आएं. शांत दिमाग से सोचें और उन्हें भी समय दें ताकि वे भी कूल हो सकें. गुस्से में दिए गए जवाब या डिफेंसिव रवैया लड़ाई को और बढ़ा सकता है.

2. खुलकर सच्चाई बताएं

अगर कोई ऐसा मैसेज है जिसे देखकर पत्नी परेशान हुई है तो ईमानदारी से उन्हें समझाएं. झूठ बोलने या बहाने बनाने से भरोसा और टूट सकता है. साफ-साफ बताएं कि मैसेज का असली मतलब क्या था.

3. ट्रांसपेरेंसी बनाए रखें

फोन, पासवर्ड और चैट्स को लेकर पारदर्शिता रखें. उन्हें फील कराएं कि आपके पास छुपाने के लिए कुछ नहीं है. इससे उनका भरोसा वापस बनेगा और आने वाले समय में शक की संभावना कम होगी.

4. पत्नी की बात ध्यान से सुनें

सिर्फ अपनी सफाई देने पर फोकस न करें. उनकी भावनाओं को भी समझें और सुनें कि उन्हें क्यों बुरा लगा. जब उन्हें लगेगा कि आप उनकी फीलिंग्स को समझ रहे हैं तो उनका गुस्सा अपने आप कम होगा.

5. रिश्ते में भरोसा दोबारा बनाएं

एक बार भरोसा टूट जाए तो उसे वापस बनाने में समय लगता है. क्वालिटी टाइम बिताएं, छोटे-छोटे सरप्राइज दें और कोशिश करें कि उनके मन से शक की भावना धीरे-धीरे निकल जाए.

6. प्राइवेसी और लिमिट पर बात करें

रिश्ते में प्राइवेसी भी जरूरी है. शांत माहौल में बैठकर डिस्कस करें कि किन चीजों को शेयर करना जरूरी है और किन चीजों में पर्सनल स्पेस देना चाहिए. इससे आने वाले समय में ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनेगी.

जरूरी टिप

अगर मामला बहुत बिगड़ गया है और आप दोनों के बीच बातचीत रुक गई है तो किसी रिलेशनशिप काउंसलर की मदद लें. कई बार थर्ड पर्सन के सामने बात करने से गलतफहमियां जल्दी दूर हो जाती हैं और रिश्ते में नई शुरुआत का मौका मिलता है.

बच्चों का आईक्यू और ईक्यू बढ़ाने के लिए खेल-खेल में अपनाएं ये 6 असरदार तरीके

बच्चों का आईक्यू और ईक्यू बढ़ाने के लिए खेल सबसे सरल और असरदार तरीका हैं. माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के साथ खेलें, उनकी भावनाओं और सोच को समझें और उन्हें प्रोत्साहित करें. खेल-खेल में बच्चे सीखते हैं, मजा करते हैं और अपनी मानसिक क्षमता को बेहतर बनाते हैं.

बच्चों की पढ़ाई और उनके मानसिक विकास को लेकर हर माता-पिता चिंतित रहते हैं. अक्सर लोग मानते हैं कि आईक्यू और ईक्यू केवल किताबों और कक्षा में पढ़ाई से ही बढ़ते हैं, लेकिन असल में बच्चों की बुद्धिमत्ता और भावनात्मक समझ को बढ़ाने का सबसे असरदार तरीका है-खेल. हां, सही सुना आपने! खेल-खेल में बच्चे ना सिर्फ मनोरंजन करते हैं बल्कि उनकी सोचने-समझने की क्षमता भी बढ़ती है. इसके साथ ही उनका धैर्य, सहयोग की भावना और दूसरों के साथ तालमेल बैठाने की कला भी मजबूत होती है. आज हम आपको ऐसे 6 खेलों के बारे में बताएंगे, जो बच्चों का आईक्यू और ईक्यू दोनों बढ़ाने में मदद करते हैं और माता-पिता के लिए आसान भी हैं.

खेल के जरिए ईक्यू बढ़ाएं

अक्सर लोग सोचते हैं कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं, लेकिन कई इंडोर गेम्स ऐसे हैं जो बच्चों का ईक्यू बढ़ाने में मदद करते हैं. उदाहरण के लिए, कैरम बोर्ड, लूडो या चेस. इन खेलों में माता-पिता का बच्चों के साथ खेलना और उन्हें सही प्रतिक्रिया देना बहुत जरूरी है. इस प्रक्रिया में बच्चे सीखते हैं कि दूसरों की भावनाओं को समझना, धैर्य रखना और टीम वर्क में सहयोग करना कितना महत्वपूर्ण है. ऐसे खेल उन्हें सहानुभूति और दूसरों के साथ तालमेल की भावना सिखाते हैं.

आईक्यू बढ़ाने वाले खेल

आईक्यू को बढ़ाने के लिए दिमागी खेल सबसे कारगर होते हैं. पहेलियां, मेमोरी गेम्स, स्ट्रैटेजी गेम्स और शतरंज जैसे खेल बच्चों की समस्या सुलझाने, निर्णय लेने और सोचने की क्षमता को मजबूत करते हैं. रोजाना सिर्फ 15-20 मिनट इन खेलों के लिए समय देने से बच्चों की बुद्धिमत्ता पर सकारात्मक असर पड़ता है. इसके अलावा, ये खेल बच्चों में ध्यान केंद्रित करने और योजना बनाने की क्षमता को भी बढ़ाते हैं.

माता-पिता के लिए हिडन साइंस

खेलों के जरिए बच्चों को सीखने का मौका देना हर माता-पिता के लिए सबसे बड़ा रहस्य है. बच्चों को किसी भी खेल के लिए दबाव में न डालें. उन्हें वह खेल खेलने दें जिसमें उनकी रुचि हो. खेल के दौरान उनकी गलतियों को पहचानें और उन्हें सुधारने के लिए प्रोत्साहित करें. माता-पिता का उत्साह और सकारात्मक प्रतिक्रिया बच्चों को आगे बढ़ने और नए कौशल सीखने में मदद करती है.

रूटीन में शामिल करें ये टिप्स

1. दिन में कम से कम 30 मिनट बच्चों को बाहरी या दिमागी खेल खेलने के लिए दें.
2. टीम वर्क और सहयोग वाले खेलों को प्राथमिकता दें.
3. घर पर पहेलियों और स्ट्रैटेजी गेम्स को रोजाना खेलने की आदत डालें.
4. खेलों के दौरान बच्चों के साथ भावनाओं पर चर्चा करें, जिससे उनका EQ मजबूत हो.
5. खेल को मजेदार बनाएं, ताकि बच्चे सीखते समय आनंद भी लें.

6 मजेदार खेल जो आईक्यू और ईक्यू दोनों बढ़ाएं

1. कैरम बोर्ड – ध्यान केंद्रित करने और रणनीति बनाने में मदद करता है.
2. लूडो – टीम वर्क और धैर्य सिखाता है.
3. शतरंज – समस्या सुलझाने और योजना बनाने की क्षमता बढ़ाता है.
4. पहेलियां और रिडल्स – तार्किक सोच और मानसिक फिटनेस को मजबूत करते हैं.
5. मेमोरी गेम्स – याददाश्त और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ाते हैं.
6. टीम आधारित आउटडोर गेम्स – सहयोग, नेतृत्व और संचार की कला सिखाते हैं.

जिम्मेदारियों के बोझ से इंसान अपनी उम्र से कई साल हो जाता है बड़ा

विनोद दोपहर के समय एक पेड़ की छाया में बैठा विश्राम कर रहा था. उसकी अभी नई नई जॉब लगी थी. वह वन विभाग में वनरक्षक पद पर नियुक्त हुआ था. महानगर के जीवन और इतनी पढ़ाई करने के बाद इस छोटी सी नौकरी से विनोद खुश तो नहीं था परन्तु परिवार की जिम्मेदारियों और समाज द्वारा लगाए गए बेरोजगारी के तमगे को हटाने के लिए काम करना जरूरी था. जीवन में उतार चढ़ाव देखने के बाद कोई काम छोटा नहीं लगता है. हर काम का सम्मान करना चाहिए.

नहीं किया था कठिन परिश्रम

विनोद ने अपने अब तक के जीवन में शारीरिक परिश्रम नहीं किया था, क्योंकि आवश्यकता ही नहीं पड़ी, परन्तु अब काम ही ऐसा मिला था जिसमें घूमना फिरना ही सब कुछ था. बस इसी काम को करते हुए जंगल का चक्कर लगाकर थका हुआ विनोद पेड़ के नीचे बैठ गया था.

विनोद की शादी कुछ माह पहले ही हुई थी और फिर इस नई जॉब के चलते उसे घर से आना पड़ा था. नई जगह इसी वजह से वह पत्नी को माता पिता के पास छोड़ आया था. अभी खाना खाने के लिए भी मजबूरी में होटल जाना पड़ता था. लेकिन ड्यूटी का कोई निश्चित समय न होने के कारण किसी भी समय निकलना पड़ सकता था, और बाजार में तो खाने पीने की व्यवस्था हर समय उपलब्ध नहीं हो सकती थी, इसलिए उसे अपने बैग में बिस्किट नमकीन के पैकेट रखने पड़ते थे, ताकि यदि कभी किसी जगह फंस भी जाये तो कम से कम भूखा न रहना पड़े.

क्या होता है वनरक्षक?

वनरक्षक, वन विभाग का सबसे छोटा नियमित पद होता है. जिसका काम सौंपे गए वन क्षेत्र की नियमित गस्त करके सुरक्षा करना है. आज भी विनोद अपने बैग में रखे नाश्ते के सहारे सुबह 6 बजे ड्यूटी पर आया था, और थककर पेड़ के नीचे विश्राम कर रहा था. उसे भूख भी लग आई थी इसलिए अपने बैग से एक बिस्किट का पैकेट निकालकर खाने लगा. आस पास मवेशी अपनी भूख शांत करने के लिए पेड़ो की पत्ती व घास चर रहे थे.

एक मुलाकात ने बदल दी सोच

एक छोटा लड़का जिसकी उम्र 10 वर्ष होगी, धूप से बचने के लिए उसी पेड़ के नीचे आकर खड़ा हो गया. विनोद ने उस लड़के को ध्यान से देखा , सांवला चेहरा, बिखरे हुए बाल, बनियान और छोटा नेकर तथा पैरों में किसी बड़े इंसान की पुरानी चप्पल पहने हुए , हाथ में डंडा लिए वह , चर रहे मवेशियों को देख रहा था, शायद ये मवेशी उसी के थे या कुछ अन्य गांव वालों के होंगे जो इस बच्चे की देखरेख में चरने के लिए भेजे गए थे.

बिल्कुल पास ही खड़ा होने के कारण विनोद ने उस बच्चे को भी अपने पैकेट से निकालकर दो बिस्किट खाने को दिए और औपचारिक बात करने की सोची. बच्चा बिस्किट लेकर वहीं खड़ा रहा.

जब भी हम किसी बच्चे को कोई काम करते हुए देखते हैं तो ज्यादातर उससे हम उससे स्कूल के संबंध में ही प्रश्न पूछते हैं.

विनोद ने उस बच्चे से पूछा," क्यों ! स्कूल नहीं गए?

बच्चे ने साधारण सा जवाब दिया कि, "आज नहीं गया".

विनोद ने बच्चे से पूछा," नाम क्या हे तुम्हारा"?

बच्चे ने बताया,"कपिल".

कौन सी कक्षा ने पड़ते जो?

बच्चे ने जवाब दिया," 5वी में.

"पिताजी कहां हैं तुम्हारे"?

बच्चे ने बोला," पिताजी नहीं हैं"

क्यों. कहां गए? विनोद ने फिर पूछा

बच्चा बोला ," मर गए"

बच्चे के ऐसे उत्तर की विनोद को शायद आशा नहीं थी, वह स्तब्ध रह गया.

उसके बाद विनोद ने मार्मिक भाव से पूछा, "कैसे"?

बच्चे ने बहुत ही सामान्य तरीके से जबाव दिया, " दो साल पहले उनको सांप ने काट लिया था और वो मर गये."

बच्चे के दिए गए जबाव में उसके हाव भाव से स्पष्ट था कि उसने अब परिस्थितियों से समझौता करते हुए पिता के बिना जीना सीख लिया है.

जिम्मेदारी बना देती है बड़ा

विनोद को लगा, कि जो बिस्किट उसने बच्चे को दिए थे वो उसने खाए नहीं, क्योंकि बिस्किट खाते समय जो आवाज होती है, न तो वैसी कोई आवाज आई और न ही उसने बच्चे को बिस्किट खाते देखा.

और बिस्किट अब बच्चे के हाथ में भी नहीं थे.

विनोद ने पूछा," बिस्किट खा लिए"?परन्तु इस बार बच्चे का जवाब ऐसा था, जिसकी विनोद कल्पना भी नहीं कर सकता था.

बच्चे ने मासूमियत परन्तु आवाज में जिम्मेदारी के भाव से कहा," घर में छोटी बहन है".

बच्चे के इस छोटे से जबाव ने विनोद को अंदर तक हिलाकर रख दिया.

बड़ा भाई निभाता है पिता की भूमिका

किस तरह यह बच्चा शाम को घर जायेगा और घर जाकर अपनी बहन को बिस्किट देगा, फिर पिता की भांति उसको बिस्किट खाते देखकर खुश होगा, यह सोचकर विनोद की आंखें भर आई, इसलिए मुंह दूसरी साइड करके खड़ा हो गया.

विनोद ने बिस्किट का एक पैकेट सर झुकाकर श्रद्धाभाव से बच्चे को दे दिया.

बच्चा मवेशियों को हांकते हुए गांव की तरफ निकल गया. विनोद वहीं बैठकर बच्चे को जाते हुए देखता रहा, जब तक वह बच्चा आंखों से ओझल नहीं हो गया.

जीवन के लिए किया प्रण

आज उस बच्चे ने विनोद को सिखा दिया जो कि अब तक जीवन में नहीं सीखा था. और उसने प्रण किया कि अपने जीवन में सबके साथ सद्भावना पूर्ण व्यवहार करेगा और कभी किसी दुखी, कमजोर व्यक्ति को परेशान नहीं करेगा तथा जहां तक संभव होगा उनकी सहायता करेगा।

बेटियों के लिए पिता क्यों होता है 'सुपरमैन'! पापा की वो आदतें जो बनाती हैं उन्हें हीरो

पिता और बेटी का रिश्ता एक ऐसी अनमोल बंधन है, जो न केवल बेटी की मानसिक और भावनात्मक सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि उसे जिंदगी में हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार भी करता है. इसीलिए कहा जाता है कि बेटियों के लिए पिता सिर्फ पिता नहीं, बल्कि उनका पहला हीरो, सुपरमैन और सबसे भरोसेमंद दोस्त होते हैं. भले ही वह अपने बच्चों को मां की तरह अधिक समय नहीं दे पाता, दफ्तर या बाहरी कामों में व्यस्त रहता है, लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर एक पिता बच्चों के लिए, खासतौर पर बेटियों के लिए सुपरहीरो जैसी छवी कैसे बनाता है. तो चलिए हम आपको बताते हैं पापा की वो आदतें, जो उसे सुपर हीरो वाला कैरेक्टर में बेटियों के सामने पेश करता है.

पिता की वो आदतें, जो उसे बनाता है बेटियों के लिए सुपर हीरो –

बिना शर्त प्यार और समर्थन देना

पिता का प्यार हमेशा बिना शर्त का होता है. बेटियों के लिए यह समझना कि कोई हमेशा उनके लिए खड़ा है, उनके लिए सबसे बड़ी ताकत होती है. पिता का यह अटूट समर्थन और विश्वास बेटी को जिंदगी की हर राह पर आत्मनिर्भर और खुशहाल बनाता है.

हमेशा सुरक्षा का अहसास दिलाना

बेटियों के लिए पिता का सबसे बड़ा रोल उन्हें सेफ फील कराना है. चाहे वह रात के समय घर लौटने की चिंता हो या स्कूल की छोटी-छोटी परेशानियां, पिता हमेशा यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी बेटी किसी भी परिस्थिति में अकेली या असुरक्षित महसूस न करे. यह सुरक्षा का एहसास ही उसे कॉन्फिडेंट और निडर बनाता है.

हर मुश्किल में सहारा बनना

पिता की सबसे खास आदत यह होती है कि वह अपने बच्चे के लिए किसी भी मुश्किल समय में सहारा बनते हैं. चाहे वह पढ़ाई का स्ट्रेस हो, दोस्ती की मुश्किलें या किसी नए अनुभव की चुनौती, पिता हमेशा उसकी बात सुनते हैं, सलाह देते हैं और जरूरत पड़ने पर उसे मोटिवेट करते हैं.

छोटी-छोटी खुशियों में शामिल होना

पिता सिर्फ गंभीर मुद्दों पर ही नहीं, बल्कि बेटी की छोटी-छोटी खुशियों में भी शामिल होते हैं. उसकी पहली परीक्षा, पहला खेल, या किसी विशेष उपलब्धि में उसकी खुशी में हिस्सा लेना, पिता का वह स्नेह और समर्थन है, जो बेटी को यह महसूस कराता है कि वह हमेशा उसके साथ है.

आत्मविश्वास और ताकत देना

पिता अपनी बेटी को यह सिखाते हैं कि वह किसी भी चुनौती का सामना कर सकती है. चाहे वह नई चीजें सीखना हो या किसी मुश्किल निर्णय का सामना करना, पिता हमेशा उसे यह भरोसा दिलाते हैं कि वह सक्षम है. इस तरह पिता बेटी के जीवन में उसकी आंतरिक ताकत और आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं.

खुलकर बात करना और समझना

एक पिता की सबसे बड़ी आदत है बेटी से किसी भी विषय पर खुलकर बातचीत करना. वह न केवल उसकी बातें सुनते हैं, बल्कि उसकी भावनाओं को समझने की कोशिश भी करते हैं. यह आदत बेटी को अपने पिता के साथ अपनी समस्याओं और खुशियों को साझा करने की स्वतंत्रता देती है.

इन आदतों की वजह से पिता अपने परिवार में, खासतौर पर बेटियों के लिए असली 'सुपरमैन' बन जाते हैं. उनके इस समर्थन, प्यार और मार्गदर्शन की वजह से बेटी अपने सपनों को बड़े विश्वास के साथ हासिल कर पाती है.

हाथ से बाहर क्यों हो रहे बच्चे? देर होने से पहले परेंट्स करें ये काम

अक्सर माता-पिता शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा उनकी हाथ से बाहर हो गया है और उनकी एक भी बात नहीं मानना चाहता. यही नहीं, सिर्फ इस वजह से घर में टेंशन बनती है और घर का माहौल खराब हो जाता है. खराब महौल होने की वजह से बच्चे और भी माता-पिता से दूर भागने लगते हैं और घर के बाहर किसी दोस्त या बुरे संगति में पड़ जाते हैं. इस तरह उन्हें गाइड करने वाला एक ऐसा इंसान बन सकता है जो उन्हें बुरे रास्ते पर जाने के लिए मोटिवेट करे. ऐसे में क्या कोई ऐसा उपाय है कि बच्चे अपने माता-पिता के हाथ में रहें? उनकी बातों पर भरोसा करें? उन्हें हर बात बताएं?

दरअसल, आजकल कई माता-पिता महसूस कर रहे हैं कि उनके बच्चे कभी-कभी उनके समझ या नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं. छोटे-छोटे मुद्दों पर गुस्सा, स्कूल में मनमुटाव, दोस्तों के साथ गलत संगत जैसी चीज़ें अक्सर चिंता का कारण बन जाती हैं. एक्सपर्ट का कहना है कि इसके पीछे सिर्फ बच्चों का स्वभाव नहीं, बल्कि पेरेंटिंग की कुछ आदतें भी जिम्मेदार होती हैं.

इमोशनल जरूरतों की अनदेखी करना

बच्चों की सबसे बड़ी जरूरत है प्यार और समझ. कई बार माता-पिता यह सोचते हैं कि बच्चे मजबूत बनें, इसलिए उनकी भावनाओं को नजरअंदाज कर देते हैं. जब बच्चे अपने डर, चिंता या खुशी को साझा नहीं कर पाते, तो वह अंदर ही अंदर परेशान होते हैं. इसके चलते वह कभी-कभी चिड़चिड़े या असंयमित हो जाते हैं. एक्सपर्ट का कहना है कि बच्चों की भावनाओं को समझना और उनके साथ खुलकर बात करना बेहद जरूरी है.

ज्यादा कंट्रोलिंग या कड़क नियम

कई माता-पिता सोचते हैं कि बच्चों पर कड़ा नियंत्रण रखना उन्हें सही राह दिखाएगा. लेकिन लगातार नियम और कड़ाई से पालन कराने की कोशिश बच्चों में विरोधाभास और गुस्सा पैदा कर सकती है. एक्सपर्ट के अनुसार, बच्चों को सीमाएं देना ज़रूरी है, लेकिन उन्हें अपनी राय और निर्णय लेने की आज़ादी भी देना चाहिए. इससे बच्चे जिम्मेदार और संतुलित बनते हैं.

लगातार तुलना करना

"तुम्हारा दोस्त इतना अच्छा कर रहा है, तुम क्यों नहीं?" जैसी बातें बच्चों पर दबाव डालती हैं. लगातार तुलना करने से बच्चे खुद को दूसरों से कमतर समझने लगते हैं और अपनी इच्छाओं के बजाय दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार काम करने लगते हैं. एक्सपर्ट का सुझाव है कि बच्चों की तुलना दूसरों से करने की बजाय उनकी व्यक्तिगत प्रगति की तारीफ़ करें. यह बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है.

टेक्नोलॉजी का अत्यधिक उपयोग

आजकल बच्चे स्मार्टफोन, टैबलेट और सोशल मीडिया में बहुत समय बिता रहे हैं. बिना सही निगरानी के यह आदत उन्हें अलगावप्रिय और असंवेदनशील बना सकती है. सोशल मीडिया पर तुलना और ट्रोलिंग के कारण बच्चे मानसिक रूप से अस्थिर हो सकते हैं. एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि स्क्रीन टाइम सीमित रखें और डिजिटल गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें.

माता-पिता का अस्थिर व्यवहार-

बच्चे घर के माहौल से बहुत जल्दी प्रभावित होते हैं. यदि घर में अक्सर झगड़े, चिल्लाना या तनावपूर्ण माहौल रहता है, तो बच्चे असुरक्षित महसूस करते हैं. इसका असर उनके स्कूल और दोस्तों के साथ व्यवहार पर भी पड़ता है. एक्सपर्ट कहते हैं कि घर में प्यार, सम्मान और सकारात्मक संवाद बनाए रखना बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है.

केसर को उगाएं घर पर, फॉलो करें स्टेप बाय स्टेप तरीका

केसर को लाल सोना भी कहते हैं. यह दुनिया का सबसे महंगा मसाला है, जो प्रति किलो लगभग 3 से 5 लाख रुपये में मिलता है. यह इतना महंगा है कि बार-बार एक कॉमन इंसान के लिए खरीदना आसान नहीं है, लेकिन आप इसे घर पर उगा सकते हैं. शुरुआत में केसर का बल्ब खरीदने में आपको थोड़े पैसे लगाने होंगे, लेकिन फिर आप अपने घर में शुद्ध केसर भी उगा सकेंगे.

केसर न सिर्फ पकवानों में रंग लाता है, बल्कि स्वाद भी बढ़ाता है. हालांकि, केसर एक बेहद ही महंगा मसाला है, जिसकी कीमत इसकी क्वालिटी और सोर्स पर निर्भर करती है. इसका दाम लाखों में होता है. प्रति ग्राम केसर लगभग 1700 रुपये में मिलता है. वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रति किलो केसर की कीमत लगभग 3 से 5 लाख हो सकती है. संभवतः इसलिए ही इसे धरती का सोना कहते हैं. इसके दाम इसकी शुद्धता, गुणवत्ता, लो प्रोडक्शन, डिमांड, हाथों से की जाने वाली कटाई आदि पर भी निर्भर करता है. अब इतना महंगा मसाला तो आप हर दिन नहीं खरीद सकते हैं. कई बार खीर, पुलाव, बिरयानी, मिठाई आदि में केसर डालने का मन करता है, तो मार्केट जाकर आप 4-5 रेशे खरीद लाते होंगे. तो क्यों नहीं कुछ ऐसा किया जाए कि आप इसे घर में ही उगा लें. चलिए जानते हैं घर पर गमले में केसर उगाने का सही तरीका

किस महीने उगा सकते हैं केसर?

औषधीय गुणों से भरपूर केसर को उगाने का बेस्ट महीना जून, जुलाई, अगस्त, नवंबर, सितम्बर है. इसे आप मार्केट में आसानी से खरीद सकते हैं, लेकिन जब इस लाल सोने को घर पर भी उगा सकते हैं, तो ट्राई करने में कोई हर्ज नहीं. वैसे भी सर्दियां शुरू होने वाली है, तो आपको एक बार केसर लगाकर देखना चाहिए, हो सकता है पौधे में फूल आ जाएं.

घर पर केसर उगाने का सही तरीका

– सबसे पहले इसकी मिट्टी पर फोकस करें,क्योंकि मिट्टी जितनी उपजाऊ और उर्वरक होगी, केसर के पौधे का ग्रोथ भी उतने ही सही तरीके से होगा. इसके लिए सूखी मिट्टी की जरूरत होती है. इसमें तीस प्रतिशत नॉर्मल मिट्टी, 30 फीसदी कम्पोस्ट खाद, 30 प्रतीशत कोको पीट और 10 प्रतीशत अन्य खाद जैसे नीम खली आदि. इन सबको एक साथ मिक्स कर दें.

-गमले या ग्रो बैग में केसर लगाने के लिए आप 30-40 या कुछ केसर बल्ब ले सकते हैं. इसके लिए आप 18 बाई 9 इंच का ग्रो बैग लें या फिर कोई बड़ा सा गमला. मिट्टी को आधे गमले या ग्रो बैग में डाल दें. अब इसमें बल्ब को एक-एक करके एक से दो इंच की दूरी पर रखते जाएं.

-अब इन बल्ब को ढकने के लिए ऊपर से मिट्टी डाल दें. अच्छी तरह से सारे बल्ब मिट्टी से कवर हो जाने चाहिए.

– अब इसके ऊपर थोड़ा सा पानी डाल दें. ध्यान रखें कि बहुत अधिक पानी और हर दिन पानी डालने से बचें. बार-बार पानी देने से बल्ब सड़ सकता है. जब मिट्टी सूख जाए तो ही पानी डालें.

-लगभग 15-20 दिन में केसर बल्ब अंकुरित होने लगेंगे. इसे 10 से 15 डिग्री सेल्सियस तापमान मिलेगा तो ये सही से जर्मिनेट करेगा. धीरे-धीरे इसकी सूट बाहर आने लगेगी और कुछ ही दिनों बाद फूल भी खिल जाएंगे. फूल पूरा खिल जाएगा तो इसमें से केसर के रेशे को निकाल लें. फिर इसे आप धूप में सुखाकर स्टोर करके रख लें. घर में उगाया शुद्ध और असली केसर तैयार है.

शराब घोटाला: ईओडब्ल्यू ने कांग्रेस को भेजा नोटिस

देवेंद्र की मांगी पूरी जानकारी, गैदू बोले-मैंने 3 बार लिखित में जवाब दिया, मुझे 9 घंटे बैठाकर रखा

रायपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में एसीबी/ईओडब्ल्यू ने कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू को नोटिस जारी किया है। पार्टी कार्यालय के अकाउंटेंट देवेंद्र डड़सेना की डिटेल में जानकारी मांगी है। देवेंद्र कोषाध्यक्ष राम गोपाल का करीबी था।

एसीबी ने नोटिस में पूछा है कि, देवेंद्र डड़सेना पार्टी कार्यालय से किस जिम्मेदारी में जुड़े थे। उनकी नियुक्ति किसने की थी, उसे कितना वेतन मिलता था। जांच एजेंसी ने संगठन से कर्मचारी की नियुक्ति, कार्यकाल और गतिविधियों का पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने कहा है।

इस पर मलकीत सिंह गैदू ने कहा कि देश की ऐसी पहली घटना होगी, जहां जांच एजेंसी राजनीतिक दल को प्रताड़ित और तंग कर रही है। राजनीतिक दबाव में कार्रवाई हो रही है। इसके पहले ईडी को लिखित में जवाब दे चुका हूं। मुझे कार्यालय में 9 घंटे बैठाकर रखा गया था।

9 घंटे तक ईडी कार्यालय में बैठाया गया

गैदू ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें तीन बार नोटिस दिया। हर बार उन्होंने लिखित जवाब दिया, लेकिन जवाब देने के समय उन्हें 9-9 घंटे तक ईडी कार्यालय में बैठाकर रखा गया। इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा किस तरह केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह देश की पहली घटना है, जब किसी राजनीतिक दल को जांच एजेंसी प्रताड़ित कर रही है। राजनीतिक दबाव में कार्रवाई की जा रही है। पहले कभी किसी राजनीतिक दल को निशाना नहीं बनाया गया था, लेकिन यह देश की पहली निंदनीय घटना है, जिसमें पार्टी को प्रताड़ित किया जा रहा है।

गैदू से पूछे गए सवाल

गैदू ने बताया कि ईडी ने उनसे सुकमा कांग्रेस भवन से जुड़ी जानकारी मांगी थी। एजेंसी ने पूछा था कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी से भवन निर्माण के लिए कितना फंड दिया गया और उसका निर्माण किस तरह हुआ।

उन्होंने कहा कि भवन से जुड़ी पूरी फाइल और दस्तावेज लिखित में ईडी को उपलब्ध करा दिए गए थे। इसके बावजूद घंटों बैठाकर पूछताछ करना यह दिखाता है कि केंद्रीय एजेंसियां राजनीतिक दबाव में काम कर रही हैं।

दरअसल, 28 दिसंबर 2024 को ईडी ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश कवासी के घर पर छापेमारी की थी। टीम रायपुर के धरमपुरा स्थित लखमा के बंगले में पहुंची और वहां से गाड़ियों व दस्तावेजों की तलाशी ली थी।

इसके साथ ही लखमा के करीबी सुशील ओझा के चौबे कॉलोनी स्थित घर, सुकमा में हरीश लखमा के आवास और नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू के घर पर भी दबिश दी गई थी। जांच में सामने आया कि शराब घोटाले की कमाई से सुकमा कांग्रेस भवन का निर्माण किया गया। इस मामले से जुड़े कई अहम दस्तावेज ईडी ने जब्त किए हैं।

क्यों अटैच किया गया कांग्रेस भवन?

ईडी ने दावा किया है कि, शराब घोटाले में भ्रष्टाचार का पैसा कवासी लखमा को मिला है। लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे।

इस दौरान 36 महीने में लखमा को 72 करोड़ रुपए मिले। यह पैसे बेटे हरीश कवासी के घर निर्माण और सुकमा कांग्रेस भवन निर्माण में लगे।

ईडी के मुताबिक कमीशन के 72 करोड़ में से 68 लाख रुपए से सुकमा में कांग्रेस भवन तैयार किया गया है। शराब घोटाले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। इसके बाद ईडी ने सुकमा में लखमा के मकान और रायपुर के बंगले को भी अटैच किया है। इसके साथ ही कांग्रेस भवन को भी अटैच किया है।

प्रॉपर्टी अटैचमेंट का मतलब क्या?

अटैचमेंट का मतलब है कि संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया जाता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जारी रहता है। आप उस संपत्ति का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन आप इसे बेच नहीं सकते या किसी और को ट्रांसफर नहीं कर सकते।

अटैचमेंट एक कानूनी प्रक्रिया है, जो आमतौर पर तब होती है, जब कोई व्यक्ति किसी कानूनी मामले में ऋण चुकाने में विफल रहता है। किसी कांड में भ्रष्टाचार से कमाई गई प्रॉपर्टी होने का आशंका हो तो फैसला आने तक संपत्ति को सुरक्षित रखना जरूरी होता है, इसलिए ये कार्रवाई की जाती है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

कवासी लखमा 16 जनवरी 2025 से जेल में बंद हैं। ईडी का आरोप है कि, पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी।

वहीं, शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे छत्तीसगढ़ में एफएल-10 लाइसेंस की शुरुआत हुई।

लखमा को आबकारी विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया। शराब सिंडिकेट के लोगों की जेबों में 3200 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध कमाई भरी गई है।

मुस्लिम युवक को तिलक लगाकर माता के जयकारे लगवाए

देवी की मूर्ति के आगे प्रसाद खिलाकर प्रणाम करवाया, जगदलपुर में गरबा डांस करने गया था

जगदलपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक निजी रिसॉर्ट में आयोजित गरबा इवेंट में डांस करने एक मुस्लिम युवक भी पहुंच गया। हिंदू संगठन के लोगों ने युवक को पकड़ लिया। इसके बाद देवी की मूर्ति के सामने लेकर गए। माथे पर तिलक लगाया, जयकारे लगवाए। प्रसाद खिलाकर प्रणाम करवाया।

जानकारी के मुताबिक, समिति ने गरबा को लेकर कुछ नियम बनाए थे। जिसके मुताबिक समिति ने गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाया था। बावजूद इसके कुछ अन्य समाज के युवक वहां आ गए थे। इसके बाद समिति ने एक्शन लिया। इस दौरान हिंदू संगठन के लोगों ने वीडियो भी बना लिया।

दरअसल, रोटरी क्लब की ओर से गरबा का आयोजन किया गया था, जिसमें सोमवार रात मुस्लिम समुदाय का युवक शाकिब नवाब भी शामिल होने आया। इसकी जानकारी सनातन क्षेत्रीय मंच के सदस्यों को मिली। उन्होंने युवक की पहचान की। इसके बाद तिलक लगाकर युवक को जाने दिया। हिंदू संगठन के सदस्य कुणाल चालीस गांवकर ने बताया कि नवरात्रि से पहले 21 सितंबर को सभी समाज और हिंदू संगठनों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में गरबा आयोजन के नियम तय किए गए थे। इस नियमावली का ज्ञापन बस्तर जिले के एसपी शलभ सिन्हा को भी सौंपा गया। कुणाल ने बताया कि उन्होंने पुलिस को पहले ही सूचित किया था कि नवरात्रि के दौरान सुरक्षा बल बनाया जा रहा है। इस बल का काम यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी आयोजन में अभद्रता, फूहड़ता, अश्लील गाने, अश्लील कपड़े या गैर हिंदुओं का प्रवेश न हो। उन्होंने कहा कि शहर के 2 से 3 गरबा आयोजनों में गैर हिंदुओं का प्रवेश होने की जानकारी मिली थी। कुणाल ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर आगे भी ऐसी कोई सूचना मिलेगी, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।वहीं, छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मुस्लिम युवाओं से गरबा में शामिल न होने की विशेष अपील की थी।

2 और 3 अक्टूबर को भारी बारिश की संभावना

रांची, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रांची मौसम विभाग ने दुर्गापूजा के दौरान झारखंड के कई जिलों में बारिश का पूर्वानुमान जताया है। मौसम केंद्र रांची के अनुसार, 30 सितंबर यानी आज तक प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है।

वहीं, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव अब कमजोर पड़ चुका है। इसका सर्कुलेशन ओडिशा व छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ गया है। बावजूद इसके, 1-2 अक्तूबर को बंगाल की खाड़ी में दोबारा निम्न दबाव वाला क्षेत्र बनने की संभावना है। जिससे रांची सहित कई जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने वज्रपात को लेकर यलो अलर्ट भी जारी किया है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक सतीश चंद्र मंडल ने बताया कि एक अक्तूबर की दोपहर से मौसम बिगड़ना शुरू हो जाएगा। दो अक्तूबर को पूरे राज्य में बादल छाए रहेंगे। रुक-रुक कर बारिश होगी। खासकर धनबाद, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, देवघर और बोकारो में तेज हवाओं और वज्रपात के साथ भारी बारिश की संभावना है।

तीन अक्तूबर को भी पूरे राज्य में कहीं-कहीं वज्रपात और बारिश हो सकती है। इस दिन चतरा, देवघर, दुमका, गिरिडीह, कोडरमा, लातेहार, पाकुड़ और साहिबगंज जिले प्रभावित हो सकते हैं। मौसम विभाग ने बताया कि रांची में 1 से 5 अक्तूबर तक बादल छाए रहेंगे। दोपहर बाद हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं।

इस बार झारखंड में मानसून के दौरान औसतन 18% अधिक बारिश हुई है। हालांकि सात जिले ऐसे हैं जहां सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई।

इनमें देवघर में 17%, गढ़वा में 7%, गोड्डा में 18%, हजारीबाग में 3%, पाकुड़ में 33%, साहिबगंज में 10% और सिमडेगा में 1% कम बारिश हुई है।

कोयला-घोटाला: आईपीएस ने सूर्यकांत को दिए 11.5 करोड़

एएसपी ने तिवारी से लिए 5 .67 करोड़, ईडी ने 2 आईएएस-आईपीएस को लेकर सरकार को लिखा पत्र

रायपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कोयला लेवी घोटाला मामले में केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में नया खुलासा हुआ है। ईडी ने राज्य के चीफ सेक्रेटरी और एसीबी/ईओडब्ल्यू को पत्र भेजा है। पत्र में बताया कि जांच के दौरान कारोबारी सूर्यकांत तिवारी की डायरी में 80 करोड़ रुपए से ज्यादा के लेन-देन की बात सामने आई है।

डायरी में कई बड़े और प्रभावशाली अधिकारियों के नाम सामने आए हैं, जिनमें 2 आईपीएस, 2 आईएएस और एक एएसपी शामिल हैं। एक आईपीएस ने सूर्यकांत को 11.5 करोड़ दिए। वहीं एएसपी ने तिवारी से 5.67 करोड़ लिए हैं।

ईडी ने पत्र में बताया कि इस डायरी में दर्ज लेन-देन की तारीख, राशि और पक्षों के नाम सहित पूरी जानकारी दी गई है। इसमें 5 प्रमुख लोगों से जुड़े लेन-देन का ब्योरा सामने आया है, जो पिछली सरकार के समय पावरफुल अधिकारी माने जाते थे।

डायरी के मुताबिक एक अफसर ने सूर्यकांत तिवारी को लगभग 11.5 करोड़ रुपए दिए। यह अधिकारी भूपेश सरकार में प्रभावशाली माने जाते थे। वहीं छत्तीसगढ़ कैडर के एक और आईपीएस अधिकारी हैं, जो महासमुंद जिले में पोस्टेड रह चुके हैं। इन्होंने 2.65 करोड़ रुपए सूर्यकांत को दिए।

वहीं एक आईएएस अधिकारी ने 75 लाख रुपए सूर्यकांत को दिए। इसके अलावा एक चर्चित आईएएस अधिकारी, जिन्हें जेल भी जाना पड़ा और बेल पर बाहर हैं। उन्होंने डायरी में दर्ज रिकॉर्ड के अनुसार 60 करोड़ रुपए सूर्यकांत तिवारी तक पहुंचाए हैं।

एक ओर जहां सूर्यकांत तिवारी को आईपीएस-आईएएस ने पैसे पहुंचाए हैं, लेकिन ईडी के लेटर में एक ऐसे एएसपी का नाम है, जिसने कोयला घोटाले के किंगपिन तिवारी से पैसे लिए हैं। भूपेश सरकार के दौरान इस एएसपी का खूब जोर चला। ये एएसपी पुलिस अधिकारियों के करीबी माने जाते हैं।

डायरी के मुताबिक एएसपी ने तिवारी से 5.67 करोड़ रुपए लिए हैं। ईडी का पत्र मिलने के बाद चीफ सेक्रेटरी और एसीबी-ईओडब्ल्यू की ओर से जांच की तैयारी शुरू कर दी गई है। जल्द ही इन अधिकारियों से जवाब तलब भी किया जा सकता है।

ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला किया गया है। इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ईडी का आरोप है कि कोयले के परिचालन, ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने समेत कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध वसूली की गई है।

छत्तीसगढ़ में अवैध कोल लेवी वसूली का मामला ईडी की रेड में सामने आया था। दावा है कि, कोल परिवहन में कोल व्यापारियों से वसूली करने के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन कर दिया गया था। खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक आईएएस समीर विश्नोई ने 15 जुलाई 2020 को इसके लिए आदेश जारी किया था।

युवक की गला रेतकर हत्या

तंत्र-मंत्र की आशंका में दोस्त पर मर्डर करने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

जमशेदपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र स्थित गाढ़ाबासा बस्ती में सोमवार देर रात 19 वर्षीय अजय बासा उर्फ डांटू की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी और तनाव फैल गया है।

पुलिस ने मृतक के मित्र संदीप को गिरफ्तार कर लिया है, जिस पर तंत्र-मंत्र में हत्या करने की आशंका का आरोप है।

मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने संदीप पर आरोप लगाया है कि वह तांत्रिक गतिविधियों में लिप्त रहता था और उसने ही तंत्र-मंत्र के चक्कर में अजय की हत्या की है।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने घटनास्थल पर हंगामा भी किया। इधर, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

परिजनों के अनुसार, अजय देर रात अपने मित्र संदीप के साथ घर से निकला था।

कुछ घंटों बाद उसकी खून से लथपथ लाश गाढ़ाबासा में मिली। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत टाटा मुख्य अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही गोलमुरी थाना प्रभारी संजय सुमन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। डीएसपी रंजीत चौधरी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी संदीप को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक अजय अपने घर का इकलौता बेटा था। कुछ दिन पहले ही उसके पिता का निधन हुआ था, जिससे परिवार पहले से ही गहरे दुख में था।

बेटे की हत्या से मां और बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गाढ़ाबासा में भारी तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

भूपेश-बघेल का नाम नहीं लेने पर ईडी अफसरों ने मारा

कांग्रेस नेता पहुंचा थाने, ईडी के डिप्टी डायरेक्टर के खिलाफ शिकायत, कार्रवाई की मांग

रायपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शराब, कोयला घोटाले की जांच कर रहे ईडी के डिप्टी डायरेक्टर पर पूछताछ के दौरान मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। कांग्रेस नेता हेमंत चंद्राकर ने थाने में लिखित शिकायत की है।

शिकायत के मुताबिक, हेमंत पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके सहयोगियों पर कमीशन लेने की बात स्वीकार लेने का दबाव बनाया गया। ऐसा नहीं करने पर अधिकारियों ने उनसे मारपीट की।

हेमंत ने अपने शिकायत में लिखा है कि कुछ सीनियर बीजेपी नेता भी उनके रिश्तेदार है, उनसे पारिवारिक संबंध है लेकिन उन्होंने किसी तरह का मौद्रिक लाभ नही लिया है। हेमंत चंद्राकर ने देर रात कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई और कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता कांग्रेस कार्यकर्ता का आरोप है कि उसे 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे रायपुर स्थित ईडी कार्यालय बुलाया गया था। पूछताछ रात 8:30 बजे तक चली।

इसके बाद उन्हें अगले दिन फिर से आने को कहा गया। इस दौरान उनसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके करीबी सहयोगियों के खिलाफ बयान देने का दबाव बनाया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि ईडी अधिकारियों ने उन्हें मारपीट कर मानसिक दबाव डाला और यह स्वीकार करने के लिए मजबूर किया कि भूपेश बघेल से जुड़े लोग विजय भाटिया, रामगोपाल अग्रवाल, आशीष वर्मा, मंदीप चावला और अन्य कमीशन के जरिए काम कर रहे हैं।

इसके अलावा चंद्राकर ने यह भी कहा कि उनके और उनके परिवार के साथ जानबूझकर उत्पीड़न किया जा रहा है। शिकायत में लिखा गया है कि अधिकारी अवैध तरीके से बयान लेने का प्रयास कर रहे हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया के खिलाफ है। पीड़ित ने उक्त मामले में पुलिस अधिकारियों से निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। अपनी लिखित शिकायत में कांग्रेस कार्यकर्ता हेमंत चंद्राकर ने खुद को पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, बीजेपी नेता नारायण चंदेल, सांसद विजय बघेल, विधायक अजय चंद्राकर और विधायक धरमलाल कौशिक का करीबी बताया है।

पीड़ित ने कहा, उसके इन नेताओं से पारिवारिक संबंध है। पीड़ित ने डॉक्टरी परीक्षण कराने और मारपीट करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत लेकर मामले में जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस नेता के बेटे ने गोली मारकर किया सुसाइड

बिलासपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। कांग्रेस नेता के बेटे ने गोली मारकर सुसाइड कर लिया। जिसके बाद हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, बिल्डर के बेटे ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसने 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग की है। बताया जा रहा है कि वह भोपाल में रहता था और वहां रहकर मेडिकल की पढ़ाई की तैयारी कर रहा था।

मामला राजकिशोर नगर के सरकंडा थाना क्षेत्र का है। मृतक का नाम संस्कार सिंह बताया जा रहा है। युवक ने घर के कमरे में आत्महत्या की है। सुसाइड करने वाला युवक पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के करीबी कांग्रेस नेता अजय सिंह का बेटा है। बताया जा डिप्रेशन के कारण सुसाइड की आशंका है।

सोमवार दोपहर लगभग 12 बजे के आसपास युवक घर के दूसरी मंजिल में गया और खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद उसने 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक गर्दन से सटाकर गोली चला दी। गोली चलते ही उसके सिर के चिथड़े हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और दरवाजा खोलकर देखा तो संस्कार की खून से लथपथ लाश कमरे में पड़ी थी। इसके बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर गए।

मामूली विवाद में 55 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

गांव के ही व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से किया हमला, घटना से पहले दोनों में हुआ था विवाद

पलामू, 30 सितंबर (एजेंसियां)। लातेहार जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र के चपरी गांव में मामूली विवाद को लेकर हुई मारपीट में 55 वर्षीय लाला भुइयां की मौत हो गई। घटना सोमवार शाम की है, जब गांव के ही एक व्यक्ति ने उन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। परिजनों के अनुसार, सोमवार शाम लाला भुइयां का गांव के अर्जुन भुइयां से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। विवाद बढ़ने पर अर्जुन भुइयां ने धारदार कुल्हाड़ी से लाला भुइयां के सिर पर वार कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल लाला भुइयां को तत्काल बरवाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें पलामू के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, इलाज के दौरान लाला भुइयां की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस पूरे मामले की गहनता से छानबीन कर रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

हवालात में बंद युवक की संदिग्ध मौत

छेड़खानी के आरोप में हुई थी गिरफ्तारी

खूंटी, 30 सितंबर (एजेंसियां)। खूंटी जिला अंतर्गत मुरहू थाने के हवालात में मंगलवार को एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

मृतक राहुल मांझी इसी थाना क्षेत्र के मेराल गांव का रहने वाला था। सोमवार की शाम उसे छेड़खानी के एक मामले में पुलिस ने हिरासत में लिया था। पुलिस का कहना है कि युवक ने हवालात परिसर के टॉयलेट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने घटना की पुष्टि की है। माहिल गांव में राहुल मांझी पर एक नाबालिग लड़की से छेड़खानी का आरोप लगा।

सरकारी कर्मचारियों के लोन के लिए बड़ा फैसला

नवरात्रि में सरकार की कैबिनेट मीटिंग में मिली कई सौगातें

रायपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार की अहम कैबिनेट बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। सितंबर महीने की आखिरी कैबिनेट बैठक में सरकार ने कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला लिया है।

कैबिनेट बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन को विदाई दी गई। अमिताभ जैन आज रिटायर हुए हैं। नए मुख्य सचिव विकासशील ने अपना कार्यभार संभाला।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद की बैठक में सरकारी कर्मचारियों को आकस्मिक वित्तीय आवश्यकताओं के लिए अल्प समय के लिए बैंक या फिर वित्तीय संस्थाओं से लोन दिलाने का फैसला लिया गया है। इस संबंध में आगे की कार्यवाही के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया है। वित्त विभाग द्वारा प्रक्रिया में पात्र पाए जाने वाले बैंक, वित्तीय संस्था से सम्पादित किए जाने वाले एमओयू के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। कैबिनेट बैठक में दिव्यांगजनों के हित में एक बड़ा फैसला लिया गया है। राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम की बकाया ऋण को माफ करने का फैसला लिया है।

यह राशि 24 करोड़ 50 लाख रुपये की है। राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के द्वारा राज्य के दिव्यांगजनों को स्वरोजगार और शिक्षा हेतु न्यूनतम तीन प्रतिशत ब्याज की दर से ऋण प्रदाय किया जाता है। सरकार के इस फैसले से लोगों को राहत मिलेगी।

सीधी भर्ती के लिए भी निर्णय

बैठक में स्पेशल एजुकेटर के पदों पर सीधी भर्ती हेतु स्कूल शिक्षा विभाग के भर्ती एवं पदोन्नति नियम-2019 के प्रावधानों में एक बार के लिये छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

वित्त विभाग द्वारा शिक्षा विभाग को राज्य में 100 स्पेशल एजुकेटर की भर्ती की अनुमति दी गई है। शिक्षा विभाग के भर्ती नियम-2019 को शिथिल करते हुए स्पेशल एजुकेटर के पदों पर सीधी भर्ती चयन परीक्षा के स्थान पर एक बार मेरिट के आधार पर करने का अनुमोदन किया गया है।

पलामू से गायब एक करोड़ की हथिनी छपरा से बरामद

27 लाख में महावत ने किया सौदा, शरीर में लगी चिप के जरिए मिला लोकेशन

पलामू, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पलामू से चोरी हुई हथिनी को पुलिस ने बिहार के छपरा जिले के अमनौर से बरामद कर लिया है। यह हथिनी अमनौर के पहाड़पुर निवासी गोरख सिंह को 27 लाख रुपए में बेची गई थी।

हथिनी की चोरी की शिकायत उसके असली मालिक, उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर निवासी नरेंद्र कुमार शुक्ला ने 12 सितंबर को पलामू सदर थाना में दर्ज कराई थी।

हथिनी में लगी चिप के जरिए उसकी लोकेशन का सुराग मिला, जिसके बाद वह एक घर के बरामदे में बंधी हुई मिली।

मामले की शुरुआत 11 अगस्त से हुई, जब नरेंद्र कुमार शुक्ला जोरकट इलाके में अपने महावत और हथिनी से मिले थे। लेकिन 13 अगस्त को दोबारा लौटने पर महावत हथिनी समेत गायब था।

काफी खोजबीन के बाद भी जब कोई पता नहीं चला तो उन्होंने एफआईआर दर्ज कराई। इसके बावजूद शुक्ला ने खुद हथिनी की तलाश जारी रखी।

उन्होंने उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार के नेपाल बॉर्डर और छपरा तक खोजबीन की। आखिरकार हथिनी की जानकारी मिलने पर उन्होंने पलामू पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पलामू पुलिस की टीम छपरा पहुंची। स्थानीय थाना व वन विभाग के सहयोग से हथिनी को बरामद कर लिया। जांच में सामने आया कि महावत ने मालिक के परिचितों के साथ मिलकर हथिनी का सौदा गुपचुप तरीके से कर दिया था।

थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि फिलहाल, हथनी 'जयमति' को विधिवत जब्त कर लिया गया है। गोरख सिंह उर्फ अभिमन्यु को ही जिम्मेनामा (कस्टडी बॉन्ड) पर सौंपा गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 1 अक्टूबर- 2025

हिंसक दुश्मनों की तिकड़ी

देश के सबसे शांत क्षेत्र लद्दाख में जिस तरह की हिंसा भडकी वह अप्रत्याशित थी। आश्चर्य तो यह है कि जब लद्दाख जम्मू और कश्मीर राज्य का हिस्सा था, तब भी शांति के प्रतीक के रूप में विख्यात था। लद्दाख में जिस तरह से छठी अनुसूची और राज्य के दर्जे वाली मांग तेज हुई है, उस तरह की मांगें तो कई राज्यों में दशकों से हो रही हैं तो फिर इस शांतिप्रिय क्षेत्र में ही इतनी भयानक आग क्यों लगी, जिसकी भनक सरकार तक को भी नहीं लग पाई। अब जिम्मेदार लोगों का कहना है कि इतनी भयानक हिंसा अचानक नहीं हो सकती। इसके पीछे जरूर ' फ्रिंज एलिमेंट 'का हाथ है। सवाल है कि कहीं 'फ्रिंज एलिमेंट' के पीछे चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की नई-नई खतरनाक तिकड़ी के साथ कोई कनेक्शन तो नहीं है? लद्दाख के लेह में हुई हिंसा आज भी केंद्र सरकार के अधिकारियों के लिए पहेली बनी हुई है। 2019 में आर्टिकल 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद यहां सरकार ने व्यापक पैमानो पर पैसा झोंक कर अप्रत्याशित विकास किया है। उसके बाद भी लद्दाख के शांतिप्रिय लोग इतने उग्र क्यों हो गए। जबकि केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिलने पर लोगों ने उत्सव मनाया था, फिर भी फ्रिंज अराजकता पैदा करने में कामयाब हो गए। लद्दाख में कनेक्टिविटी में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई, लोगों के पास पहले से कहीं ज्यादा अवसर भी पैदा हुए हैं, इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी काफी प्रगति हुई। यहां तक कि प्रशासनिक ढांचे में भी काफी सुधार के काम किए गए हैं। इसके पीछे मकसद यही था कि जिन चीजों से यह दूर-दराज वाला सीमाई इलाका हमेशा से वंचित रहा, वहां के लोगों की भलाई हो सके। इसके बाद भी कुछ तत्त्व हिंसा के लिए उकसाने में सफल रहे, जबकि सरकार ने पहले ही बातचीत के लिए तारीख तय कर दी थी कि जो हासिल किया गया है, उस पर कैसे आगे का काम किया जाए। अब सवाल है कि 'फ्रिंज एलिमेंट' कौन हैं और क्या उनका भारत के दुश्मनों की नई तिकड़ी के साथ कोई कनेक्शन है? क्योंकि, पिछले साल जबसे बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को पाकिस्तान समर्थित जमात-ए-इस्लामी के हाथों जबरन सत्ता से बेदखल किया गया है, वहां की सरकार पर पाकिस्तान का भी दखल बढ़ गया है। ऐसे में विस्तारवादी चीन भी अपने लिए नई संभावनाएं तलाश रहा है। इस तरह से भारत पहले से चीन और पाकिस्तान की नापाक जुगलबंदी तो झेल ही रहा था, कट्टरपंथियों के दबदबे वाला बांग्लादेश भी उसमें शामिल हो गया है। लेह हिंसा के बाद जब लद्दाख के ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार करके राजस्थान के जोधपुर जेल भेजा गया तो केंद्र शासित प्रदेश के डीजीपी ने एक बहुत ही खतरनाक जानकारी सार्वजनिक की। डीजीपी ने कहा कि एक पाकिस्तानी पीआईओ की भी गिरफ्तारी हुई है, जो वांगचुक के संपर्क में था। ऐसे में यह आशंका पैदा होना स्वाभाविक है कि जनरल असीम मुनीर की आईएसआई तो 'फ्रिंज एलिमेंट' को भड़काने में नहीं लगी थी? जहां तक चीन की बात है तो भारत 1962 का युद्ध भी झेल चुका है और 2020 के जून की गलवान घाटी में चीनी सेना की नापाक खूनी चालबाजी भी देखी है। विस्तारवादी चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी की नजर हमेशा से अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख तक भारत की जमीन पर लगी है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का नाम उछलने से इस आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि क्या असीम मुनीर, शी जिनपिंग के लिए कोई खतनाक मिशन पर तो नहीं लगे हुए हैं। सोनम वांगचुक की ढाका में यूनुस के साथ वाली एक तस्वीर खूब वायरल हो रही है। इसपर उनकी पत्नी ने एक्स पर पीएम नरेंद्र मोदी की बैंकॉक में बांग्लादेशी अंतरिम सरकार के सर्वेसर्वा के साथ वाली तस्वीर पोस्ट कर तर्क देने की कोशिश की है कि जब पीएम मिल सकते हैं तो वांगचुक मिल आए तो क्या हुआ?

बिहार में चुनाव के आगाज के साथ दलबदल शुरू

अशोक भाटिया

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच एक बड़ी खबर आई है। बिहार में मतदाता सूची का विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद नई सूची मंगलवार को जारी होने के साथ भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए 4 और 5 अक्टूबर 2025 को बिहार का दौरा करने का फैसला किया है। चुनाव आयोग का यह दौरा यह संकेत देता है कि बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा अब कभी भी हो सकती है। माना जा रहा है कि 6 अक्टूबर के बाद राज्य में आचार संहिता लागू होने की पूरी संभावना है। राजनैतिक हलचल बढ़ने के साथ राज्य में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल अपने महागठबंधन या इंडिया ब्लॉक और जनता दल यूनाईटेड अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ आमने-सामने हैं। मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों विपक्ष और सत्ता पक्ष के गठबंधनों के बीच होना है। इसके अलावा कई छोटे दल भी चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इन दलों की तादाद बहुत है। प्रमुख पार्टियों समेत करीब 200 छोटे दल यह चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इसके अलावा कम से कम 6 ऐसे दल हैं जो पहली बार बिहार का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इनमें पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवगठित राजनीतिक दल ' जन सुराज पार्टी ' भी शामिल है। इन नए दलों की चुनाव में मौजूदगी का कुछ असर चुनावी नतीजों पर नजर आ सकता है। चुनाव आयोग ने हाल ही में बिहार के 17 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपनी लिस्ट से हटा दिया, लेकिन अब 6 नए दल चुनाव मैदान में आ चुके हैं। अनुमान है कि बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में 200 से अधिक पार्टियां चुनाव मैदान में होंगी। बिहार में रजिस्टर्ड पार्टियों की तादाद 184 है। राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव में छह राष्ट्रीय दल और चार राज्य स्तरीय पार्टियां थीं। राज्य का चुनाव कुल 212 राजनीतिक पार्टियों ने लड़ा था। दलों की संख्या बढ़ने के साथ राजनीतिक गलियारों में सबसे ज़्यादा चर्चा इस बात की है कि नेता अब रंग बदलने लगे हैं। यानी एक दल से दूसरे दल में जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। यह परंपरा हर चुनाव में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार इसकी रफ्तार पहले से कहीं ज़्यादा है। शुरुआत बेगूसराय की राजनीति से। यहां के कद्दावर नेता और मटिहानी के पूर्व विधायक बोगो सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल का दामन थाम लिया है। बोगो सिंह का क्षेत्रीय प्रभाव बड़ा माना जाता है और उनके RJD में जाने से पार्टी को संगठनात्मक मज़बूती मिलेगी। बोगो सिंह ने साल 2005 में हुए दोनों विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीतकर राजनीतिक हलचल मचाई थी। इसके बाद वे जदयू से 2010 और 2015 में विजयी हुए। 2020 में लोजपा के राजकुमार सिंह से उन्हें नजदीकी हार मिली। लेकिन अब राजकुमार सिंह जदयू में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में इस बार चुनाव से पहले बोगो सिंह राजद में शामिल हो चुके हैं। मतलब साफ है कि मटिहानी में बोगो सिंह आरजेडी से चुनावी मैदान में उतरेंगे।

बोगो सिंह के अलावा भी तेजस्वी यादव के साथ भाजपा के कई पूर्व विधायकों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। जिसमें कैमूर के चैनपुर के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री बृज किशोर बिन्द और मोहनियां के पूर्व विधायक निरंजन राम हैं। इन दोनों ने भी भाजपा को अलविदा कहकर तेजस्वी के नेतृत्व में आरजेडी का दामन थाम लिया है। हाल के दिनों में अन्य पार्टियों से पाला बदलने वाले नेताओं की लिस्ट देखें तो डॉ . अच्युतानंद ने 30 जून को लोजपा (रामविलास) से इस्तीफा देकर कांग्रेस जॉइन कर लिया। वह महनार से चुनाव लड़ना चाहते हैं और उन्हें आशंका थी कि राम सिंह की मौजूदगी में उन्हें टिकट नहीं मिलेगा।डॉ रेणु कुशवाहा, पूर्व मंत्री, पहले जदयू, फिर भाजपा और लोजपा में रहीं। अब वे राजद के साथ हैं, जहां उन्हें उम्मीद है कि नई राजनीति में उन्हें जगह मिलेगी।रामचंद्र सदा, जो 2010 में विधायक थे, टिकट कटने के बाद लोजपा चले गए थे। अब फिर जदयू में वापस लौट आए हैं।विनोद कुमार सिंह, जदयू एमएलसी रह चुके नेता, अब कांग्रेस के टिकट पर फुलपरास से चुनाव लड़ना चाहते हैं।डॉ अशोक राम, कांग्रेस से छह बार विधायक और पूर्व मंत्री, अब जदयू में। हालांकि वह जिस सीट (कुशेश्वरस्थान) से लड़ना चाहते हैं, वह पहले से जदयू के कब्जे में है।डॉ रविंद्र चरण यादव, पूर्व मंत्री, 4 अगस्त को भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नेताओं का दल बदलना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन इसमें एक फर्क है जो नेता भाजपा की विचारधारा और उनकी सांस्कृतिक सोच से ताल्लुक रखते हैं, वे वहीं जाएंगे। जबकि सामाजिक न्याय और समता की विचारधारा वाले लोग राजद और महागठबंधन से जुड़ेंगे। तेजस्वी का कहना है कि नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जदयू अब ढलान पर है और आने वाले दिनों में उसका खात्मा तय है।तेजस्वी का यह बयान सिर्फ एक टिप्पणी नहीं बल्कि चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। वे लगातार इस नैरेटिव को मज़बूत करने में लगे हैं कि नीतीश कुमार अब जनता के बीच भरोसे की राजनीति नहीं बचा पाएंगे। जदयू की ओर से प्रवक्ता अभिषेक झा ने इस पूरे घटनाक्रम पर पलटवार करते हुए कहा कि किसी के आने या जाने से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ता। चुनाव के पहले यह सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने दावा किया कि जनता दल यूनाइटेड का संगठन मज़बूत है और जनता नीतीश कुमार पर भरोसा करती है।जदयू की यह प्रतिक्रिया उस दबाव को कम करने की कोशिश लगती है, जो नेताओं के पलायन से पैदा हो रहा है। पर सवाल यह है कि क्या वाकई नेताओं का जाना सिर्फ प्राकृतिक प्रक्रिया है या यह अंदरूनी असंतोष का नतीजा है? भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग, जिनका पार्टी में कोई खास काम नहीं है, वही दूसरी पार्टी का दामन थामते हैं। भाजपा का संगठन इतना बड़ा और मज़बूत है कि कुछ नेताओं के जाने से पार्टी या चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ने वाला।भाजपा की रणनीति साफ दिखती है। वह इस मुद्दे को हल्का करने की कोशिश कर रही है ताकि कार्यकर्ताओं में कोई नकारात्मक संदेश न जाए।

कांग्रेस प्रवक्ता स्नेहाशीष वर्धन ने इस घटनाक्रम को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अभी तो शुरुआत है, आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष से कई बड़े नेता महागठबंधन में शामिल होंगे। उनका कहना है कि क्योंकि सत्ता पक्ष को साफ दिख रहा है कि महागठबंधन की सरकार बनने वाली है, इसलिए वे धीरे-धीरे इधर का रुख करेंगे।कांग्रेस का यह बयान महागठबंधन की ओर आत्मविश्वास को दर्शाता है। साथ ही, यह जनता के बीच यह संदेश देने की भी कोशिश है कि सत्ता बदलना अब तय है। देखा जाय तो बिहार की राजनीति में दल बदलने का सिलसिला नया नहीं है। हर चुनाव में ऐसे उदाहरण सामने आते हैं जब नेता पाला बदलकर दूसरे खेमे में चले जाते हैं। इसके पीछे कई वजहें होती हैं जैसे 1. टिकट की गारंटीः जिन नेताओं को अपनी पार्टी से टिकट मिलने की संभावना कम लगती है, वे विपक्षी खेमे में जाकर बेहतर मौका तलाशते हैं।2. सत्ता समीकरणः चुनाव से पहले हवा किस तरफ बह रही है, इसका आकलन हर नेता करता है। जहां सत्ता की संभावना ज़्यादा लगती है, वहां जाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।3 .असंतोष और उपेक्षाः कई बार नेता अपनी पार्टी की नीतियों या नेतृत्व से असंतुष्ट होते हैं।

अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों का भारत विरोधी क्षुद्रकोण

विकेश कुमार बडोला

विगत सप्ताह व्हाइट हाउस ओवल कार्यालय में ट्रंप के निमंत्रण पर पहुंचे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति से हुई भेंटवार्ता दुनिया के लिये नवाश्चर्य है। दोनों पक्षों की भेंट का वास्तविक कारण सार्वजनिक नहीं होने दिया गया। एकल अथवा संयुक्त रूप में भी कोई ऐसा वार्ता-विवरण प्राप्त नहीं हुआ, जो अकस्मात् हुई दोनों पक्षों की वार्तालाप का कोई ठोस उद्देश्य प्रकट कर सके। ये गुप्त वार्ता विश्व के लिये एक असुरक्षित कूटनीतिक संकेत है। जून 2025 में भी ट्रंप ने ऐसा ही किया था। तब वे कनाडा में आयोजित हो रही जी-7 की बैठक बीच में ही छोड़, अमेरिकी ओवल कार्यालय में आसिम मुनीर के स्वागत हेतु पहुंच गये थे। उस समय जी-7 में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी का, आमंत्रित देश के प्रधान के रूप में उपस्थित होना, ट्रंप के लिये असहज हो गया था। अतः मुनीर व ट्रंप की तत्कालीन भेंट भारत के लिए अप्रत्याशित उलझन बन गई थी। अब पुनः ट्रंप का, मुनीर व शरीफ से मिलना, भारत के लिये नई कूटनीतिक समस्या उत्पन्न कर रहा है। जनवरी में ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के साढ़े आठ माह बाद, अब जाकर पाक प्रधान शहबाज शरीफ ने उनसे पहली भेंट की है। ट्रंप की पाकिस्तानी शासकों के साथ ये उलझी हुई मैत्रीपूर्ण गुत्थी, भारत व अमेरिका के अनेक स्तरीय संबंधों को दिनोंदिन अविश्वास में धकेल रही है।

दोनों पक्षों के मध्य कुल 80 मिनट की बातचीत हुई है, किंतु सूचना-सार तब भी सार्वजनिक नहीं हुआ। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका तथा पाकिस्तान का यह नवीन संधि-आग्रह अवश्य ही भारत के प्रति दोनों देशों द्वारा बनायी-अपनायी जा रही किसी न किसी दूरगामी कूटनीति का संकेत है। इसका प्राथमिक व प्रत्यक्ष संबंध, दस दिन पहले ही अमेरिकी योजना से पाकिस्तान-सऊदी अरब के मध्य संपन्न हुये रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध से है। भारत के प्रति पाकिस्तान के शत्रुतापूर्ण आचरण को देख-समझ कर भी अपने व भारत के अनेक क्षेत्रों के महत्त्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध' द्वारा तिरोहित करनेवाले सऊदी अरब को भारत ने दस दिनों में ही कई आघात दे दिये हैं। भारत ने अरब देश के अनेक निवेश समझौतों को समीक्षा पटल पर रख दिया है। भारत से विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों द्वारा लाभान्वित होनेवाले अरबी व्यापारियों के मध्य तीव्र हलचल मची हुई है। अरब देश के सामने अत्यंत असहज स्थिति उत्पन्न हो गई है। सऊदी ने भारत के साथ उभरती अपनी इस नवीन समस्या के बारे में जब अमेरिका को सूचित किया या अमेरिकी शासन की प्रमुख गुप्तचर मण्डली ने जब इसका स्वयं संज्ञान लिया तो स्थितियों पर नया विचार हुआ। इसीलिये अधिक संभावना यही है कि इस प्रकरण पर आगे की रणनीति निर्धारित करने सऊदी की ओर से पाकिस्तानी प्रमुखद्वय ओवल कार्यालय में ट्रंप से मिलने चले गये।

यह स्पष्ट होता चला जा रहा है कि ट्रंप भारत को अस्थिर करने पाकिस्तानी कंधे का प्रयोग कर रहे हैं अथवा पाकिस्तान समेत अनेक मध्य-पूर्वी मुसलिम देशों की हिन्दू विरोधी मानसिकता को भांपकर, अपने व अपने परिवारिक व्यवसाय के प्रसार हेतु, ऐसे देशों की भारत विरोधी कूटनीति-राजनीति को बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं, ताकि वे इनके साथ मनमाने व्यापारिक अनुबंध करके इनकी ओर से अमेरिकी अधिवक्ता बनने का अभिनय कर सके। ट्रंप के बारे में यह तो निश्चित है कि वे पहले देशों के मध्य कूटनीतिक व सैद्धांतिक युद्ध भड़काते हैं और फिर शीघ्र अयुद्धक शांति की घोषणा कर देते हैं, ताकि इसका मूल्य, अमेरिका का, अपना व्यापार बढ़ाकर अर्जित कर सकें। इसी क्रम में वे शांति का नोबल पुरस्कार पाने की इच्छा भी पाले हुये हैं।

अमेरिका सहित पूरे विश्व में 'ट्रंप आर्गनाइजेशन' नामक व्यवसाय मंच के अंतर्गत ट्रंप के सौ से अधिक व्यवसायों के लाभकारी संचालन हेतु जनसंख्या से भरे पड़े बाजारों की आवश्यकता है। विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या धारक भारत के साथ अमेरिकी अनुकूलता के आधार पर व्यापारिक अनुबंध न होने के कारण तथा चीन को अपने हिस्से की अधिक लाभांशार्जन शर्त पर व्यापार करने हेतु सहमत न कर पाने के कारण, अब अमेरिका और विशेषकर ट्रंप व उनके परिवारीजनों के व्यापार के लिये जनसंख्या से भरे पड़े जो बाजार विद्यमान हैं, वे दक्षिण एशिया में इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश के रूप में ही हैं। इसीलिये अमेरिकी शर्तों पर कुछ भी करने को सहमत होनेवाले ऐसे देशों से ही अमेरिका, अमेरिकी व्यापारी तथा ट्रंप व्यावसायिक लाभार्जन करना चाहते हैं। अमेरिका ने इसे एक व्यापारिक विकल्प भी मान लिया है कि जब तक भारत, चीन तथा अन्य बड़े व अधिक जनसंख्या वाले देशों के साथ अमेरिकी व्यापारिक अनुबंध पूर्ण नहीं होते हैं, तब तक किसी न किसी व्यापार को पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा मध्य-पूर्वी भूभाग के मुसलिम देशों में स्थापित-प्रसारित करके लाभ भी अर्जित किया जाय तथा उन्हें ये स्वीकारोक्ति करने के लिये भी बाध्य किया जाय कि अमेरिका उन पर कृपा कर रहा है। ट्रंप की योजना पाकिस्तान में क्रिप्टो करेंसी कारोबार बढ़ाने की भी है। कतर, यूएई व सऊदी अरब की धन-संसाधन संपन्नता के कारण इन देशों में वे रियल एस्टेट व्यवसाय करना चाहते हैं। इसीलिये इन देशों के साथ अमेरिकी संबंध इन दिनों संतुलित दिखाई दे रहे हैं।

भारत ने अमेरिकी डेयरी उत्पादों तथा अन्य आपत्तिजनक वस्तुओं के आयात को प्रतिबंधित रखने के कारण, दीर्घावधि से प्रतीक्षित अमेरिका-भारत व्यापार अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं। यही प्रमुख विषय है, जो अमेरिका-भारत के संबंधों को शिथिल कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में अल्पावधि के भारत-पाक युद्ध को रुकवाने की, ट्रंप की तथाकथित घोषणाओं-वक्तव्यों पर मौन-तटस्थ रहकर, उन्हें नकारने वाले मोदी दूसरी बार ट्रंप को आहत कर गये। इसके बाद शुल्क प्रति शुल्क मूल्यवृद्धि, अनर्गल भारत विरोधी वक्तव्य, यूरोपीय देशों को भारत के विरुद्ध करने के आधिकारिक-अनाधिकारिक अभियान, ईरान स्थित चाबहार तट व्यापार अवसंरचना के संचालन पर पुनः प्रतिबंध, एच-1बी वीजा आवेदन के शुल्क में अत्यधिक वृद्धि, भारतीय औषधियों के आयात पर सौ प्रतिशत शुल्क जैसे निर्णयों ने, भारत के प्रति ट्रंप प्रशासन की भूमिका को अति संदिग्ध बना दिया है। परिस्थिति देख यही प्रतीत हो रहा है कि हमारे प्रति अमेरिका का यह दुराचरण तब तक भिन्न-भिन्न नये स्वरूपों में सामने आता रहेगा, जब तक कि अमेरिकी शर्तों पर भारत-अमेरिका का व्यापार अनुबंध पूर्ण नहीं हो जाता है।

जलवायु परिवर्तन के दौर में किसान की नई कहानी

आरके जैन

मानसून, भारतीय कृषि की रीढ़, अब जलवायु परिवर्तन के कारण अनिश्चितता का प्रतीक बन चुका है। पहले, किसान प्रकृति की लय के साथ अपनी फसलों की योजना बनाते थे—बुआई से कटाई तक, सब कुछ मौसम के संगीत में बंधा था। लेकिन अब, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और ओलावृष्टि ने इस प्राचीन लय को भंग कर दिया है। यह केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि एक गहरा सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवर्तन है, जो भारतीय किसानों की दिनचर्या, जीवनशैली और सामुदायिक ढांचे को पुनर्परिभाषित कर रहा है। यह परिवर्तन खेतों से कहीं आगे बढ़कर ग्रामीण भारत की आत्मा को झकझोर रहा है, जिसके कई आयाम अभी पूरी तरह उजागर नहीं हुए हैं।

जलवायु परिवर्तन ने मानसून के स्वभाव को अप्रत्याशित बना दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो दशकों में मानसून की शुरुआत और समाप्ति में 7-10 दिनों की अनिश्चितता बढ़ी है। कुछ क्षेत्रों में 30% अधिक बारिश दर्ज हुई, तो कहीं सूखे की मार पड़ी। पहले, जून के मध्य में बुआई शुरू हो जाती थी, लेकिन अब किसान मौसम पूर्वानुमान ऐप्स और कृषि विशेषज्ञों की सलाह पर निर्भर हैं। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर एक नई सोच की मांग करता है। इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पहलू है तकनीक का अनिवार्य समावेश। पहले, पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित अनुभव ही खेती का आधार था। लेकिन अब, मिट्टी की नमी मापने वाले सेंसर, ड्रोन आधारित फसल निगरानी और मौसम डेटा ऐप्स किसानों के लिए जीवन रेखा बन गए हैं। मिसाल के तौर पर, पंजाब और हरियाणा के कुछ अग्रणी किसानों ने ड्रोन तकनीक से कीट प्रबंधन और सिंचाई को 20-30% अधिक कुशल बनाया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अनुसार, डिजिटल कृषि उपकरण अपनाने वाले किसानों की उत्पादकता में औसतन 15% की वृद्धि हुई है। लेकिन यह तकनीक सभी के लिए सुलभ नहीं है। भारत के 86% छोटे और सीमांत किसान वित्तीय और शैक्षिक बाधाओं के कारण इससे वंचित हैं, जिससे ग्रामीण भारत में डिजिटल असमानता की खाई चौड़ी हो रही है—नीति निर्माताओं के लिए यह एक गंभीर चुनौती है। जलवायु परिवर्तन का असर केवल खेतों तक सीमित नहीं; यह ग्रामीण भारत की सामाजिक और मानसिक संरचना को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रहा है। खेती यहाँ सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि एक सामुदायिक जीवनशैली है। गाँवों में त्योहार, सामूहिक मेलजोल और उत्सव जैसे गणेश चतुर्थी या होली पहले फसल चक्र के साथ जुड़ते थे। लेकिन अनिश्चित मानसून ने इस सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2015-16) के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में तनाव और चिंता के मामले बढ़ रहे हैं, जिसमें कृषि पर निर्भरता और मौसम की अनिश्चितता प्रमुख कारण हैं। यह मानसिक स्वास्थ्य संकट अभी तक कम चर्चित है, लेकिन यह ग्रामीण भारत के सामाजिक ढांचे को धीरे-धीरे कमजोर कर रहा है। जलवायु परिवर्तन ने भारतीय किसानों के लिए आर्थिक जोखिमों को कई गुना बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 50% से अधिक किसान कर्ज के बोझ तले दबे हैं, और मानसून की अनिश्चितता से फसल नुकसान इस ऋण चक्र को और गहरा रहा है।

फसल की विफलता न केवल आय छीनती है, बल्कि अगली फसल के लिए निवेश की क्षमता को भी कमजोर करती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय) जैसे प्रयास राहत देने का वादा करते हैं, लेकिन 2022 तक केवल 49% किसानों ने इसका लाभ उठाया, और छोटे किसानों को जटिल दावा प्रक्रियाओं और भुगतान में देरी का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति किसानों को नई तकनीकों और जोखिम प्रबंधन की ओर धकेल रही है, लेकिन बिना सरकारी और सामाजिक समर्थन के यह रास्ता कठिन है। इस बदलते परिदृश्य में एक नई कृषि जीवनशैली उभर रही है, जो खेतों से परे तक फैल रही है। डिजिटल मंच जैसे ई-एनएएम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और कृषि विज्ञान केंद्र के ऑनलाइन प्रशिक्षण किसानों को वैश्विक कृषि रुझानों से जोड़ रहे हैं। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश के एक किसान समूह ने ई-एनएएम के जरिए जैविक उपज को शहरी बाजारों में बेचकर अपनी आय में बढ़ोतरी की। यह डिजिटल क्रांति न केवल आर्थिक लाभ दे रही है, बल्कि किसानों को आत्मविश्वास और स्वायत्तता भी प्रदान कर रही है। फिर भी, ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता और इंटरनेट की सीमित पहुँच—टेलीकॉम डेवलपमेंट रिपोर्ट 2023 के अनुसार केवल 35% ग्रामीण आबादी के पास विश्वसनीय इंटरनेट है—इस क्रांति को व्यापक बनाने में बाधा है। साथ ही, युवा पीढ़ी का कृषि के प्रति बदलता नजरिया एक और उल्लेखनीय परिवर्तन है। पहले खेती को मेहनत और अनिश्चितता से भरा माना जाता था, जिससे युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे थे।

स्त्री जागरण के बिना राष्ट्र की प्रगति और विकास अधूरा

संजीव ठाकुर

सुसंस्कृत और शिक्षित नारियाँ राष्ट्र की असली कर्णधार होती हैं। उनके योगदान के बिना किसी भी समाज या देश की प्रगति अधूरी है। केवल भारत ही नहीं, संपूर्ण विश्व में स्त्रियाँ अपने नैसर्गिक सम्मान की अधिकारी हैं। किसी भी राष्ट्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसमें नारी को उचित स्थान और समान अधिकार मिलें।

भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव पूजनीय माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है—"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता"। नवरात्रि की नौ देवियाँ शक्ति के वे प्रतीक हैं जिन्होंने आतताइयों और राक्षसों से देवताओं व मानवता की रक्षा की।परंतु पुरुष प्रधान समाज ने नारी को लंबे समय तक निर्णय और अधिकार से वंचित रखा। आदिम काल से लेकर आधुनिक युग तक उसे स्वतंत्र व्यक्ति नहीं माना गया। धर्मशास्त्रों में भी नारी को पिता, पति या पुत्र के संरक्षण में ही जीवन बिताने की संस्तुति की गई। पश्चिमी लोकतांत्रिक समाज भी इससे अछूता नहीं था। इंग्लैंड में महिलाओं को 1918 तक और अमेरिका में 1920 तक मतदान का अधिकार नहीं मिला।

भारत इस दृष्टि से अग्रणी रहा। 1920 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोरनेलिया सोराबजी को "व्यक्ति" मानते हुए वकालत का अधिकार दिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला को व्यक्ति का दर्जा 1929 के आसपास ही मिला। यह नारी सम्मान के इतिहास में भारत की बड़ी उपलब्धि थी।भारतीय समाज ने नारी को अक्सर अबला कहा, लेकिन विद्वानों और विचारकों ने इस धारणा को चुनौती दी। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन ने नारी को नर की सहचरी और उससे भी अधिक सामर्थ्यवान बताया। लेखिका तस्लीमा नसरीन ने कहा—"स्त्रियाँ जन्म से अबला नहीं होतीं, उन्हें पुरुष समाज अबला बनाए रखता है।" वास्तव में शिशु बालिका की जीवन शक्ति शिशु बालक से अधिक प्रबल होती है, किंतु सामाजिक रूढ़ियाँ उसे बाँध देती हैं।

नारीवाद, मानवाधिकार और पर्यावरण आंदोलनों ने महिला को बराबरी दिलाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत अमेरिका से हुई और रूस की महिलाओं ने 1917 में रोटी, कपड़ा और समानता के लिए हड़ताल कर इसे वैश्विक चेतना का प्रतीक बनाया।

?आज भारत की महिलाएँ स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग, प्रशासन, सेना, अंतरिक्ष और राजनीति हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। इंदिरा गांधी, गोल्डा मायर, मार्गरेट थैचर और श्रीमावो भंडारनायके जैसी महिलाओं ने इतिहास रचा। वर्तमान में कमला हैरिस, निर्मला सीतारमण, द्रौपदी मुर्मू, स्मृति ईरानी, किरण बेदी और कल्पना चावला नारी सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल हैं। फिर भी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। भारत की 65% महिलाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं, जहाँ मात्र 45% ही शिक्षित हैं। शहरी क्षेत्रों में स्थिति बेहतर है, परंतु कुल जनसंख्या की तुलना में महिला भागीदारी अत्यंत कम है। बलात्कार, शोषण और उत्पीड़न की घटनाएँ आए दिन सुर्खियाँ बनती हैं। आँकड़े बताते हैं कि प्रति मिनट सैकड़ों महिलाएँ प्रताड़ना झेलती हैं।नारी सशक्तिकरण केवल नारेबाज़ी से संभव नहीं होगा। शिक्षित और जागरूक महिलाओं को शासन-प्रशासन में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि नारी अबला नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवनधारा और शक्ति का स्तंभ है। जिस समाज ने स्त्री को समानता और सम्मान दिया, वही समाज वास्तविक समृद्धि की राह पर बढ़ा।

मेडिकल-इंश्योरेंस का कार्ड चमकता, क्लेम भटकता

डॉ. सुरेश कुमार

कार्ड जेब में ऐसे चमकता है जैसे गरीब के सपनों पर स्प्रे-पेंट चढ़ गया हो-पॉलिश इतनी कि सच्चाई का धब्बा भी अपना चेहरा देखे और शरमा जाए। अस्पताल के गेट पर सुरक्षा-गार्ड आँख से कार्ड स्कैन करता है, और रिसेप्शन पर बैठी काया मुस्कुराहट के सौदे पर पूछती है-"क्लेम कैशलेस है न?" आदमी लगता है रोगी, और रोगी लगता है फाइल; बीमारी आयुर्वेदिक नहीं, बीमा-विधिक हो गई है-लक्षण पसीने के, निदान कागज का। कार्ड की चुंधियाती चमक में डॉक्टर का स्टेथोस्कोप भी बीमा-नंबर ढूँढने लगता है; नाड़ी में 'पल्स' नहीं, 'पॉलिसी' की धड़कन गूँजती है। दीवार पर पोस्टर चिल्लाता है-"आप सुरक्षित हैं!" और बिलिंग-काउंटर फुसफुसाता है-"बस पैसे को छोड़ दीजिए।" कैशलेस का मतलब यहाँ कैश-मोर है-तिजोरी की चाबी आपके पर्स में और पासवर्ड बीमा-कंपनी की नींद में। बीमारी का दर्द टेबल-टेनिस की गेंद है-मरीज से नर्स, नर्स से बिलिंग, बिलिंग से टीपीए, टीपीए से कॉल-सेंटर; हर रैकेट पर लिखा है-"कृपया प्रतीक्षा करें।" इंतज़ार इतना लंबा कि बुखार भी शरमा कर कम हो जाए, और खर्च इतना ऊँचा कि हिमालय भी अपनी ऊँचाई पर पुनर्विचार करने लगे। रात के दो बजे इमरजेंसी में स्ट्रेचर चीखता है, और कांच के पार बैठा देवता-सा टीपीए-डेस्क अपनी दाढ़ी में फाइलें छाँटता है-मानो स्वर्ग का लेखा-जोखा रिसीविंग-इनवर्ड में अटक गया हो। रिसेप्शन की मुस्कान कहती है-"सर, कैशलेस है, पर कुछ रिफंडेबल डिपॉजिट दे दीजिए, फॉर्मैलिटी है।" फॉर्मैलिटी यहाँ दर्द का दूसरा नाम है; सुई लगने से पहले जेब में चुभती है। कार्ड मशीन पर रगड़ा जाता है-ऐसे जैसे बीमार का माथा जड़ी-बूटी से; स्वाइप की आवाज आती है, मंजूरी की नहीं। मंजूरी का ई-मेल उस देवता के इनबॉक्स में पड़ा है, देवता छुट्टी पर है-ईश्वर की छुट्टी, आदमी की बुखार-ड्यूटी। नर्स कहती है-"सर, क्लीयरेंस आएगी तो कमरा मिलेगा, तब तक ऑक्सीजन इधर, उम्मीद उधर।" मरीज की आँखों में पानी उतरता है, और सिस्टम की आँखों में पावर कट। बेटा फोन पर एजेंट को पकड़ता है-एजेंट आधी रात को कहता है-"सर, मैं आपके साथ हूँ," और फोन साथ छोड़ देता है। बेड की चादर से ज्यादा सफेद झूठ, और ट्यूब की रोशनी से ज्यादा पीली आशा-इमरजेंसी में सब कुछ स्टेरलाइज्ड है, सिवाय इंसाफ के। पॉलिसी बेचते एजेंट की भाषा में कविता रहती है-"सर, कैशलेस, ऑल-इन, नो-टेंशन"-और पॉलिसी दस्तावेज की भाषा में धम्म-धम्म उपनिषद-फाइन-प्रिंट ऐसा कि चश्मे का नंबर भी शर्मिंदा। "प्रि-एग्जिस्टिंग" धर्म-ग्रंथ का मूल पाप है; तुमने रक्तचाप को ईमानदारी से लिख दिया, सिस्टम ने ईमानदारी से अस्वीकार कर दिया। बिक्री के वक्त एजेंट आपका हाथ पकड़कर स्वर्ग दिखाता है-क्लेम के वक्त एजेंट का नेटवर्क 'आउट ऑफ कवरेज' हो जाता है। प्रस्ताव-फॉर्म में सच भरने की सजा यह कि झूठ पर हस्ताक्षर पहले ही कराए जा चुके होते हैं-"सर, यह रुटीन है, बस टिक कर दीजिए"-रुटीन में हकीकत फँस जाती है। इंतज़ार-काल नामक पाप-जप है-तीन साल बाद रोग भी बूढ़ा लगे तो कवर होंगे, तब तक बीमारी से पहले बीमा का उपवास। दवा का स्ट्रिप छोटा, दावे की स्ट्रिप लंबी-एक में खुराकें, दूसरे में शर्तें; एक मियाद खत्म होने पर फेंकी जाती है, दूसरी मियाद कभी खत्म ही नहीं होती। अंदर वार्ड में डॉक्टर देह देखता है और बाहर बिलिंग-रूम जेब; इलाज का प्लान 'क्लिनिकल' होता है, बिल का प्लान 'क्लॉज़-निकल'। "रूम-रेंट लिमिट" वह अदृश्य छत है जिसके ऊपर आपकी साँस महँगी पड़ जाती है-आपने हवा अच्छी ले ली, तो अनुपातिक कटौती से फेफड़े तक कट जाते हैं। "कंस्यूमेबल्स नॉट पेयेबल"-दस्ताने आपकी जेब से, सिरिंज आपकी जेब से, पट्टी आपकी जेब से; बीमा कंपनी समझती है दर्द पीने की चीज है, बैंडेज निजी शौक। "ॲडमिनिस्ट्रेटिव चार्जेस" वह कर है जो बीमारी पर लगता है, क्योंकि आप गरीब हैं तो प्रशासन महँगा है।

फिलिस्तीन को मान्यता नहीं, गाजा भी नहीं छोड़ेगी सेना

ट्रंप के शांति प्रस्ताव को नेतन्याहू ने ही लगा दिया पलीता, वादों से पलटे

तेल अवीव, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से गाजा में युद्धविराम के लिए 20 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया गया है। इस प्रस्ताव पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भी सहमत होने की बात कही गई है। हालांकि ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव जारी करने के कुछ ही घंटों बाद नेतन्याहू पलटी मारते दिख रहे हैं। नेतन्याहू ने फिलिस्तीन को किसी भी सूरत में मान्यता नहीं देने और गाजा में सेना बनाए रखने की बात कही है। नेतन्याहू की यह बातें ट्रंप की योजना से मिल नहीं खाती हैं। इससे यह पूरी योजना खटाई में पड़ सकती है।

ट्रंप की योजना के अनुसार, इजरायल धीरे-धीरे गाजा के अधिकांश हिस्से को खाली कर देगा। सेना की वापसी होने पर इजरायल-गाजा सीमा पर केवल एक छोटा बफर जोन होगा। ट्रंप की योजना में इसे फिलिस्तीनी देश के निर्माण का रास्ता बताया गया है। नेतन्याहू ने मंगलवार को अपने टेलीग्राम चैनल

पर हिब्रू में दिए बयान में इन दोनों बिंदुओं को खारिज कर दिया।

फिलिस्तीन स्टेट पर बात नहीं

बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि फिलीस्तीन को मान्यता समझौते में नहीं है। एक बात स्पष्ट कर दी गई है कि हम फिलिस्तीनी देश का कड़ा विरोध करेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप के साथ अपनी बातचीत में वह फ्लिस्तीनी राज्य के निर्माण पर सहमत नहीं हुए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इजरायल गाजा पट्टी के अधिकांश हिस्से पर सेना के जरिए कब्जा बनाए रखेगा।

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने आगे कहा कि इजरायली सेना गाजा पट्टी के ज्यादातर हिस्से में बनी रहेगी। इससे साफ है कि अगर नेतन्याहू इस रुख पर कायम रहते हैं तो युद्धविराम मुश्किल हो सकता है। फिलिस्तीन को मान्यता और गाजा से इजरायली सेना की वापसी ऐसे मुद्दे है, जिन पर हमास के अलावा अरब देश भी नेतन्याहू के इस रुख को नहीं मानेंगे।

गाजा में अक्टूबर, 2023 से चल रही लड़ाई को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत हमास को सभी इजरायली बंधकों को रिहा करना होगा। साथ ही उसे 20 बंधकों के शवे वापस करने हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि गाजा के शासन में हमास की कोई भूमिका नहीं होगी।

ट्रंप ने इस योजना को शांति के लिए ऐतिहासिक दिन बताया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के इस प्रस्ताव पर सहमत होते ही गाजा पट्टी में सहायता भेजी जाएगी। साथ ही कहा है कि अगर हमास इस योजना को स्वीकार नहीं करता है तो उसे अंजाम भुगतना होगा। उन्होंने हमास से इसे मानने के लिए कहा है।

लंदन में गांधी प्रतिमा पर लिखा-आपत्तिजनक नारे

भारतीय हाई कमीशन ने कहा– यह बर्बरता नहीं, अहिंसा के सिद्धांत पर हमला

लंदन, 30 सितंबर (एजेंसियां)। लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर आपत्तिजनक नारे लिखे जाने की घटना सामने आई। उपद्रवियों ने सोमवार को प्रतिमा पर पेंट से गांधी, मोदी और हिंदुस्तानियों को आतंकी लिखा।

भारतीय उच्चायोग ने इस घटना पर नाराजगी जताई है। उच्चायोग ने कहा है कि यह सिर्फ प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के अहिंसा और शांतिपूर्ण विचारों पर भी हमला है।

उच्चायोग ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों को इस घटना की सूचना दी गई। इसके बाद ब्रिटिश अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय पुलिस घटना की जांच कर रही है।

उच्चायोग ने बयान में कहा, यह शर्मनाक घटना अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस से तीन दिन पहले हुई है और इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। हम स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर प्रतिमा की मरम्मत और सुरक्षा सुनिश्चित कर

पहले | बाद में

रहे हैं। महात्मा गांधी की इस प्रतिमा का निर्माण 1968 में हुआ। इसे प्रसिद्ध पोलिश-भारतीय प्रतिमाकार फ्रेडा ब्रिलियंट ने बनाया था। कांसे से बनी इस प्रतिमा को यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के पास के उद्यान टैविस्टॉक स्क्वायर में लगाया गया है। गांधी 1888-1891 के दौरान यूसीएल में कानून के छात्र थे। यह प्रतिमा उनके लंदन में बिताए समय और उनकी वैश्विक विरासत को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाई गई। इसमें गांधीजी को उनकी पारंपरिक धोती पहने हुए हुए दिखाया गया है, जो उनकी सादगी और अहिंसा के दर्शन को दर्शाता है। फ्रेडा ने प्रतिमा का डिजाइन गांधी के व्यक्तित्व और उनके शांतिपूर्ण स्वभाव को ध्यान में रखकर तैयार किया था। हर साल 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर इस प्रतिमा के पास समारोह आयोजित किए जाते हैं। इसमें फूल चढ़ाना, भजन गायन और स्मृति सभाएं शामिल होती हैं। यह पहली बार नहीं है, जब गांधी की प्रतिमा को निशाना बनाया गया है। दुनियाभर में उनकी प्रतिमायों पर तोड़फोड़ की कई घटनाएं हुई हैं। साउथ अफ्रीका में 2003 (डर्बन) और 2015 में (जोहान्सबर्ग) प्रदर्शनकारियों ने गांधी को नस्लीय बताते हुए प्रतिमा हटाने की मांग की थी। इस दौरान #GandhiMustFall अभियान के तहत प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ भी की गई थी। 2020 में नीदरलैंड्स में विरोध प्रदर्शन के दौरान गांधी प्रतिमा पर लाल पेंट से रेसिस्ट यानी नस्लवादी लिखा गया था। 2021 में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में अनावरण के एक दिन बाद ही गांधी प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ की गई थी।

पाकिस्तान के क्वेटा में बम ब्लास्ट, 10 की मौत

32 घायल, राष्ट्रपति जरदारी बोले– इसके पीछे भारत समर्थित आतंकियों का हाथ

इस्लामाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में मंगलवार को फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) मुख्यालय के पास एक भीड़भाड़ वाली सड़क पर सुसाइड बम ब्लास्ट हुआ है। धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई और 32 घायल हो गए।

मारे गए लोगों में 4 उग्रवादी हैं। क्वेटा के एसएसपी मोहम्मद बलोच के मुताबिक, विस्फोटक से भरी गाड़ी मॉडल टाउन से हाली रोड की ओर मुड़ रही थी, तभी धमाका हुआ।

पाकिस्तानी राष्ट्रपति राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा है कि इसके पीछे भारत समर्थित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों का हाथ है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इस घटना को आतंकी हमला बताया। उन्होंने कहा, धमाके के बाद सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की और चार आतंकियों को मार गिराया। हम शहीदों के परिवारों के साथ खड़े हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मोहम्मद काकर के मुताबिक घायलों को सिविल अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। सभी बड़े अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी है।

इनमें क्वेटा सिविल अस्पताल, बलूचिस्तान मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर शामिल हैं। सभी डॉक्टरों, फार्मासिस्ट, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को अस्पतालों में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

क्वेटा में यह इस महीने दूसरा बम ब्लास्ट हुआ है। इससे पहले 3 सितंबर को क्वेटा बलूच नेशनल पार्टी की रैली के दौरान बम विस्फोट हुआ था। इसमें 11 लोगों की मौत हुई थी। 40 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

अमेरिकी एफ 35 बनाम रूसी सू 57 फाइटर जेट

दुनिया के इन 2 देशों में छिड़ी हवाई बादशाहत की जंग

अल्जीयर्स/रबात, 30 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया में अब पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट की जंग तेज होने जा रही है। भारत और पाकिस्तान के बाद अब अफ्रीका तक इस अत्याधुनिक फाइटर जेट को पाने की होड़ शुरू हो गई है। पश्चिमी अफ्रीकी देश अल्जीरिया की सरकार ने ऐलान किया है कि वह रूस से सुखोई सू-57 फाइटर जेट खरीदने जा रहा है। वहीं अल्जीरिया के धुर विरोधी मोरक्को से खबर आ रही है कि वह अमेरिका से एफ-35 फाइटर जेट खरीदना चाहता है। अगर ऐसा होता है तो अफ्रीका के इस इलाके में हथियारों की रेस और तेज हो सकती है। ऐसा पहली बार होगा कि कोई अफ्रीकी देश पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट खरीदेगा जो ऑपरेट करने में काफी खर्चीले होते हैं।

अफ्रीकी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल्जीरिया और मोरक्को दोनों ही अफ्रीका की सबसे बड़ी सैन्य ताकत नहीं हैं लेकिन वे वर्षों से अपने बजट का एक बहुत बड़ा हिस्सा रक्षा पर खर्च करते हैं। ये दोनों ही देश फाइटर जेट पर जमकर

पैसा बहा रहे हैं जिससे इलाके में सैन्य प्रतिस्पर्द्धा बढ़ती जा रही है। आजादी के बाद से ही अल्जीरिया और मोरक्को के बीच अवश्विास और तनाव का रिश्ता रहा है। साल 1963 में सीमा पर हुए 'सैंड वार' की छाप आज भी दोनों के रिश्ते में मौजूद है। इस इलाके में अभी भी प्रतिस्पदर्धा जारी है जिससे सुलह की उम्मीदें बहुत कम बची हैं।

दोनों के बीच साल 1994 से ही सीमा बंद है जो बताती है कि दोनों के बीच अभी भी काफी तनाव है। वश्लिेषकों का कहना है कि इस तनाव को देखते हुए दोनों देशों की वायुसेनाओं का आधुनिकीकरण केवल तकनीकी अपग्रेड नहीं है। यह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को दिखाता है। हर हथियार की खरीद यह दिखाती है कि इसका राजनीतिक और सैन्य संकेत है। मोरक्को और अल्जीरिया दोनों के लिए फाइटर जेट मुख्य लक्ष्य बन गए हैं जो किसी भी संभावित जंग में काम आ सकते हैं। साथ ही प्रतिरोधक क्षमता और प्रतिष्ठा के साधन हैं।

हालांकि रक्षा बजट के मामले में दोनों में काफी अंतर है। साल 2023 में अल्जीरिया ने करीब 18.3 अरब डॉलर रक्षा पर खर्च किए जो मोरक्को की तुलना में तीन गुना ज्यादा है। मोरक्को का 5.2 अरब डॉलर रक्षा बजट है। इस अंतर की वजह से अल्जीरिया एक बड़ी सेना को संभालता है जिसमें 5,20,000 जवान हैं, वहीं मोरक्को की सेना में करीब 2,00,000 सैनिक हैं। अल्जीरिया के पास 213 फाइटर जेट हैं, वहीं मोरक्को के पास केवल 102 फाइटर जेट हैं। इस संख्या अंतर को पाटने के लिए मोरक्को अपनी सेना ज्यादा आधुनिक हथियारों को शामिल कर रहा है। अल्जीरिया के हथियारों से ज्यादा ताकतवर हैं।

अल्जीरिया ने रूस से बहुत ही करीबी संबंध रखे हैं जो उसके हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर है। साल 2019 में अल्जीरिया ने 16 अतिरिक्त सुखोई-30 फाइटर जेट का ऑर्डर दिया था। अब उसे यह फाइटर जेट मिलने लगे हैं। इससे उसकी संख्या काफी बढ़ने लगी है। वहीं अल्जीरिया अब सुखोई-57 ले रहा है। यह वही फाइटर जेट है जिसको रूस ने भारत को भी ऑफर किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे पर इस पर बड़ा फैसला हो सकता है।

वियतनाम में तूफान 'बुआलोई' के बाद भारी बारिश

भूस्खलन और बाढ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 19

हनोई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। वियतनाम में 'बुआलोई' तूफान की वजह से लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। इससे बाढ़ के साथ-साथ कई जगहों पर भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। देश में इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है और कई लोग अब भी लापता हैं। मंगलवार को राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने जानकारी दी कि पिछले चौबीस घंटों में वियतनाम के कुछ हिस्सों में 30 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हुई है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि भारी अभी जारी रहेगी। लंबे समय हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनसे सड़क संपर्क टूट गया और कई गांव अलग-थलग पड़ गए। ये घटनाएं उत्तर के सोन ला और लाओ काई प्रांतों से लेकर मध्य वियतनाम के न्गे आन प्रांत तक हुई हैं। बारिश और बांधों से छोड़ने के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ा, जिससे उत्तर में कई जगहों पर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं। येन बाई क्षेत्र में थाओ नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया। घरों में पानी एक मीटर तक भर गया और लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा। राजधानी हनोई की कई सड़कों पर जलभराव हो गया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि लाल नदी के पास रहने वाले लोग सावधानी बरतें। सरकारी मीडिया ने मंगलवार को बताया कि अब भी 13 लोग लापता हैं, जिनमें आठ मछुआरे शामिल हैं। तूफान बुआलोई इससे पहले शुक्रवार से फिलीपींस में 20 लोगों की जान ले चुका है। यह तूफान सोमवार सुबह वियतनाम के तट पर पहुंचा और वहीं रुका रहा, जिससे खतरा और बढ़ गया। जलवायु परिवर्तन के कारण इस तरह के तूफान पहले से ज्यादा तेज हो गए हैं। गर्म महासागर इन तूफानों को ज्यादा उर्जा देते हैं, जिससे तेज हवाएं, भारी बारिश और मौसम के पैटर्न बदलते हैं, खासकर पूर्वी एशिया में।

भारत के तलवार वाले सैनिक बनाम तुर्की के ओटोमन साम्राज्य का तोपखाना

इजरायल को क्यों याद आई 107 साल पुरानी लड़ाई

तेल अवीव, 30 सितंबर (एजेंसियां)। इजरायल के हाइफा शहर में भारतीय सैनिकों को याद किया गया है। इन सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध में यानी अब से 107 साल पहले ओटोमन साम्राज्य के खिलाफ हाइफा में लड़ाई लड़ी थी। हाइफा में तुर्की के ओटोमन साम्राज्य की सेना को हराने वाले भारतीय सैनिक ही थे। यह वह समय था, जब भारत पर ब्रिटिश का शासन था। ऐसे में इसका श्रेय ब्रिटेन को मिला। हालांकि अब हाइफा के मेयर ने स्पष्टतौर पर कहा है कि हाइफा को ब्रिटिश नहीं बल्कि भारतीयों ने मुक्त कराया था, जिसने पूरे क्षेत्र का नक्शा बदल दिया।

इजरायली शहर हाइफा प्रथम विश्व युद्ध के दौरान शहर को ओटोमन शासन से मुक्त कराने में भारतीय सैनिकों की भूमिका को औपचारिक रूप से पहचान देने का फैसला लिया है। शहर के मेयर ने स्कूल के किताबों में भारतीय सैनिकों

के इस योगदान को शामिल करने का ऐलान किया है। स्थानीय ऐतिहासिक सोसायटी के नए शोध के आधार पर ये बदलाव किया जाएगा। ये रिसर्च बताती है कि किस बहादुरी से भारतीय सैनिकों ने लड़ाई लड़ी और असंभव को संभव कर दिखाया।

हाइफा में लड़े भारतीय सैनिक

हाइफा में स्कूली किताबों में बदलाव मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर लांसर्स की वीरता पर प्रकाश डालता है। इन्होंने सितंबर, 1918 को हाइफा में ओटोमन सेना से लड़ाई लड़ी थी। भालों और तलवारों से लैस भारतीय घुड़सवार रेजिमेंटों ने माउंट कार्मेल की चट्टानी ढलानों से ओटोमन सेनाओं को खदेड़कर शहर को आजाद कराया। इस लड़ाई को ज्यादातर इतिहासकार 'इतिहास का आखिरी घुड़सवार अभियान' कहते हैं।

हाइफा में लड़ने वाले मेजर दलपत सिंह को हाइफा का हीरो कहा जाता है। उनको बहादुरी के लिए मरणोपरांत सम्मानित किया गया था। इस युद्ध में भारतीयों की घुड़सवार सेना ने दुनिया के हैरान करते हुए किलेबंद शहर हाइफा पर कब्जा किया था। इससे हाइफा ब्रिटिश और सहयोगियों के नियंत्रण में आ गया और पूरे क्षेत्र में उनको इसका लाभ हुआ। भारतीय सैनिकों की यह जीत आज भी इतिहासकारों को अचंभित करती है। भारतीय सेना की 15वीं इंपीरियल कैवलरी ब्रिगेड के सैनिकों ने हाइफा को 23 सितंबर 1918 को अपने कब्जे में लिया था। इसमें मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर की रियासतों से ली गई भारतीय घुड़सवार सेना रेजिमेंट ने मशीनगनों और तोपखाने से लैस तुर्क सेना पर हमला किया था। भारतीय सैनिकों की इस जीत ने ओटोमन साम्राज्य को बेहद कमजोर कर दिया। हाइफा गंवाने के बाद कुछ समय बाद ही ओटोमन साम्राज्य टूट गया था।

तालिबान ने अफगानिस्तान में इंटरनेट सर्विस बंद की

मोबाइल नेटवर्क भी ठप, अनैतिकता रोकने के लिए फैसला लिया

काबुल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। तालिबान ने सोमवार से पूरे अफगानिस्तान में इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सेवाएं बंद कर दी हैं। न्यूज वेबसाइट काबुलनाउ के मुताबिक, काबुल, हेरात, मजार-ए-शरीफ और उरुजगान सहित कई शहरों में फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट सर्विस ठप हो गई। इसके बाद मोबाइल डेटा कुछ टाइम तक तो काम करता रहा, लेकिन सिग्नल टावर बंद होने से वो भी बंद हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये फैसला अनैतिक गतिविधियों को रोकने के लिए लिया गया है।

इससे पहले कुछ प्रांतों जैसे बल्ख, कंधार, हेलमंद, उरुजगान, और निमरोज में फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क बंद किए गए थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले

फिर भी साफ मुकर गए मोहम्मद यूनुस, भारत पर ही लगा दिए आरोप

वॉशिंगटन, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। मोहम्मद यूनुस ने भारत पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया है। साथ ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की बात से भी मोहम्मद यूनुस साफ मुकर गए हैं।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर मीडिया चैनल जीटियो के साथ बातचीत में मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में कोई हिंदू विरोधी हिंसा नहीं है। यूनुस ने आरोप लगाया कि फिलहाल भारत की सबसे बड़ी खासियतों में से एक फर्जी खबरें फैलाना है। गौरतलब है कि मोहम्मद यूनुस ने यह दावा ऐसे समय किया है, जब पूरी दुनिया में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा को लेकर चिंता जताई जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

ने तो बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को बर्बर करार दिया था। बीते साल नवंबर में हजारों हिंदुओं ने बांग्लादेश की सड़कों पर उतरकर अंतरिम सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इंटरव्यू के दौरान मोहम्मद यूनुस कहा कि जब बगावत के बाद शेख हसीना की सरकार गिरी तो उन्हें इससे बहुत राहत और खुशी मिली। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि ऐसा कुछ हो जाएगा।

यूनुस ने कहा कि जब प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम सरकार के लिए मुख्य सलाहकार के तौर पर उनके नाम का प्रस्ताव दिया तो वे खुद भी हैरान रह गए थे क्योंकि वे कभी किसी से न मिले थे और न ही उन्हें जानते थे।

स्कूल इमारत ढहने से मलबे में दबे दर्जनों बच्चे, एक की मौत

12 घंटे बाद भी बचाव कार्य जारी

जकार्ता, 30 सितंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में एक स्कूल इमारत के ढहने से दर्जनों बच्चे मलबे में फंस गए हैं। एक बच्चे की हादसे में मौत हो गई है। हादसे को 12 घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक राहत और बचाव कार्य पूरा नहीं हो सका है। मलबे में फंसे छात्रों को बचावकर्मियों द्वारा पानी और ऑक्सीजन पहुंचाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मलबे में अभी भी 65 लोगों के दबे होने की आशंका है।

घटना इंडोनेशिया के पूर्वी जावा के सिदोअर्जो शहर के अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल में हुई। कई घंटों के बचाव कार्य के बाद मलबे से आठ छात्रों को निकाला गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचावकर्मियों ने मलबे में कई शव देखने का दावा किया है, जिससे आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल बचावकर्मी जीवित लोगों को जल्द से जल्द मलबे से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। छात्रों के परिजन मौके पर मौजूद हैं और अपने बच्चों की खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई परिजन रोते-बिलखते देखे गए।

लापता 65 छात्रों में से अधिकतर सातवीं से 11वीं कक्षा के छात्र हैं, जिनकी उम्र 12 साल से लेकर 17 साल के बीच है। खोज और बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि कंक्रीट के भारी स्लैब और अन्य मलबे के चलते बचाव कार्य बाधित हो रहा है। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य के लिए भारी उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है क्योंकि भारी उपकरणों से ढहा हुआ मलबा और ढह सकता है। यही वजह है कि बचाव कार्य में देरी हो रही है।

प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छात्र एक इमारत में दोपहर की प्रार्थना कर रहे थे, उसी दौरान इमारत गिर गई। उन्होंने बताया कि स्कूल इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक 13 वर्षीय छात्र की मौत हो गई और 99 अन्य छात्र घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

अधिकारी इमारत के ढहने के कारणों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि पुराना प्रार्थना कक्ष दो मंजिला था, लेकिन बिना अनुमति के दो और मंजिलें बनाई जा रही थीं। पुरानी इमारत की नींव कंक्रीट की दो मंजिलों का वजन नहीं संभाल पाई और ढह गई।

अमेरिका का डर नहीं, भारत-ईरान और आर्मेनिया मिलकर बना रहे बड़ा प्लान

ड्रैगन की भी उड़ने वाली है नींद

तेहरान/येरवन, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारत, ईरान और आर्मेनिया के बीच एक महत्वपूर्ण साझेदारी आकार ले रही है, जो क्षेत्रीय व्यापार को नया आयाम दे सकती है। तीनों देशों ने साझा परिवहन नेटवर्क के इर्द-गिर्द अपने सहयोग को आकार देने शुरू किया है। हाल के वर्षों में तीनों देशों ने इस दिशा में त्रिपक्षीय वार्ता शुरू की थी, जो अब वास्तविकता की तरफ बढ़ रही है। इसी सितम्बर महीने में तीनों के बीच तेहरान में तीसरे दौर की बातचीत हुई, जिसमें क्षेत्रीय संपर्क और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

परिवहन नेटवर्क तैयार करने पर जोर

इस बैठक का प्रमुख उद्येश्य व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए परिवहन नेटवर्क तैयार करना था। तीनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनसीटीसी) और आर्मेनिया के शांति का चौराहा जैसी परियोजनाओं को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। आईएनसीटीसी भारत को ईरान के रास्ते रूस और यूरोप से जोड़ने वाली एक दीर्घकालिक पहल है। इन परियोजनाओं को व्यापार बढ़ाने, पहुंच मार्गों में सुधार और क्षेत्र में आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस बैठक में ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन, रेलवे, केंद्रीय बैंक और कृषि मंत्रालय के अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में ठोस क्षेत्रीय समझौतों की ओर बढ़ने के इरादे पर जोर दिया गया। यह बैठक इसलिए भी खास है क्योंकि जून में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष के बाद नई दिल्ली और तेहरान के बीच पहली सुनियोजित बैठक थी।

इसे देखते हुए यह बैठक नियमित कूटनीति से ज्यादा का संकेत देती है। यह तीनों देशों के बीच बढ़ते समन्वय की तरफ इशारा है। अगर ये परियोजनाएं साकार होती हैं तो तीनों देशों को क्षेत्र में अधिक रणनीतिक लाभ प्रदान कर सकती हैं। त्रिपक्षीय परामर्श का अगला दौर 2026 में होने वाला है।

गीता पर हाथ रखकर शपथ लेने वाले अमेरिकी काश पटेल पर भड़के प्रवासी भारतीय

वॉशिंगटन, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के वाइट हाउस से सामने आई एक तस्वीर इस समय चर्चा में है। यह तस्वीर अमेरिकी एजेंसी एफबीआई चीफ काश पटेल और पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर की है। इस तस्वीर में दोनों मुस्कुराते हुए गर्मजोशी के साथ एक-दूसरे से हाथ मिला रहे हैं। गीता पर हाथ रखकर एफबीआई निदेशक की शपथ लेने और जय श्री कृष्ण का उद्घोष करने वाले पटेल भारतीय मूल के लोगों की आलोचना का सामना कर रहे हैं। कुछ अमेरिकी-भारतीयों ने इसे पटेल का धोखा कहा है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, शहबाज शरीफ और असीम मुनीर ने हाल ही में अमेरिका का दौरा किया था। इस दौरान वह डोनाल्ड ट्रंप से मिले। पाकिस्तानी नेताओं के लिए ट्रंप प्रशासन की मेहमाननवाजी अपेक्षित थी लेकिन पटेल का मुनीर का गर्मजोशी से स्वागत करना कई लोगों को चौंका गया। देश और विदेश में कई भारतीयों को यह हाथ मिलाना विश्वासघात जैसा लगा है। मुनीर के साथ पटेल की तस्वीर की आलोचना करने वालों ने उनकी 'कट्टर हिंदू' की छवि और मुनीर की विवादास्पद बयानबाजी की ओर इशारा किया है। मुनीर ने अपने हालिया बयानों में ऐसी बातें कही हैं, जो उनको भारत-विरोधी और हिंदू धर्म के खिलाफ दिखाती हैं। मुनीर खुले तौर पर द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की वकालत कर चुके हैं, जो दावा करता है कि हिंदू और मुसलमान मूल रूप से अलग हैं।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता आज से लागू होगा

अगले 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता बुधवार से लागू होगा। इसके तहत ईएफटीए के देशों ने भारत को 15 साल में 100 अरब डॉलर के निवेश का भरोसा दिया है। इसके अलावा स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे व पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों पर कम या शून्य शुल्क की अनुमति दी गई है।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। इस पर 10 मार्च, 2024 को हस्ताक्षर किए गए थे। घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियां कम कीमत पर उपलब्ध होंगी। भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा।

समूह ने 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है- समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा अगले पांच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर - जिससे भारत में दस लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत की ओर से अब तक साइन किए गए किसी भी व्यापार समझौते में अपनी तरह की पहली प्रतिज्ञा है। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापार व आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) के नाम से जाना जाता है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार

को दोहराया है कि टीईपीए 1 अक्टूबर से लागू होगा। भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत प्रदान कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है। डेयरी, सोया, कोयला और संवेदनशील कृषि उत्पादों जैसे क्षेत्रों को बहिष्करण सूची में रखा गया है तथा इन वस्तुओं पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी जाएगी। सेवा क्षेत्र में भारत ने ईएफटीए को लेखांकन, व्यवसाय सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य जैसे 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है।

दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप-क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप-क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। इन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा उनमें कानूनी, दृश्य-श्रव्य, अनुसंधान व विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं।

महंगाई के आंकड़े देंगे ताकत, क्या लोन ईएमआई कम कर आरबीआई पहुंचाएगी राहत?

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। महंगाई के आंकड़ों को देखें तो आरबीआई के लिए ब्याज दरों को कम करने का स्टेज पूरी तरह से तैयार है. लेकिन क्या सच में देश का आरबीआई बुधवार को ब्याज दरों में कटौती करने जा रहा है?

ये सवाल सबसे बड़ा हो चला है. इसका कारण भी है. आरबीआई के सामने सिर्फ कम होती महंगाई और ट्रंप का टैरिफ ही नहीं है. आरबीआई के सामने रुपए की गिरावट भी है, जो लगातार इंपोर्ट को महंगा कर रही है. जिसका असर इकोनॉमी पर भी लगातार देखने को मिल रहा है. हाल ही में ब्लूमबर्ग की ओर से एक सर्वे किया गया है, जिसमें शामिल 38 अर्थशास्त्रियों में से 24 ने ब्याज दरों में कटौती ना होने का अनुमान लगाया गया है. जबकि 14 इकोनॉमिस्टों का ये कहना है कि आरबीआई ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर सकता है.गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व वाली छह सदस्यीय मॉनेटरी पॉलिसी को इस हफ्ते कई प्रतिस्पर्धी उद्देश्यों को पूरा करना होगा. महंगाई, जो 2 फीसदी-6 फीसदी के टारगेट बैंड के निचले छोर के आसपास मंडरा रही है, हाल ही में टैक्स कटौती के बाद और कम होने की उम्मीद है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 50 फीसदी एक्सपोर्ट टैरिफ लगाए जाने से ग्रोथ को झटका लगने की संभावना है. साथ ही, रुपए का रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरना और मल्होत्रा का ब्याज दरों में कटौती के प्रति सतर्क रुख, राहत की राह में रुकावटें पैदा कर रहा है. केंद्रीय बैंक ने इस साल ब्याज दरों में 1 फीसदी की कटौती की, लेकिन अगस्त में हुई पिछली एमपीसी बैठक में इसे रोक दिया गया. बार्कलेज पीएलसी की अर्थशास्त्री आस्था गुडवानी ने एक नोट में कहा कि हमारा मानना है कि यह एक करीबी मुकाबला है – क्योंकि नीतिगत नरम रुख अपनाने से ब्याज दरों में कटौती दिसंबर की बैठक तक टल सकती है. उन्होंने आगे कहा कि अतीत में न्यूट्रल से आक्रामक रुख अपनाने के स्टांस के कारण ब्याज दरों में पूरी तरह कटौती करने के बजाय एक सोची-समझी रणनीति अपनाई जा सकती है. भविष्य की मॉनेटरी पॉलिसी के संकेतों के लिए गवर्नर की आर्थिक विकास पर टिप्पणी और दृष्टिकोण पर कड़ी नज़र रखी जाएगी. अर्थशास्त्रियों को लगता है कि इस साइकिल में रेपो रेट 5 फीसदी तक आ सकता है.आरबीआई के अपने ग्रोथ पूर्वानुमानों में किसी भी तरह के बदलाव की कोई संभावना नहीं है. महंगाई के अनुमानों में बदलाव करते हुए कटौती की जा सकता है. अगस्त में महंगाई बढ़कर 2.07 फीसदी हो गई थी, फिर भी सामान्य से बेहतर मानसूनी बारिश और जीएसटी में कटौती के कारण, पूर्वानुमान अभी भी अनुकूल बना हुआ है. आरबीआई ने अप्रैल में शुरू हुए चालू वित्त वर्ष के लिए 3.1 फीसदी महंगाई का अनुमान लगाया था. इंडसइंड बैंक लिमिटेड के अर्थशास्त्री गौरव कपूर का अनुमान है कि इस वर्ष औसत महंगाई लगभग 2.7 फीसदी रह सकती है. एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि टैक्स कटौती से टैरिफ से होने वाले नुकसान की भरपाई करने और ग्रोथ रेट को सरकार के 6.3 फीसदी-6.8 फीसदी के पूर्वानुमान के ऊपरी स्तर के आसपास बनाए रखने में भी मदद मिलने की उम्मीद है. आरबीआई का अनुमान इस वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की वृद्धि दर का है।

लगातार आठवें दिन बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 97 अंक टूटा, निफ्टी 24700 के नीचे

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी फंडों की लगातार निकासी और आरबीआई के ब्याज दर निर्णय से पहले सतर्कता के कारण लगातार आठवें कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई।

विश्लेषकों ने कहा कि बुधवार को आरबीआई के ब्याज दर निर्णय से पहले बाजार में सतर्कता का माहौल है। शुरुआती बढ़त गंवाते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 97.32 अंक या 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,267.62 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, इसने 80,677.82 के उच्चतम और 80,201.15 के निम्नतम स्तर को छुआ। आठ कारोबारी दिनों में, सेंसेक्स 2,746.34 अंक या 3.30 प्रतिशत टूट चुका है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23.80 अंक या 0.10 प्रतिशत गिरकर 24,611.10 पर आ गया। नेट और बैंकिंग शेयरों में तेजी रही, जबकि रियल्टी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों में बिकवाली का दबाव रहा।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी, भारती एयरटेल, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयर रहे। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट, अदानी पोर्ट्स, टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में, शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 67.29 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1 प्रतिशत गिरकर 67.29 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,831.59 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,845.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने सोमवार को अपनी तीन दिवसीय विचार-विमर्श बैठक शुरू की। आरबीआई की ब्याज दर निर्धारण समिति का फ़ैसला बुधवार को घोषित किया जाएगा।

सिंगापुर की कंपनी को सिर्फ हिस्सेदारी मिलेगी

मैनेजमेंट कंट्रोल नहीं, फार्मा सेक्टर की इस कंपनी ने किया ऐलान

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। फार्मा सेक्टर की कंपनी वेलक्योर ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स ने कहा है कि वह सिंगापुर की कंपनी टेलेक्सेल ट्रेड पीटीई लिमिटेड का शेयरहोल्डर के रूप में स्वागत है। लेकिन उसे मैनेजमेंट कंट्रोल नहीं मिलेगा। उल्लेखनीय है कि टेलेक्सेल ट्रेड ने वेलक्योर ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स में 25 फीसदी शेयर खरीदने का प्रस्ताव दिया था।

क्या बताया कंपनी ने

कंपनी ने सोमवार को बताया कि उसके बोर्ड ने सिंगापुर की कंपनी टेलेक्ससेल ट्रेड पीटीई के प्रस्ताव पर विचार किया है। यह प्रस्ताव कंपनी में 25% तक हिस्सेदारी खरीदने का था। बोर्ड ने साफ किया है कि टेलेक्ससेल का कंपनी में सिर्फ एक निवेशक के तौर पर स्वागत किया जाएगा। उसे कंपनी के नियंत्रण का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। दवा कंपनी ने बताया कि

उसके बोर्ड ने सिंगापुर की इस कंपनी के प्रस्ताव पर गौर किया है। टेलेक्ससेल 25% तक हिस्सेदारी 20 प्रति शेयर के हिसाब से खरीदना चाहती है। कंपनी का कहना है कि यह कीमत उसके असली मूल्य की एक मजबूत पुष्टि है।

बोर्ड ने खारिज कर दिया

कंपनी ने एक बयान में कहा, टेलेक्ससेल ने शुरुआत में सिर्फ बड़ी हिस्सेदारी खरीदने में ही दिलचस्पी नहीं दिखाई थी, बल्कि कंपनी के मैनेजमेंट और फैसले लेने में भी कुछ हद तक प्रभाव डालना चाहा था। बोर्ड ने सर्वसम्मति से ऐसी किसी भी मांग को खारिज कर दिया है।

यह भी साफ किया

बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि टेलेक्ससेल अपनी प्रस्तावित हिस्सेदारी सिर्फ सेकेंडरी ट्रांजेक्शन के जरिए ही खरीद सकती है। इसमें बल्क डील जैसे तरीके शामिल हैं। इससे वेलक्योर पर कोई नई जिम्मेदारी नहीं आएगी और मौजूदा शेयरधारकों के मूल्य में भी कोई कमी नहीं होगी।

अमेरिकी टैरिफ को लेकर अनिश्चितता का माहौल

इस बीच, अमेरिकी टैरिफ को लेकर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। ऐसे में भारतीय दवा कंपनियां अब थर्ड-पार्टी मैन्युफैक्चरिंग पर ज्यादा ध्यान दे सकती हैं। यह एक ऐसा तरीका है जहां कंपनियां अपना उत्पाद बनाने के लिए किसी और कंपनी की मदद लेती हैं।

2026 में 6.5 प्रतिशत रहेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

एडीबी ने अमेरिकी टैरिफ को बताया वजह

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने मंगलवार को कहा कि पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी के बावजूद, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। एडीबी ने अमेरिकी टैरिफ के भारतीय निर्यात पर असर पड़ने की आशंका जताई है। खासकर दूसरी छमाही में भारतीय निर्यात बुरी तरह से अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित हो सकता है।

लचीली घरेलू मांग और सेवा निर्यात से टैरिफ का असर कम होगा

गौरतलब है कि अप्रैल में जारी एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में भारत की विकास दर के 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे जुलाई की रिपोर्ट में अमेरिकी टैरिफ की चिंता के कारण घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। एशियाई विकास बैंक ने कहा कि बेहतर उपभोग और सरकारी खर्च के कारण वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, लेकिन

भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ से विकास दर में कमी आएगी, हालांकि लचीली घरेलू मांग और सेवा निर्यात इस प्रभाव को कम कर देंगे।

टैरिफ का असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ेगा

एडीबी ने कहा कि टैरिफ लागू होने के कारण निर्यात में कमी का असर वित्त वर्ष 26 और वित्त वर्ष 27 दोनों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ेगा। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद में निर्यात की कम हिस्सेदारी, अन्य देशों को निर्यात में वृद्धि, टैरिफ से सीधे प्रभावित न होने वाले लगातार मजबूत सेवा निर्यात और राजकोषीय एवं मौद्रिक नीति से घरेलू मांग में तेजी के कारण सकल घरेलू उत्पाद पर प्रभाव सीमित रहेगा।

बेटी से मिले गिफ्ट पर मां को मिला टैक्स नोटिस, अब आईटीएटी ने सुनाया ये फैसला

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।दिल्ली की एक महिला, जो पेशे से स्कूल टीचर हैं, उन्हें उनकी बेटी ने 3.5 लाख रुपये नकद गिफ्ट दिए, जिसे उन्होंने अपनी आईटीआर में नहीं बताया. इसके बाद आयकर विभाग ने उन्हें नोटिस भेजा. इसके खिलाफ टीचर ने आयकर अपील ट्रिब्यूनल, दिल्ली में अपील की. अब इस मामले में आईटीएटी ने फैसला सुनाते हुए शिक्षक की बात मानी और टैक्स विभाग के फैसले को खारिज कर दिया है. दरअसल, मामला वित्तीय वर्ष 2017-18 का है.

दिल्ली की एक शिक्षक को उनकी बेटी से 3.5 लाख रुपये नकद गिफ्ट मिले थे, जिसे उन्होंने अपने बैंक में जमा करा दिया था और इसका इस्तेमाल प्रॉपर्टी खरीदने में किया. बाद में टीचर ने अपनी कुल आय 7.4 लाख रुपये के हिसाब से आईटीआर भरा, लेकिन गिफ्ट से मिली रकम का कोई जिक्र नहीं किया. फिर यह पैसा इनकम

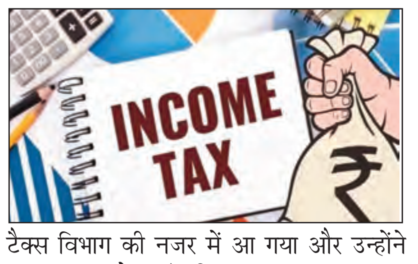

टैक्स विभाग की नजर में आ गया और उन्होंने इसका पूरा व्योरा मांग लिया.

टैक्स ऑफिसर ने टीचर की बात नहीं मानी

टीचर ने जवाब में बताया कि ये रकम उन्हें उनकी बेटी ने दी है. बेटी की उम्र 25 साल है और वह अभी नौकरी नहीं करती, लेकिन थोड़ी-थोड़ी बचत कर रखती थी. उसने अपनी बचत के पुराने पैसे जमा किए और मां को गिफ्ट दे दिए. लेकिन टैक्स ऑफिसर ने इस बात को मानने से इनकार कर दिया. उन्होंने कहा कि बेटी के पास इतने पैसे होने के सबूत नहीं हैं. साथ ही यह भी बताया कि बेटी के खाते में जो पैसा जमा हुआ, वह छोटे-छोटे नोटों में था और बार-बार पैसे जमा और निकाले गए थे. अफसरों ने कहा कि अगर किसी के पास पहले से नकद पैसे होते, तो वह यूं बार-बार जमा और निकालने की जरूरत नहीं समझता. आखिरकार अफसरों ने पूरे 3.5 लाख रुपये को अनजाना पैसा मानते हुए उस पर टैक्स लगा दिया.

महिला की अपील से मिला इंसाफ

महिला इस फैसले से नाराज़ होकर आयकर विभाग के एक अधिकारी के पास गई, जिन्होंने फिर से वही पुरानी बातें दोहराईं और टैक्स का फैसला बरकरार रखा. इसके बाद महिला ने दिल्ली के इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल में अपील की. यहां उन्होंने सारे दस्तावेज फिर से जमा किए, जैसे कि गिफ्ट डिक्लेरेशन, बेटी की बैंक स्टेटमेंट, पुराने कैश का हिसाब और बैंक में पैसे जमा करने की पर्चियां. महिला ने कहा कि बेटी ने कई सालों से थोड़ी-थोड़ी रकम बचाकर नकद में रखी थी और उसी से मां को गिफ्ट दिया. उन्होंने यह भी बताया कि बेटी को बैंक में ज्यादा पैसा रखना पसंद नहीं था, इसलिए वह जरूरत पड़ने पर पैसे जमा और निकालती रहती थी.आईटीएटी ने इस केस की बारीकी से जांच की और कहा कि बेटी 25 साल की है, बालिग है और कानून के तहत अपनी मर्जी से किसी को भी गिफ्ट दे सकती है. ट्रिब्यूनल ने माना कि मां-बेटी के रिश्ते में ऐसा गिफ्ट देना बिल्कुल सामान्य बात है. अगर बेटी ने पैसे बचाकर मां को गिफ्ट दिया है, तो सिर्फ इस वजह से शक नहीं किया जा सकता कि वह अमीर नहीं है. आईटीएटी ने कहा कि टैक्स अफसरों ने रिश्ते और गिफ्ट की भावना को नजरअंदाज किया. उन्होंने सभी पुराने फैसलों को रद्द कर दिया और टैक्स की रकम हटाते हुए कहा कि यह पैसा वैध है और इस पर कोई टैक्स नहीं बनता.

सोना ऑलटाइम हाई पर, 1449 महंगा होकर 1.17 लाख हुआ

चांदी की कीमत रिकॉर्ड 1.45 लाख प्रति किलो हुई

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम सोमवार (30 सितंबर) को अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,449 रुपए बढ़कर 1,16,903 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1,15,454 रुपए पर था। वहीं, चांदी भी 673 रुपए बढ़कर 1,45,060 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले ये 1,44,387 रुपए पर थी।

इस साल सोना 41,000 और चांदी 59,000 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 40,741 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,16,903 रुपए हो गया है।

चांदी का भाव भी इस दौरान

59,043 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,45,060 रुपए प्रति किलो हो गई है।

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैक्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सोलर इंडस्ट्री को मिलेगा बूस्ट,सरकार ने बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार अब सौर ऊर्जा से जुड़े उपकरणों के आयात पर सख्त नजर रखने जा रही है। इसका मकसद है घरेलू सोलर इंडस्ट्री को मजबूती देना और विदेशी उपकरणों की अंधाधुंध खरीद को कंट्रोल करना है। एट की एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके लिए एक नई इंपोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम शुरू करने की तैयारी की जा रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि कौन-से सोलर प्रोडक्ट्स भारत में आ रहे हैं, वे कहां से आ रहे हैं और उनका इस्तेमाल कहां हो रहा है। आज भारत में कई सोलर प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं जैसे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, पीएम-कुसुम योजना और दूसरी योजनाएं जिनमें घरेलू सोलर मॉड्यूल और सेल का इस्तेमाल अनिवार्य किया गया है। इसके लिए सरकार ने पहले से एएलएमएम जैसी लिस्ट बनाई हुई है, जिसमें उन्हीं कंपनियों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है जो मानकों पर खरे उतरते हैं। हालांकि सरकार को अब तक इस बात की साफ जानकारी नहीं थी

कि भारत में जितने सोलर उपकरण आयात हो रहे हैं, वे कहां और किस मकसद से इस्तेमाल हो रहे हैं। क्या वे निजी कंपनियों द्वारा इस्तेमाल हो रहे हैं, क्या वे कमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए हैं या फिर किसी घरेलू इस्तेमाल के लिए? इस भ्रम को दूर करने और पारदर्शिता लाने के लिए सरकार अब एक स्वचालित निगरानी प्रणाली लागू करने जा रही है।नई प्रणाली के तहत, जो भी कंपनी या व्यापारी सोलर उपकरण आयात करना चाहता है, उसे पहले से एक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसमें उसे उपकरण की जानकारी, उसका स्रोत देश और अन्य जरूरी दस्तावेज देने होंगे। इसके बाद उसे एक पंजीकरण संख्या मिलेगी जो कस्टम क्लीयरेंस से पहले जरूरी होगी। इस तरह की प्रणाली पहले से स्टील और कागज के आयात पर लागू है और अब इसे सोलर उपकरणों पर भी लाया जा रहा है।'

इसका फायदा ये होगा कि सरकार को पहले से मालूम होगा कि कौन-सा माल आ रहा है और कहां से आ रहा है और किसके लिए है।भारत में सोलर मॉड्यूल और सेल बनाने की क्षमता तेजी से बढ़ी है। मौजूदा समय में देश की सोलर मॉड्यूल निर्माण क्षमता 100 गीगावाट से ऊपर है, जबकि सोलर सेल की क्षमता लगभग 27 गीगावाट है। मंत्रालय का अनुमान है कि अगले कुछ महीनों में इसमें और इजाफा होगा। एट की एक रिपोर्ट में केयरएज रेटिंग्स के हवाले से बताया कि, साल 2028 तक यह क्षमता और भी बढ़कर मॉड्यूल के लिए 200 गीगावाट और सेल के लिए 100 गीगावाट तक पहुंच सकती है। जबकि भारत की सालाना जरूरत लगभग 50 गीगावाट ही है यानी भविष्य में देश खुद ही सारा सोलर सामान बना सकेगा और आयात की जरूरत कम हो जाएगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-09
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 18-01
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल बुधवार 01 October
तिथि - नवमीं 19-01 तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - पूर्वाषाढ़ा 08-06 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - अतिगण्ड 00-3 तक उप सुकर्मा
वणिज - बालव 06-39 तक उप कौलव
त्योहार - नवरात्रि सरस्वती बलिदान
व्रत।- दुर्गानवमी पूजा

गृह स्थिति	
सुर्य	कन्या
चंद्र	धनु
मंगल	तुला
बुध	कन्या
गुरु	मिथुन
शुक्र	सिंह
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय	
कन्या	05-12 बजे
तुला	07-17 बजे
वृश्चिक	09-27 बजे
धनु	11-41 बजे
मकर	13-48 बजे
कुंभ	15-38 बजे
मीन	17-16 बजे
मेष	18-51 बजे
वृष	20-37 बजे
मिथुन	22-37 बजे
कर्क	00-50 बजे
सिंह	03-01 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-06 से 13-35 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	06-09 - 07-37	शुभ
अमृत	07-37 - 09-07	शुभ
काल	09-07 - 10-36	अशुभ
शुभ	10-36 - 12-06	शुभ
रोग	12-06 - 13-35	अशुभ
उत्पात	13-35 - 15-05	अशुभ
चंचल	15-05 - 16-34	शुभ
लाभ	16-34 - 18-01	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-01 - 20-12	अशुभ
शुभ	20-12 - 21-36	शुभ
अमृत	21-36 - 22-59	शुभ
चंचल	22-59 - 00-23	शुभ
रोग	00-23 - 01-46	अशुभ
काल	01-46 - 03-09	अशुभ
लाभ	03-09 - 04-33	शुभ
उत्पात	04-33 - 06-09	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला,ली, लू, ले,लो, अ,)
आज नेतृत्व स्वाभाविक रूप से आता है, और भावनात्मक अंतर्दृष्टि के माध्यम से आपके काम में तीव्रता आती है। आपकी ताकत मामूली आत्मविश्वास और एक अनोखी जागरूकता में निहित है जिसे दूसरे गलत समझ सकते हैं। चुनौतियों से निपटने के लिए अपने अनुशासन और दूरदर्शिता पर भरोसा करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो)
ये समय अपने सहकर्मियों का उत्साह बढ़ाने का समय है ! आप कुछ कठिन कार्य के लिए प्रयासरत है जिसमे आपके जूनियर या आपसे निचले क्रम के सहकर्मी आपका समर्थन करेंगे और आपके सच्चे समर्थक होंगे । इसलिए उन्हें खुश रखे ! जो लोग अपने कार्यालय में अग्रणी स्थिति या उच्च पद पर है ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका सावधान और रणनीतिक दृष्टिकोण स्थिर प्रगति की ओर ले जाता है। आत्मविश्वास आपके प्रयासों को बढ़ावा देता है, जबकि ध्यान आपको ट्रैक पर रखता है। मानसिक स्पष्टता योजना बनाने में मदद करती है, लेकिन आंतरिक तनाव से अवगत रहें जो आपकी भलाई को प्रभावित कर सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी टू ,टे,)
आपका स्वाभाविक आकर्षण और दृढ़ संकल्प आपके पेशेवर जीवन में ध्यान आकर्षित करता है। फोकस और प्रेरणा मजबूत है, और आप अपने आस-पास के माहौल को सुंदर बनाते हैं। फिर भी, एक सतर्क मानसिकता आपके दृष्टिकोण को परिष्कृत करने में मदद करती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपका कार्यदिवस गर्मजोशी और रचनात्मकता से भरा हुआ महसूस करने वाला है। आपके आस-पास की पोषण ऊर्जा मजबूत संबंधों का समर्थन करती है, जबकि आपका अंतर्ज्ञान निर्णय लेने में मदद करता है। संचार सहजता से प्रवाहित होता है, जिससे बातचीत सुखद और उत्पादक बनती है। भावुक क्षण आ सकते हैं, खासकर टीम की गतिशीलता में।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने कार्य जीवन में एक पोषण ऊर्जा का अनुभव करेंगे, सहकर्मियों के साथ भावनात्मक संबंधों को प्रोत्साहित करेंगे। आपके अंतर्ज्ञान में वृद्धि होगी, जो आपके पेशेवर निर्णयों का मार्गदर्शन करेगी। आप अपनी परियोजनाओं को ऊर्जा देने के लिए नए अवसरों की उम्मीद कर सकते हैं।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सु, से, सो, दा)
काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आपका स्वाभाविक आकर्षण दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे सहयोग सहज और अधिक उत्पादक बनता है। मानसिक स्पष्टता सीखने और निर्णय लेने, दोनों में सहायक होती है, जिससे आपको विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलती है। महत्वाकांक्षा जहाँ आपकी प्रेरणा को बढ़ाती है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दशहरे पर करें ये 5 आसान उपाय, बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

दशहरा का त्योहार हर साल देशभर में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।इस दिन रावण के पुतले जलाने की परंपरा है और यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दशहरा का दिन बेहद शुभ होता है और इस दिन किए गए काम कई गुना फल देते हैं।इसलिए अगर आप इस दिन कुछ आसान ज्योतिष उपाय अपनाएं, तो घर में खुशहाली और समृद्धि बनी रह सकती है।इन उपायों से न सिर्फ नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, बल्कि घर में सुख-शांति, धन और स्वास्थ्य की वृद्धि भी होती है।भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार, दशहरे के दिन विशेष ज्योतिष उपायों का पालन करने से परिवार में स्थिरता, आर्थिक तरक्की और सकारात्मकता का संचार होता है, अगर आप भी अपने घर में इन उपायों को अपनाएंगी तो न सिर्फ घर का माहौल बदल सकता है, बल्कि जीवन में खुशहाली और सफलता के रास्ते खुल सकते हैं.

गोबर के उपले बनाकर पूजन करें

दशहरे के दिन सुबह स्नान कर साफ कपड़े पहनें और मंदिर की सफाई करें।इसके बाद गाय के गोबर से छोटे-छोटे उपले बनाएं और उनके ऊपर पीले फूल चढ़ाएं।इसे घर में पूजन के लिए सजाएं और परिवार की खुशहाली की कामना करें।भारतीय परंपरा में गाय के गोबर को बेहद पवित्र माना जाता है।रात के समय इन उपलों का विशेष पूजन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक प्रभाव दूर रहते हैं.

मुख्य द्वार पर आम का तोरण लगाएं

घर का मुख्य द्वार ऊर्जा के प्रवेश का मुख्य स्थान माना जाता है।इसे हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए।दशहरे के दिन आम के पत्तों का तोरण मुख्य द्वार पर लगाने से घर में समृद्धि और स्वास्थ्य का वास होता है।यह उपाय घर में सकारात्मक वातावरण बनाने और बुरी ऊर्जा को दूर रखने के लिए बेहद कारगर माना जाता है.

तिजोरी पर गोमती चक्र और श्रीयंत्र रखें

दशहरे के दिन घर की तिजोरी या पूजा स्थल पर 11 गोमती चक्र या श्रीयंत्र रखने से धन के योग बनते हैं।इसके साथ 5 कौड़ियां लाल कपड़े में बांधकर रखना भी शुभ माना जाता है।इस उपाय से घर में धन और ऐश्वर्य की वृद्धि होती है और आर्थिक स्थिरता आती है.

मुख्य द्वार पर नमक का पानी छिड़कें

नमक में ऊर्जा शुद्ध करने की अद्भुत शक्ति होती है।दशहरे के दिन मुख्य द्वार पर नमक के पानी का छिड़काव करने से नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती।यह उपाय घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने और पूरे परिवार की सुरक्षा के लिए बहुत प्रभावी है.

दशहरे की रात मां लक्ष्मी का विशेष पूजन

दशहरे की रात मां लक्ष्मी का पूजन करना बेहद शुभ माना जाता है।इस दिन अगर आप मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाकर पूजन करें तो स्थायी सुख, ऐश्वर्य और धन की प्राप्ति होती है।रात के समय किया गया यह पूजन परिवार में खुशहाली और समृद्धि बनाए रखने में मदद करता है।

दशहरा पर कैसे करें शस्त्र पूजा ?

दशहरा शस्त्र पूजा मुहूर्त

इस साल दशहरा 2 अक्टूबर दिन गुरुवार को है. दशहरा की आश्विन शुक्ल दशमी तिथि 2 अक्टूबर को शाम 07:10 पी एम तक है, उसके बाद से एकादशी तिथि है. दशहरा के दिन विजय मुहूर्त में शस्त्र पूजा करते हैं।

इस साल दशहरा पर शस्त्र पूजा का मुहूर्त दोपहर में 02 बजकर 09 मिनट से दोपहर 02 बजकर 56 मिनट तक है. इस समय में शस्त्र पूजा कर लेनी चाहिए. शस्त्र पूजा के समय अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त बन रहा है। यह मुहूर्त दोपहर 01:28 पी एम से दोपहर 02:51 पी एम तक है.

शुभ योग में होगी शस्त्र पूजा

दशहरा की शस्त्र पूजा के समय 2 शुभ योग बनेंगे. शस्त्र पूजा के समय सुकर्मा योग और रवि योग बनेंगे. सुकर्मा योग सुबह से लेकर रात 11 बजकर 29 मिनट तक है. उसके बाद से धृति योग बनेगा. वहीं रवि योग पूरे दिन बना है. दशहरा पर शस्त्र पूजा के वक्त श्रवण नक्षत्र सुबह में 09:13 ए एम से है, जो उसके बाद पूर्ण रात्रि तक है।

दशहरा शस्त्र पूजा विधि

1. दशहरा के दिन सभी शस्त्रों को एक जगह पर एकत्र करके रख लेते हैं. उनकी साफ-सफाई करते हैं।
2. उसके बाद सभी शस्त्रों पर गंगाजल का छिड़काव करते हैं. फिर कुमकुम और हल्दी से उन पर तिलक लगाते हैं।
3. फिर फूल, अक्षत, शमी के पत्ते आदि अर्पित करके शस्त्रों की पूजा करते हैं. इस दौरान आप "शस्त्र देवता पूजनम, रक्षा कर्ता पूजनम" मंत्र का उच्चारण करें।
4. इस दिन शमी वृक्ष के मंत्र को भी पढ़ते हैं. शमी शमी महाशक्ति सर्वदुःख विनाशिनी। अर्जुनस्य प्रियं वृक्षं शमी वृक्षं नमाम्यहम॥"
5. शस्त्र पूजा के समय देवी अपराजिता के मंत्र ओम अपराजितायै नमः का उच्चारण कर सकते हैं. देवी अपराजिता की कृपा से आप हमेशा विजयी होंगे।

शस्त्र पूजा का महत्व

दशहरा के दिन भारतीय सेना शस्त्र पूजा करती है. शस्त्र पूजा राजाओं के समय में भी होता था. शस्त्र को साहस और पराक्रम का प्रतीक मानते हैं. शस्त्र पूजा के दिन राजा अपने राज्य की सीमा से आगे निकलते थे. इसे प्रगति का प्रतीक मानते थे।

मां सिद्धिदात्री की तपस्या से ही भगवान शिव को मिलीं थी सिद्धियां

नवरात्रि के नौवें दिन मां दुर्गा के सिद्धिदात्री स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है। जैसा कि इनके नाम से ही स्पष्ट है कि मां सिद्धिदात्री सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली देवी हैं। शास्त्रों के अनुसार महादेव ने भी माता सिद्धिदात्री की कठोर तपस्या कर इनसे सभी आठ सिद्धियां प्राप्त की थीं। इन्हीं देवी की कृपा से ही महादेव की आधी देह देवी की हो गई थी और वे अर्धनारीश्वर कहलाए थे। नवरात्र के नौवें दिन इनकी पूजा के बाद ही नवरात्र का समापन माना जाता है।

महत्त्व शास्त्रों के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व नामक आठ सिद्धियां हैं। ये सभी सिद्धियां मां सिद्धिदात्री की आराधना से प्राप्त की जा सकती हैं। हनुमान चालीसा में भी अष्टसिद्धि नव निधि के दाता कहा गया है।

स्वरूप सामान्य रूप से मां सिद्धिदात्री कमल पुष्प पर आसीन होती हैं, हालांकि इनका भी वाहन सिंह है। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली हैं। इनकी दाहिनी ओर की पहली भुजा में गदा और दूसरी भुजा में चक्र है। बांई ओर की भुजाओं में कमल और शंख है। नंदा पर्वत पर है प्रसिद्ध तीर्थ हिमाचल का नंदा पर्वत माता सिद्धिदात्री का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। मान्यता है कि जिस प्रकार इस देवी की कृपा से भगवान शिव को आठ सिद्धियों की प्राप्ति हुईं, ठीक उसी तरह इनकी उपासना करने से अष्ट सिद्धि और नव निधि, बुद्धि और विवेक की प्राप्ति होती है।

॥स्तुति मंत्र॥

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैः, असुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात्, सिद्धिदा सिद्धिदायिनी॥

(सिद्ध, गंधर्व, यक्ष, असुर और अमरता प्राप्त देवों के द्वारा भी पूजित और सिद्धियों को प्रदान करने की शक्ति से युक्त मां सिद्धिदात्री हमें भी सिद्धियां प्रदान करें)

भोग : उपवास के बाद माता को तिल का भोग लगाना चाहिए, ऐसा करने से मृत्यु के भय से राहत मिलती है और अनहोनी घटनाओं से बचाव होता है

राशि अनुसार कन्याओं को दें गिफ्ट सभी दुख होंगे दूर

नवरात्रि में माता दुर्गा के 9 रूपों की पूजा-आराधना की जाती है. सालभर में कुल चार नवरात्रि आती हैं. हर साल अश्विन माह में शारदीय नवरात्रि धूमधाम से मनाई जाती है. यह पर्व पूर्णतया जगत की देवी मां दुर्गा को समर्पित होता है. इस दौरान अष्टमी-नवमी पर कन्या पूजन का विधान है। उपहार अगर राशि अनुसार दिया जाए तो इससे माता बहुत प्रसन्न होती है।

राशि अनुसार यह दें उपहार

मेष – इस राशि के जातकों को कन्या पूजन के दौरान लाल रंग के कपड़े, मिठाइयां और चूड़ियां भेंट करनी चाहिए।

वृषभ – माता को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातकों को महानवमी पर कन्याओं को पीलें रंग के कपड़े, वस्तुएं, फल, उपहार में देना चाहिए।

मिथुन – इस राशि के जातकों को कन्या पूजन के दिन कन्याओं को सफेद मिठाई, कॉपी-किताब भेंट करना चाहिए।

कर्क – मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातक को महानवमी के दिन बालिकाओं को दूध, मिठाई और पीले फल भेंट करना चाहिए।

सिंह – इस राशि के जातक को महाअष्टमी के दिन कन्या पूजन पर बच्चियों को अनार, केले, केसर, हलवा प्यार से खिलाना चाहिए. साथ ही किताबों को भेंट करना चाहिए।

कन्या – जगत जननी मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातकों को महानवमी के दिन कन्याओं को सूजी से बनी मिठाई खिलाना चाहिए।

तुला – इस राशि के जातकों को महानवमी के दिन कन्याओं को श्रृंगार की सामग्रियां भेंट करनी चाहिए।

वृश्चिक – नवरात्रि मे नवमी के दिन इस राशि के जातकों को कन्या पूजन के दिन कन्याओं को लाल रंग के कपड़े तथा श्रृंगार की सामग्रियां, देनी चाहिए।

धनु राशि : इस राशि के जातकों को कन्या पूजन के दिन कन्याओं को बेसन के लड्डू, चना दाल और पीले फल प्रदान करना चाहिए।

मकर – माता को प्रसन्न करने के लिए इस राशि के जातकों को महा नवमी के दिन माता स्वरूप कन्याओं को घर बुलाकर उन्हें बादाम, काजू, मेवे, काजू कतली मिठाई इत्यादि भेंट करना चाहिए.

कुंभ – इस राशि के लोग नवमी के दिन कन्याओं को सूजी के हलवे, अमरूद, पपीते इत्यादि फल अर्पित करें. ऐसा करने से मां महागौरी का विशेष आशीर्वाद मिलेगा।

मीन – दुर्गा मां की विशेष कृपा पाने के लिए इस राशि के लोग कन्या पूजन के दिन कन्याओं को चावल की खीर खिलाएं. कन्याओं को इस दिन सफेद वस्तुओं का उपहार प्रदान करें।

दो देवियों ने अपना वाहन गधा क्यों बनाया ?

भारत में दो हिंदू देवियों की सवारी गधा है।भारतीय संस्कृति के हिसाब से देवियों की ये वाहन हैरान तो करता है लेकिन गधे को उन्होंने अपना वाहन क्यों बनाया है, इसकी कहानी भी है और प्रतीक भी।चेचक और खसरा रोगों से मुक्ति दिलाने वाली देवी शीतला माता की सवारी गधा है तो नवरात्र में पूजी जाने वाली कालरात्रि का वाहन भी गधा है।ग्रीको-रोमन और एशियाई लोककथाओं में इसे हठ और मूर्खता के लिए जाना जाता है तो ईसाई, यहूदी और इस्लाम धर्म में इसे बहुत ही सकारात्मक और प्रतिष्ठित स्थान मिला हुआ है।

ईसाई धर्म में गधा विनम्रता, सेवा और शांति का प्रतीक है।यीशु मसीह यरूशलम में गधे पर सवार होकर पहुंचे थे।बाइबिल में गधे को मेहनती और भरोसेमंद पशु के रूप में दिखाया गया है।यहूदी धर्म में ये बुद्धिमान प्राणी के रूप में दिखता है।

लेकिन भारत और पश्चिम में गधे को "बोझ ढोने वाले मूर्ख" के प्रतीक के रूप में माना जाता है।होमर और ईसप की कहानियों में गधे को आमतौर पर आलसी, हठी, मूर्ख और निम्न वर्ग का प्रतीक माना जाता था।

गधा रोग प्रतिरोधक क्षमता का प्रतीक

अब हम आपको बताते हैं कि शीतला माता ने गधे को क्यों अपना वाहन बनाया।इसके पीछे एक वजह भी है और एक कहानी भी।शीतला माता को चेचक, खसरा जैसे रोगों से मुक्ति दिलाने वाली देवी माना जाता है।गधा को उन्होंने अपना वाहन इसलिए बनाया, क्योंकि उन्हें ये धैर्य, सहनशीलता के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता का प्रतीक लगा।

गधा बहुत सहनशील प्राणी है। हर परिस्थिति में काम करता है। जल्दी बीमार नहीं पड़ता।शीतला माता रोगों को दूर करने वाली देवी हैं, इसलिए गधा उनकी रोगों से लड़ने की क्षमता और धैर्य का प्रतीक है।गधे को विनम्र और साधारण जानवर माना जाता है।शीतला माता का यह स्वरूप दिखाता है कि वह सबसे साधारण रूप में भी भक्तों के लिए उपलब्ध हैं। उनका पूजन सादगी से किया जाता है।

शीतला माता के एक हाथ में झाड़ू और दूसरे में कलश होता है।झाड़ू सफाई और स्वच्छता की प्रतीक है।कलश में शुद्ध जल होता है।गधे पर सवार होकर वो संदेश देती हैं कि रोगों से बचने के लिए स्वच्छता और धैर्य बहुत जरूरी है।

क्या है इसके पीछे की कहानी

अब ये भी जान लें कि क्या गधा को वाहन बनाने के पीछे कोई कहानी भी है, जो कही जाती है।स्कंद पुराण और लोक कथाओं के अनुसार, देवी शीतला एक बूढ़ी महिला के रूप में पृथ्वी पर घूम रही थीं, तब वो रोगों की गर्मी से जल रही थीं।वो सहायता के लिए एक कुम्हारिन के घर गईं।कुम्हारिन ने माता की सच्ची श्रद्धा से सेवा की, उनके शरीर पर ठंडा जल डाला उन्हें शांति दी। कुम्हारिन गरीब थी, उसके पास कोई ऐसी चीज नहीं थी, जिस पर वो माता शीतला को बिठा सके।उसने कहा कि उसके पास उन्हें बिठाने के लिए कोई चौकी या आसन नहीं है।तब माता ने कहा, तुम चिंता मत करो।उन्होंने कुम्हारिन के घर के बाहर खड़े गधे पर आसन ग्रहण किया। इसके बाद माता ने अपने हाथ में पकड़ी झाड़ू से कुम्हारिन के घर की दरिद्रता और रोगों को झाड़कर फेंक दिया।बस इसके बाद से ही गधा उनकी सवारी बन गया.

देवी कालरात्रि क्यों गधे पर बैठती हैं

नवदुर्गा के सातवें स्वरूप कालरात्रि देवी का वाहन भी गधा है।वह दुर्गा का सबसे उग्र रूप हैं, जो अंधकार और दुष्ट शक्तियों का विनाश करती हैं।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गधा अज्ञानता और अहंकार का प्रतीक है।देवी कालरात्रि गधे पर सवार होकर यह दिखाती हैं कि वो अपने भक्तों के जीवन से अज्ञानता और अहंकार को नष्ट कर देती हैं।

गधा आमतौर पर धीमी गति और सहनशीलता का प्रतीक भी है लिहाजा माता कालरात्रि का गधे पर सवार होना यह संदेश देता है कि सर्वोच्च शक्ति का सही उपयोग तभी हो सकता है जब मन और इंद्रियां पूरी तरह कंट्रोल हों।उग्र स्वरूप होने के बावजूद, उनका गधे पर सवार होना यह दिखाता है उनकी शक्ति और कृपा सभी भक्तों के लिए सहज और सुलभ है, भले ही उनका सामाजिक या भौतिक स्तर कुछ भी हो।

गधे की 5 ख़ासियतें

गधा बेहद कठिन और शुष्क वातावरण में भी काम करने की अद्भुत क्षमता रखता है। वो कम भोजन और पानी में भी जीवित रह सकता है।ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तों पर बिना थके लम्बे समय तक भारी बोझ ढो सकता है।

उसकी इसी खासियत के कारण उसे सदियों से "बोझ ढोने वाले पशु" के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

गधे अक्सर हठी या मूर्ख माने जाते हैं, लेकिन यह उनकी गहरी समझदारी और आत्मरक्षा की वृत्ति का परिणाम है। यदि गधे को लगता है कि कोई रास्ता असुरक्षित है, या उस पर लादा गया बोझ उसकी सहनशक्ति से अधिक है, तो वह वहां से हिलने से इनकार कर देता है।यह हठ नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णय है।वे खतरों को तुरंत भांप भी लेते हैं।इसलिए उनका इस्तेमाल भेड़ों या बकरियों के झुंड की रक्षा के लिए होता है।

गधों की याददाश्त बहुत तेज होती है।वे उन रास्तों और जगहों को लम्बे समय तक याद रख सकते हैं जहाँ वे पहले केवल एक बार गए हों।

वे परिस्थितियों के अनुसार ढल जाते हैं।अकेले या छोटे समूहों में भी काम कर सकते हैं, जो उन्हें किसानों और चरवाहों के लिए एक आदर्श पशु बनाता है।

गधे मूल रूप से अफ्रीका के रेगिस्तानी क्षेत्रों से आते हैं, जिसके कारण वे गर्मी और सूखे को आसानी से झेल सकते हैं।

उनकी खाल मोटी होती है।वे अपने शरीर के वजन का लगभग 30% तक पानी की कमी को सहन कर सकते हैं, जबकि घोड़े केवल 15% तक सहन कर पाते हैं।

सुख-समृद्धि और विजय प्राप्ति के लिए दशहरे पर जरूर करें अपराजिता फूल के तांत्रिक उपाय

सौभाग्य प्राप्ति के लिए करें यह उपाय

तंत्र शास्त्र के अनुसार, दशहरे के दिन माता लक्ष्मी की अवश्य पूजा अर्चना करें और पूजन में माता को सात अपराजिता के फूल अर्पित करें. पूजा खत्म हो जाने के बाद फूलों को धन के स्थान जैसे अलमारी या तिजोरी में रख दें. यह उपाय धन को आकर्षित करता है और माता लक्ष्मी का भी आशीर्वाद बना रहता है. वहीं इस फूल को देवी दुर्गा को चढ़ाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है और हर कार्य में विजय मिलती है।

सुख-शांति और समृद्धि के लिए उपाय

अगर आपके बने बनाए कार्य बिगड़ रहे हैं या फिर दिन पर दिन आर्थिक परेशानियां आती जा रही हैं तो दशहरे के दिन आप स्नान के जल में पांच अपराजिता के फूल डालकर स्नान कर लें. इसके बाद दरवाजे के सामने एक पात्र में पानी भरें और उसमें कुछ अपराजिता के फूल डाल दें. ऐसा करने से व्यक्ति का आर्थिक संकट दूर जाता है और सुख-शांति और समृद्धि के मार्ग बनते हैं।

नकारात्मकता दूर करने के लिए उपाय

दशहरे के दिन घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में किसी बर्तन में अपराजिता के फूल डालकर रख दें. ऐसा करने से घर में मौजूद नकारात्मक शक्ति से छुटकारा मिलता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. साथ ही दशहरे पर अपराजिता का पौधा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और धन लाभ के अवसर बढ़ते हैं।

बिजनेस में तरक्की के लिए उपाय

व्यापारियों को बिजनेस में लगातार नुकसान हो रहा है तो दशहरे के दिन अपराजिता के फूल के यह उपाय आपकी काफी मदद कर सकता है. व्यापारी वर्ग दशहरे के दिन मां दुर्गा के साथ माता लक्ष्मी और श्रीयंत्र की भी पूजा अर्चना करें और 7 अपराजिता के फूल अर्पित कर दें. इसके बाद उनको तिजोरी में रखकर मां लक्ष्मी का ध्यान करते हैं. इससे व्यापार में उन्नति होने की मान्यता है।

विजय प्राप्ति के उपाय

शास्त्रों में बताया गया है कि दशहरे की रात अपराजिता के फूल को हनुमानजी के चरणों में अर्पित कर विशेष मंत्र का जाप किया जाए तो शत्रु पर विजय मिलती है और सभी तरह की परेशानियों से मुक्ति भी मिलती है।

ऐश्वर्या राय बच्चन ने ब्लैक ड्रेस में रैंप पर बिखेरा जलवा, दिखाई दिलकश अदाएं

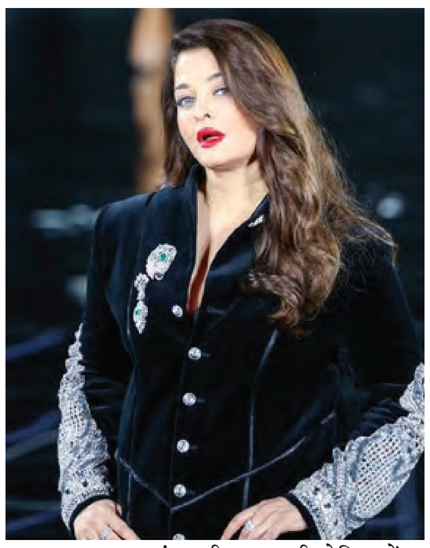

इस समय फ्रांस की राजधानी पेरिस में फैशन वीक का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने शिरकत किया और रैंप वॉक भी किया। ब्लैक ड्रेस में अभिनेत्री ने अपने ग्लैमरस अंदाज से सभी को आकर्षित कर लिया।

ऐश्वर्या राय के आउटफिट ने खींचा ध्यान

अभिनेत्री ने हीरे जड़े एक खूबसूरत ब्लैक कलर के आउटफिट में पेरिस फैशन वीक में रैंप वॉक किया और वहां मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके ड्रेस की खास बात ये है कि उनके आस्तीन और कोट के बैक पर 10 इंच के हीरे की कढ़ाई हुई है। इसके अलावा, बड़े हीरे और पन्ने वाला ब्रोच उनके लुक को और भी शानदार बना रहे हैं। उनके स्टाइल और कॉन्फिडेंस ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

मेकअप की बात करें तो, अभिनेत्री ने अपने ड्रेस में बोल्ड टच देने के लिए लाल लिपस्टिक लगाई, जो उनके लुक को और आकर्षक बना रहा है।

फैंस को दिया फ्लाइंग किस

अभिनेत्री ने रैंप पर शानदार अंदाज में वॉक करते हुए अपने प्रशंसकों का अभिवादन फ्लाइंग किस और नमस्ते पोज के साथ किया।

मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन की है ड्रेस

ऐश्वर्या राय बच्चन के इस खूबसूरत ड्रेस को मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन किया गया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। एक तस्वीर में मनीष मल्होत्रा के साथ ऐश्वर्या राय बच्चन और उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी दिख रही हैं।

ऐश्वर्या राय का वर्कफ्रंट

ऐश्वर्या राय को आखिरी बार मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन II' में देखा गया था। इस फिल्म में विक्रम, जयम रवि, कार्थी, त्रिशा कृष्णन और प्रभु ने अभिनय किया था।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' से कम किए गए किसिंग सीन

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' इन दिनों चर्चा में है। जल्द ही यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ अभिनीत रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए 13+ सर्टिफिकेट मिला है। बोर्ड की तरफ से फिल्म में मामूली संपादन की सिफारिश के बाद इसे रिलीज की इजाजत मिली है।

फिल्म में दो बदलावों की जरूरत थी

सेंसर बोर्ड को फिल्म को मंजूरी देने से पहले दो बड़े बदलावों की जरूरत थी। पहला, 'गार्ड' शब्द को म्यूट करना, जिसका इस्तेमाल उस सीन में किया गया है जहां वरुण धवन का किरदार एक गाली को छिपाने की कोशिश करता है। दूसरा, किसिंग सीन को लगभग 60 प्रतिशत कम करना था।

कितने मिनट की है फिल्म?

इन संपादनों के बाद, फिल्म को आखिरी मंजूरी मिल गई। सेंसर सर्टिफिकेट में फिल्म की अवधि 135 मिनट 45 सेकंड या 2 घंटे 15 मिनट 45 सेकंड बताई गई है। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वरुण धवन के साथ जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल, अक्षय ओबेरॉय और अभिनव शर्मा हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और मेंटर डिसाइपल एंटरटेनमेंट द्वारा बनाई गई है। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सिनेमाघरों में यह फिल्म ऋषभ शेट्टी की 'कंतारा चैप्टर 1' से टकराएगी।

फिल्म के प्रमोशन में जुटे कलाकार

वरुण धवन और जान्हवी कपूर इस फिल्म का खूब प्रचार कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव के साथ डांस करते हुए फिल्म का प्रमोशन किया था। आपको बता दें कि वरुण धवन जल्द ही फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आने वाले हैं। वह फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का भी हिस्सा होंगे।

नेशनल टेलीविजन पर 'बालिक वधू' फेम अविका गौर ने रचाई शादी

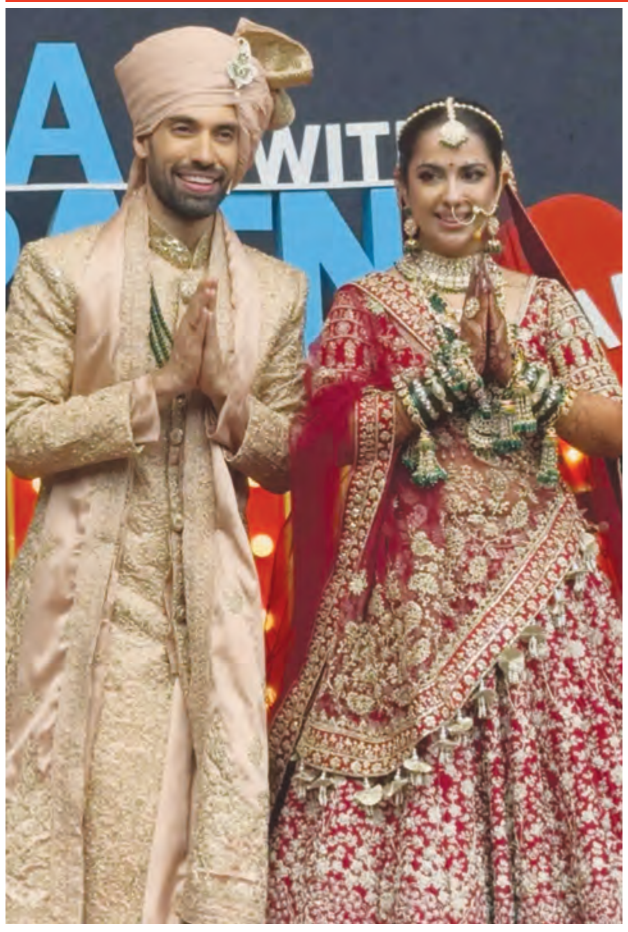

शो बालिका वधू से मशहूर हुईं अभिनेत्री अविका गौर अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी के साथ आज सात फेरे ले चुकी हैं। उनकी शादी में कई सेलेब्स शामिल हुए। उनकी शादी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं।

अविका गौर और मिलिंद ने रचाई शादी

अभिनेत्री अविका गौर, जो 'बालिका वधू' शो से मशहूर हुईं, उन्होंने आज अपने बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी के साथ शादी कर ली है। दोनों रियलिटी शो 'पति, पत्नी और पंगा' में साथ नजर आए और यहीं शादी का फैसला लिया। शादी की सारी रस्में, जैसे हल्दी, मेहंदी, बारात और फेरे, शो के सेट पर ही हुईं। शादी हिंदू रीति-रिवाजों से हुई। बारात सुबह आई और फेरे दोपहर में हुए। 'पति पत्नी और पंगा' शो के बाकी कलाकार जैसे हिना खान, ईशा मालवीय, रुबीना दिलैक और मुनव्वर फारूकी भी शादी में शामिल हुए।

स्कूटर पर आए मिलिंद

मिलिंद स्कूटर पर बारात लेकर आए और शादी की तैयारियों में उत्साह से नाचते दिखे। अविका ने पारंपरिक लाल और सुनहरे रंग का लहंगा पहना, जिसमें भारी पन्ना जड़ित गहने थे। मिलिंद ने पीच और सुनहरे रंग की शेरवानी और पगड़ी पहनी। शादी के बाद दोनों ने तस्वीरें खिंचवाईं और नाचते हुए खुशी मनाई।

अविका और मिलिंद की प्रेम कहानी

एक पुराने इंटरव्यू में अविका ने बताया था कि मिलिंद से उनकी पहली मुलाकात के बाद मिलिंद ने उन्हें फ्रेंड-जोन कर दिया था। अविका ने अपने इंजीनियर बॉयफ्रेंड मिलिंद के साथ लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप की बात भी साझा की थी। उन्होंने कहा कि लोग लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को मुश्किल मानते हैं, लेकिन उन्होंने इसे आसानी से निभाया।

जॉन अब्राहम ने 'फोर्स' के 14 साल पूरे होने का मनाया जश्न

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने अपनी 2011 की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'फोर्स' के 14 साल पूरे होने का जश्न मनाया। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक शानदार पोस्टर शेयर किया। इस पोस्ट के साथ जॉन ने एक खास सवाल भी पूछा।

जॉन अब्राहम ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म 'फोर्स' को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। जॉन ने यह पोस्ट फिल्म 'फोर्स' की रिलीज के 14 साल पूरे होने पर किया है। जॉन ने फिल्म 'फोर्स' से ही अपना एक पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में जॉन सिक्स-पैक, डेनिम और धूप का चश्मा पहने दिख रहे हैं। उनके शरीर पर टैटू हैं और साथ ही एक बंदूक भी दिखाई दे रही है। इस पोस्ट के साथ जॉन ने कैप्शन में लिखा, 'फोर्स के 14 साल... आगे क्या...'। जॉन के इस कैप्शन ने फैंस में उत्साह बढ़ा दिया।

फैंस के कमेंट्स

जॉन की इस पोस्ट ने फैंस के बीच फिल्म 'फोर्स' को लेकर अधिक उत्साह बढ़ा दिया है। इसलिए जॉन के कई फैंस उनसे 'फोर्स 3' की डिमांड कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'फोर्स 3 लाओ', एक और फैन ने लिखा, 'फोर्स 3 की घोषणा करो', एक और फैन ने लिखा, 'फोर्स हमेशा खास रहेगी', एक और फैन ने लिखा, 'उन दिनों यह मेरा वॉलपेपर हुआ करता था', एक और फैन ने लिखा, ' फोर्स से प्यार है, फोर्स 3 का इंतजार नहीं कर सकते...शुभकामनाएं।'

फिल्म 'फोर्स' के बारे में

'फोर्स' 2003 की तमिल फिल्म 'काखा काखा' का रीमेक है, जिसे निशिकांत कामत ने निर्देशित और रितेश शाह ने लिखा था। फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ विद्युत जामवाल, जेनेलिया डिसूजा, राज बब्बर, मुकेश ऋषि जैसे कलाकार थे। संगीत हैरिस जयराज और ललित पंडित ने दिया, जबकि समीर फतेहपेकर ने बैकग्राउंड म्यूजिक बनाया।

सिनेमैटोग्राफी अयानंका बोस और संपादन आरिफ शेख ने किया। फिल्म 30 सितंबर, 2011 को रिलीज हुई थी और 2016 में इसका सीक्वल 'फोर्स 2' आया। अब फैंस 'फोर्स 3' का इंतजार कर रहे हैं।

पत्नी और बेटी के साथ मिलकर पंकज ने मुंबई में खरीदे 10.85 करोड़ रुपये में दो फ्लैट

पंकज त्रिपाठी की गिनती मौजूदा वक्त में बॉलीवुड के सबसे व्यस्त रहने वाले कलाकारों में होती है। काफी लंबे संघर्ष के बाद अब अभिनेता करियर के उस मुकाम पर हैं, जहां फिल्म में उनकी मौजूदगी दर्शकों को खींचती है। अब पंकज त्रिपाठी ने अपनी पत्नी मृदुला त्रिपाठी और बेटी आशी के साथ मिलकर मुंबई में दो अपार्टमेंट खरीदे हैं।

बेटी के साथ अंधेरी वेस्ट में खरीदा फ्लैट

रियल एस्टेट मार्केटप्लेस स्क्वॉयरयार्ड्स द्वारा इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन (आईजीआर) द्वारा प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अभिनेता ने 10.85 करोड़ रुपये में मुंबई में दो अपार्टमेंट खरीदे हैं। पहला अपार्टमेंट अंधेरी वेस्ट स्थित सोलिस बिल्डिंग में है, जिसे पंकज त्रिपाठी ने अपनी बेटी आशी के साथ मिलकर खरीदा। इसकी कीमत 9.98 करोड़ रुपये है। इस घर का क्षेत्रफल लगभग 2,372 वर्ग फुट है और इसमें तीन कार पार्किंग की सुविधा है। इस सौदे पर करीब 59.89 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और 30,000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस जमा की गई है। यह रजिस्ट्री जुलाई 2025 में हुई है।

पत्नी और बेटी ने कांदिवली वेस्ट में खरीदा अपार्टमेंट

दूसरा अपार्टमेंट कांदिवली वेस्ट की आशापुरा हेरिटेज बिल्डिंग में लिया है। इसे पंकज की पत्नी मृदुला त्रिपाठी और बेटी आशी ने खरीदा है। इस घर की कीमत 87 लाख रुपये है और इसका आकार लगभग 425 वर्ग फुट है। इसके लिए 4.35 लाख

रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और 30,000 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस दी गई है। यह रजिस्ट्री सितंबर 2025 में पूरी हुई।

'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे पंकज

वर्कफ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे। अनुराग बासु द्वारा निर्देशित इस मल्टीस्टारर फिल्म में पंकज त्रिपाठी के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी। वहीं उनके आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो उनमें 'मिर्जापुर फिल्म' और 'पारिवारिक मनुरंजन' शामिल हैं।

ईडी के सामने तलब हुईं उर्वशी रौतेला

अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले को लेकर ईडी लगातार सेलेब्रिटीज को तलब कर रही है। इसी क्रम में अब अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर ईडी के सामने पेश हुई हैं। अवैध सट्टेबाजी ऐप 1xbet मामले की जांच में उर्वशी अब ईडी मुख्यालय पहुंची हैं।

इस प्लेटफॉर्म की भारत में एम्बेसडर हैं उर्वशी

उर्वशी कैरिबियाई द्वीप कुराकाओ में पंजीकृत इस प्लेटफॉर्म की भारत में एम्बेसडर हैं। सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत उनका बयान दर्ज करना शुरू कर दिया है।

ईडी ने पिछले कुछ हफ्तों में इस जांच के तहत युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन जैसे क्रिकेटरों के अलावा अभिनेता सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती (पूर्व टीएमसी सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली सिनेमा) से भी पूछताछ की है। कुछ ऑनलाइन प्रभावशाली लोगों से भी पूछताछ की गई है।

सूत्रों ने बताया कि पोर्टल 1xBet से जुड़े मामले की जांच में पाया गया कि इनमें से कुछ हस्तियों ने उन्हें दिए गए विज्ञापन फीस का इस्तेमाल कई तरह की संपत्तियां हासिल करने में किया। ये संपत्तियां पीएमएलए के तहत अपराध की आय के रूप में शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने कानून लाकर लगाया प्रतिबंध

केंद्र सरकार ने हाल ही में कानून लाकर भारत में असली पैसे वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकारी प्रतिबंध से पहले बाजार विश्लेषण फर्मों और जांच एजेंसियों द्वारा किए गए अनुमानों के मुताबिक, ऐसे कई ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के लगभग 22 करोड़ भारतीय यूजर्स हैं। इनमें से आधे नियमित यूजर्स हैं।

काजोल-ट्विंकल के शो में पहुंचे आलिया-वरुण बताया पसंद ना आने पर भी मेला फिल्म देखते हैं

काजोल और ट्विंकल खन्ना द्वारा होस्ट किए जाने वाले शो 'टू मच' की शुरुआत हो चुकी है। इसमें कई सितारे मेहमान बनकर पहुंच रहे हैं। अब शो में वरुण धवन और आलिया भट्ट पहुंचने वाले हैं। इस दौरान अभिनेता ने कुछ मजेदार बातें की हैं। आइए देखते हैं प्रोमो।

आलिया और वरुण ने की मजेदार बातें

काजोल और ट्विंकल के आगामी एपिसोड में वरुण धवन और आलिया भट्ट नजर आएंगे, जिसका एक प्रोमो वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो की शुरुआत में वरुण धवन ने अपनी फिल्म 'मैं तेरा हीरो' का डायलॉग बोला। उन्होंने कहा, 'मैं दिखता हूं स्वीट एंड इनोसेंश स्वामी टाइप का, लेकिन मैं हूं बड़ा अजीब टाइप का।' इसके आगे आलिया को किसी बात पर जोर से हंसते हुए देखा जाता है।

मेला फिल्म को लेकर क्या बोले वरुण धवन?

आगे प्रोमो में वो कहते हैं, एक फिल्म है, जिसे मैंने जब देखा तो पसंद नहीं आई थी, लेकिन मैं उसे देखना पसंद करता हूं।' इसपर काजोल ने पूछा कौन सी फिल्म है? इसके जवाब में वरुण ने कहा, 'मेला।' यह सुनते ही सभी लोग हंस पड़ते हैं। इसके आगे प्रोमो में दोनों मेहमान से कई सवाल किए जाते हैं।

वरुण धवन का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में वरुण के साथ जान्हवी कपूर, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

एक नजर आलिया भट्ट की फिल्मों पर

आलिया भट्ट के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह इस साल एक फिल्म 'अल्फा' कर रही हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, इसमें आलिया एक स्पाई का रोल करती दिखेंगी। इस फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी।

चिरंजीवी ने देखी 'दे कॉल हिम ओजी', भाई पवन कल्याण की तारीफ की

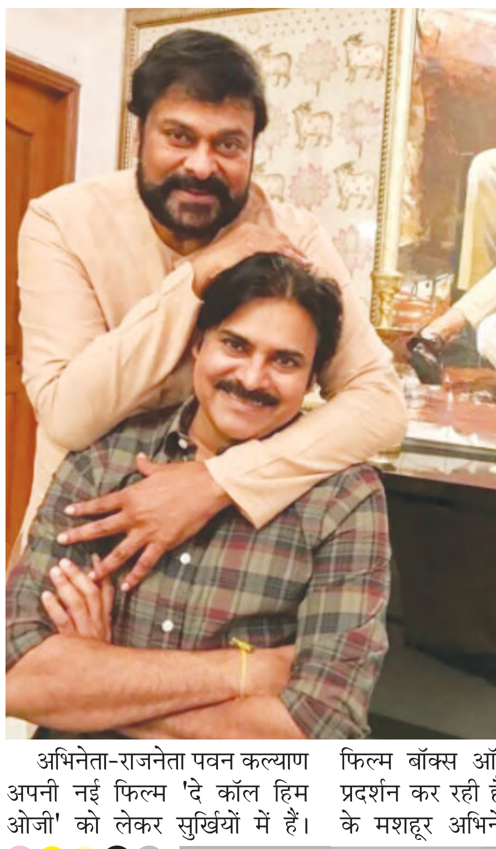

अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण अपनी नई फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। ऐसे में साउथ के मशहूर अभिनेता चिरंजीवी ने मंगलवार को फिल्म की तारीफ की है। फिल्म देखने के बाद चिरंजीवी ने एक्स पर एक पोस्ट की जिसमें उन्होंने फिल्म के कलाकारों की खूब तारीफ की।

परिवार के साथ फिल्म देखने पहुंचे चिरंजीवी

'दे कॉल हिम ओजी' देखने के बाद चिरंजीवी ने एक्स पर लिखा कि यह फिल्म हॉलीवुड की तरह है। मेगास्टार ने अपने परिवार के साथ फिल्म देखी। उनके साथ उनके बेटे राम चरण भी थे। अभिनेता ने फिल्म को एक शानदार गैंगस्टर फिल्म बताया।

हॉलीवुड से की फिल्म की तुलना

चिरंजीवी ने लिखा 'मैंने अपने पूरे परिवार के साथ 'दे कॉल हिम ओजी' देखी। इसके हर पल का भरपूर आनंद लिया। यह फिल्म हॉलीवुड के मानकों की तरह है। फिल्म ने सही भावनाओं को बरकरार रखा है। यह अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर की शानदार फिल्म है। शुरुआत से अंत तक, निर्देशक ने फिल्म को अच्छी तरह से दिखाया है। सुजीत को बधाई।'

चिरंजीवी ने टीम की तारीफ की

चिरंजीवी ने आगे लिखा 'कल्याण बाबू को पर्दे पर देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। उन्होंने अपने स्वैग से फिल्म को अलग पहचान दिलाई। उन्होंने फैंस को वह चीज दी, जिसका वे बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। थमन एस ने संगीत में अपनी आत्मा डाल दी। रवि के चंद्रन ने बेहतरीन दृश्य दिखाए। संपादन बेहतरीन था। टीम के हर एक सदस्य ने अपना सबसे अच्छा दिया।'

फिल्म की कहानी और स्टारकास्ट

इस फिल्म की कहानी गैंगस्टर ओजस गंभीरा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कई वर्षों से लापता है। फिल्म मुंबई के अंडरवर्ल्ड गैंगवॉर पर आधारित है। बॉलीवुड के अभिनेता इमरान हाशमी ने इस फिल्म से साउथ की फिल्म में डेब्यू किया है। सुजीत द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका मोहन और अर्जुन दास भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

गिव-अप अभियान में झुंझुनूं की 36वीं रैंक

भड़के मंत्री सुमित गोदारा; अधिकारियों को दी धमकी

झुंझुनू, 30 सितंबर (एजेंसियां)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा गिव अप अभियान में झुंझुनूं जिले की पूरे राज्य में 36वीं रैंक से काफी नाराज नजर आए। उन्होंने कलक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में जिम्मेदार अधिकारियों से कहा कि अपना काम सुधार लो, नहीं तो ऐसी जगह भेजूंगा, वापस झुंझुनूं नहीं आ सकोगे।

मंत्री ने कहा कि यह पढा लिखा जिला है, नौकरी वाला व बिजनेसमैन का जिला है, यह जिला तो अभियान में टॉप में रहना चाहिए। मंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि 31 अक्टूबर तक अपात्र लोगों को सूची से बाहर नहीं किया गया, तो 1 नवंबर से सख्ती बरती जाएगी। मंत्री ने डीएसओ डॉ. निकिता राठौड़ से कहा कि फील्ड में कहां-कहां जाती हो, इसकी रिपोर्ट नियमित कलक्टर को करें।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ अरुण गर्ग, विधायक राजेंद्र भांबू, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, राजेश दहिया, बबलू चौधरी, सूरजगढ़ प्रधान बलवान पूनिया, अलसीसर प्रधान घासीराम पूनिया, कमलकांत शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

जानें क्यों नाराज हुए मंत्री?

गिव अप अभियान में राज्य का औसत करीब 11 फीसदी है। जबकि झुंझुनूं जिले का औसत 6.93 फीसदी है। यह काफी कम है। जिले की रैंक पूरे राज्य में 36वीं है। अब तक मात्र 91 हजार अपात्र लोग ही अपना नाम हटवा सके हैं। गोदारा ने अब गिव अप अभियान में 1 लाख 45 हजार का लक्ष्य तय किया है, ताकि जिला राज्य औसत 11 फीसदी के बराबर आ सके।

खांसी के सिरप का खौफ: सीकर में बच्चे की मौत

जयपुर में भी बिगड़ी बच्चों की तबीयत, ड्रग कंट्रोलर ने रोकी सप्लाई

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बच्चों को दी जा रही खांसी की दवा से साइड इफेक्ट के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। भरतपुर और सीकर के बाद अब राजधानी जयपुर में भी एक दो साल की बच्ची की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है, जिसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्ची को भी वही खांसी की दवा डेक्सट्रोमेथॉरफन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप दी गई थी, जो हाल ही में भरतपुर और श्रीमाधोपुर (सीकर) में बीमार बच्चों को दी गई थी। इन सभी मामलों के सामने आने के बाद चिकित्सा विभाग ने तत्काल इस दवा की सप्लाई को होल्ड कर दिया है।

दवा के साइड इफेक्ट के मामले ने तब तूल पकड़ा जब सीकर के खोरी ब्राह्मणान गांव में 5 साल के नितियांस की खांसी की दवा पीने के बाद तबीयत बिगड़ी और बाद में अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद से दवा को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि ये मामला यहीं नहीं थमा। प्रदेश के अन्य जिलों में भी खांसी की दवा देने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ रही है। इसके बाद से इस दवा को लेकर खौफ बढ़ रहा है।

सरकारी अस्पतालों में वितरित की जाने वाली इस सिरप को लेकर चिकित्सा विभाग ने सभी मेडिकल कॉलेजों के औषधि प्रभारी और जिला औषधि भंडारगृहों को निर्देश जारी कर दवा की सप्लाई पर रोक लगा दी है। ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने पुष्टि की है कि भरतपुर और सीकर में कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली थी, जिसके बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दवा के सैंपल उठाए और जांच के लिए भेज दिए हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि दावा किया जा रहा है कि यह दवा केवल वयस्क मरीजों के लिए उपयुक्त है और इसे चार साल से कम उम्र के बच्चों को देना सुरक्षित नहीं है। जिन बच्चों की तबीयत बिगड़ी है, उनकी उम्र भी चार वर्ष से कम बताई जा रही है। इतना ही नहीं, भरतपुर के जिस अस्पताल में बच्चों को यह दवा दी गई, वहां एक चिकित्सक ने भी इसका सेवन किया था, जिसके बाद उसकी तबीयत भी बिगड़ गई।

ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने बताया कि दवा के विभिन्न बैचों के सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं और रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। इस बीच एहतियातन इस सिरप की पूरी सप्लाई पर रोक लगा दी गई है। डेक्सट्रोमेथॉरफन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप का निर्माण जयपुर की लोकल फार्मा कंपनी कायसन्स फार्मा द्वारा किया जा रहा है, जिसकी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है। जैसे ही मामले की गंभीरता सामने आई, राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड ने इस कंपनी की सिरप को राज्य के सभी दवा केंद्रों पर वितरित करने से तत्काल रोक लगा दी है। ड्रग विभाग का कहना है कि जब तक लैब रिपोर्ट सामने नहीं आ जाती, तब तक इस दवा का स्टॉक न इस्तेमाल किया जाए और न वितरित किया जाए। मामले को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है और प्रदेश के सभी जिलों में निर्देश भेजे जा चुके हैं।

अनूपगढ़ विधायक और एसडीएम के बीच नोकझोंक

ज्ञापन देने में देरी पर भड़कीं शिमला नायक

श्रीगंगानगर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अनूपगढ़ से कांग्रेस विधायक शिमला नायक और घड़साना के उपखंड मजिस्ट्रेट सुनील चौहान के बीच नोकझोंक देखने को मिली। विधायक शिमला नायक किसानों के साथ एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन देने पहुंचीं, लेकिन एसडीएम के तुरंत बाहर न आने से नाराज हो गईं। इसके बाद विधायक ने एसडीएम को जमकर खरी-खोटी सुनाई और कहा कि इतना इंतजार तो कलेक्टर भी नहीं करवाते। करीब तीन मिनट तक चली इस बहस के बाद एसडीएम ने बाहर आकर ज्ञापन स्वीकार किया। विधायक शिमला नायक 50-60 किसानों के साथ घड़साना एसडीएम कार्यालय पहुंचीं। उनका उद्देश्य रबी की फसल के लिए

सिंचाई पानी का रेगुलेशन मार्च तक जारी रखने, ऑनलाइन गिरदावरी शुरू करने, डीएपी और यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और स्मार्ट मीटर लगाने के फैसले को वापस लेने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपना था।

विधायक ने गार्ड के जरिए एसडीएम को बाहर बुलाने का संदेश भेजा, लेकिन जब काफी देर तक एसडीएमबाहर नहीं आए, तो विधायक स्वयं उनके कार्यालय में पहुंच गईं। एसडीएम कार्यालय में पहुंचकर विधायक ने पूछा कि इतनी देर तक बाहर क्यों नहीं आए। इसके बाद दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। विधायक ने कहा कि एसडीएम साहब, मैं आधे घंटे से बाहर खड़ी हूं। 50-60 लोग आपके ज्ञापन का इंतजार कर रहे हैं। क्या समय नहीं है आपके पास?

एसडीएम ने जवाब दिया कि मैंने ज्ञापन लेने से मना तो नहीं किया। मैं आ रहा हूं। विधायक ने तंज कसते हुए कहा कि कलेक्टर भी अपने सारे काम छोड़कर पहले ज्ञापन लेते हैं। आपको 5 मिनट भी नहीं मिले? एसडीएम ने सफाई दी कि उन्हें गार्ड ने सूचना दी थी और उन्होंने मना नहीं किया। उन्होंने कहा कि मैडम, आपको आए 5 मिनट भी नहीं हुए। मैं ज्ञापन ले रहा हूं। लेकिन विधायक ने कहा कि उन्होंने पहले ही सूचना दे दी थी और जनप्रतिनिधि के साथ ऐसा व्यवहार ठीक नहीं है। अंततः एसडीएम बाहर आए और विधायक से ज्ञापन स्वीकार किया।

लखा गांव में धरना 9वें दिन भी जारी

विधायाक भाटी बोले- 'मांगें नहीं मानीं तो ईंट से ईंट बजा देंगे'

जैसलमेर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के लखा गांव में 19 सितंबर को हाइटेंशन तार की चपेट में आने से घायल हुए वीरम सिंह को न्याय दिलाने की मांग को लेकर शुरू हुआ धरना मंगलवार को 9वें दिन भी जारी रहा। इस आंदोलन में शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और साधु-संत शामिल हैं। ये सभी लोग निजी कंपनी और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जता रहे हैं।

भाटी ने धरनास्थल पर लगातार दूसरी रात खाट पर सोकर गुजारी और चेतावनी दी कि यदि मंगलवार तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो कंपनी की सभी साइटों पर काम बंद करवाया जाएगा। उन्होंने कहा

कि जरूरत पड़ी तो कंपनी और प्रशासन की ईंट से ईंट बजा देंगे।

1 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग

19 सितंबर को लखा गांव में एक निजी कंपनी द्वारा हाइटेंशन लाइन बिछाने के दौरान अपर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के कारण वीरम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। वर्तमान में उनका इलाज जोधपुर के एमडीएम हॉस्पिटल में चल रहा है। इस हादसे ने कंपनी की लापरवाही को उजागर किया। जिसके बाद ग्रामीणों में आक्रोश भड़क उठा। ग्रामीणों ने 22 सितंबर से कंपनी के गेट के बाहर धरना शुरू किया था। ग्रामीण 1 करोड़ रुपये मुआवजे और कंपनी के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

लखा गांव में चल रहे धरने में हर दिन लोगों की भीड़ बढ़ रही है। सैकड़ों ग्रामीण, साधु-संत और जनप्रतिनिधि धरनास्थल पर जुटे। महंत रामगिरी, जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, रालोपा नेता थानसिंह डोली जैसे कई प्रमुख लोग आंदोलन को समर्थन दे रहे हैं।

'कंपनी का काम बंद करवाएंगे'

शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने धरनास्थल पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि कंपनी का काम पहले से ही ठप है, लेकिन मंगलवार तक मांगें नहीं मानी गईं तो सभी साइटों पर काम पूरी तरह बंद करवा देंगे। उन्होंने प्रशासन और कंपनी को कड़ी चेतावनी दी कि अगर मांगें अनसुनी रहीं तो आंदोलन और तेज होगा।

बाइक चला रही महिला कांस्टेबल को ट्रेलर ने कुचला

पति को दुकान पर छोड़कर जा रही थी ड्यूटी

जालोर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सांचौर शहर से गुजर रहे क्षतिग्रस्त नेशनल हाइवे-68 पर सड़क हादसे में महिला कांस्टेबल ने जान गंवा दी। महिला कांस्टेबल चूंकी देवी बाइक चलाकर कारोला से कमालपुरा सरहद में अपने पति को एक व्यापारी प्रतिष्ठान पर छोड़कर सांचौर ड्यूटी पर जा रही थी। इसी दौरान हाइवे पर गहरे गड्ढों के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया। पास से गुजर रहे ट्रेलर की चपेट में आने से कांस्टेबल चूंकी बाइक से गिर गई।

हादसे में चूंकी के सिर में गंभीर चोट आई। जिसे नजदीक के निजी अस्पताल ले जाया गया जहां स्थिति गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया। उसने बीच रास्ते दम तोड़ दिया। कांस्टेबल की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया वहीं पुलिस महकमे में भी शोक की लहर छा गई।

इधर महिला कांस्टेबल की एक पोस्ट भी वायरल हो रही जिसमें वह हेलमेट पहनी नजर आ रही। हादसे के दौरान चूंकी ने हेलमेट नहीं पहना था और हादसे में सिर में गंभीर चोट से ही उसकी मौत हुई।

टू-लेन मार्ग पर जगह-जगह हो रहे गड्ढे

नेशनल हाइवे-68 टू-लेन है। बारिश के दौरान पूरा बिखरने के बाद यह क्षतिग्रस्त मार्ग जानलेवा साबित हो रहा है। बाइक से ड्यूटी जा रही महिला पुलिसकर्मी की क्षतिग्रस्त मार्ग पर हादसे में मौत हो गई।

पाकिस्तानी जासूस ने उगले कई राज

आईएसआई के डिप्टी इंचार्ज से था संपर्क, मोबाइल में मिले चौंकाने वाले सबूत

जैसलमेर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान की सीमा के पास बहला गांव से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस हनीफ खान ने पुलिस पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसने भारतीय सुरक्षा बलों की संवेदनशील तस्वीरें और वीडियो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI को भेजा था। खान पर जासूसी का आरोप है और यह खुलासा पुलिस रिमांड के दौरान हुआ।

पुलिस के अनुसार, हनीफ खान को पांच दिन पहले बहला गांव से गिरफ्तार किया गया था। रविवार को उसे जैसलमेर लाया गया, जहां विशेष टीम ने उसकी पहचान और जांच की। इस टीम का नेतृत्व एसपीएस जयपुर के

इंचार्ज इंस्पेक्टर विनोद मीणा ने किया।

व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए भेजा जानकारी

जांच में पता चला कि खान अक्सर 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सेना, एयरफोर्स और बीएसएफ के कैंपों के पास जाता और वहां की गतिविधियों का वीडियो व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए भेजता था। उसने स्वीकार किया कि उसने सेना के काफिले, बीएसएफ और एयरफोर्स के वाहनों, टावरों, सोलर प्रोजेक्ट्स और हवाई गतिविधियों की जानकारी भेजी। उसके मोबाइल फोन से ऐसे वीडियो और प्रमाण भी बरामद हुए हैं।

आईएसआई के डिप्टी इंचार्ज से था संपर्क

खान का संपर्क पाकिस्तान के रहिमयार खान में ISI के डिप्टी इन-चार्ज कर्नल नदीम से था। उसे भारतीय सेना की गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश मिला था। जांच में पता चला कि उसके पास दो सिम कार्ड थे, जिनमें से एक पाकिस्तान और दूसरा यूएई में सक्रिय था।

पुलिस के मुताबिक, खान कई बार पाकिस्तान भी गया था और भारत से उसके और उसके रिश्तेदारों के खाते में रकम जमा की गई। कुछ भुगतान दुकानदारों के जरिए भी किए गए। राजस्थान इंटेलिजेंस के इंस्पेक्टर जनरल विष्णु कांट ने बताया, खान ने नचना, मोहनगढ़ और अन्य जगहों से जानकारी भेजी।

इसके कारण भारतीय सुरक्षा बलों की संचालन गतिविधियों और इन्फ्रास्ट्रक्चर की जानकारी प्रभावित हुई।

फिलहाल, हनीफ खान को चार दिन की पुलिस रिमांड में रखा गया है और जांच जारी है कि उसके जासूसी नेटवर्क का दायरा कितना बड़ा है।

अनियंत्रित गाड़ी ने स्कूटी और बाइक सवार को मारी टक्कर, चार लोगों की मौत

भरतपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले के वैर क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यह एक्सीडेंट जीवद गांव के पास घटित हुआ है। देर शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे को भरतपुर रेफर कर दिया गया है। हादसा उस समय हुआ जब एक अनियंत्रित गाड़ी ने सड़क पर चल रही स्कूटी और मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मुकेश (निवासी डीग) और हेमराज (निवासी मुहारी) सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। अचानक हुई इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण तुरंत मदद के लिए पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

एक ही रात आधा दर्जन घरों में चोरी

लाखों की नकदी और जेवर ले उड़े चोर; ग्रामीणों में आक्रोश

सवाई माधोपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले के मैनपुरा गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से आधा दर्जन घरों को निशाना बनाया। एक साथ कई घरों में हुई इस वारदात से गांव के लोगों में भारी आक्रोश और भय का माहौल है।

खेतों के रास्ते से आए चोर

ग्रामीणों के अनुसार चोर मुख्य रास्ते से न आकर खेतों के रास्ते से गांव में दाखिल हुए। इस दौरान उन्होंने खेतों में लगी तार फेंसिंग तक काट डाली। इसके बाद घरों के ताले तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी कर फरार हो गए। चोरी के दौरान घरों का सामान भी अस्त-व्यस्त कर दिया गया।

चोरों ने आधा दर्जन घरों से लाखों रुपये की नकदी और कीमती जेवरात चोरी किए। वारदात का खुलासा सुबह ग्रामीणों के जागने के बाद हुआ, जब लोगों ने अपने घरों के ताले टूटे और सामान बिखरा हुआ देखा। सूचना मिलने पर सूरवाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया। पुलिस ने ग्रामीणों से बातचीत कर वारदात की जानकारी जुटाई। ग्रामीणों ने अज्ञात चोरों के खिलाफ सूरवाल थाने में मामला दर्ज करवाया है और जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़कर चोरी का सामान बरामद करने की मांग की है।

लॉरेंस गैंग के गुर्गे ने रंगदारी नहीं देने पर कांग्रेस नेता को गोली मारने की दी धमकी

सीकर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। शेखावाटी क्षेत्र में लॉरेंस विश्नोई गैंग का खौफ लगातार बढ़ता जा रहा है। गैंग ने खाटूश्यामजी सहकारी समिति अध्यक्ष एवं कांग्रेस सेवादल के प्रदेश सचिव श्याम सुंदर पूनियां को रंगदानी के लिए धमकियां दी है। लॉरेंस गैंग ने परिवादी से रंगदारी मांगी और चेतावनी दी कि यदि डिमांड पूरी नहीं की गई तो गोली मार दी जाएगी। पीड़ित ने 28 सितंबर को खाटूश्यामजी थाना में मामला दर्ज करवाया है। पीड़ित व उसका परिवार ही भयभती है।

हरी बॉक्सर ने दी गोली मारने की धमकी

परिवादी श्याम सुंदर पूनियां ने एफआईआर में बताया कि 26 सितंबर की सुबह उनके मोबाइल पर दो विदेशी नंबर से कॉल आए थे। पहला फोन उन्होंने अनदेखा कर दिया। इसके बाद करीब सुबह 11:30 बजे दोबारा विदेशी नंबर से फोन आया। फोन उठाने पर सामने वाले शख्स ने खुद को लॉरेंस गैंग का हरि बॉक्सर बताते हुए धमकाना शुरू कर दिया। आरोपी ने उसे कहा उसके घर, दफ्तर और गतिविधियों के बारे में सब कुछ जानता है। पूनियां ने फोन काट दिया, तो आरोपी ने वॉइस नोट और मैसेज में लिखा कि "मेरी डिमांड पूरी नहीं की तो गोली निकाल दूंगा।" पीड़ित श्यामसुंदर ने बताया कि आरोपी रंगदारी की राशि बताता उससे पहले ही उसने फोन काट दिया और दोबारा उसका फोन नहीं उठाया। पीड़ित श्यामसुंदर पूनियां का खाटू में जमीनों का कारोबार और होटल भी है।

27 सितंबर को भी आई धमकी

अगले दिन 27 सितंबर को भी आरोपी का फोन आया, लेकिन पूनियां ने फोन नहीं उठाया। धमकी देने वाले आरोपी ने लिखित मैसेज भेजकर दोबारा से रंगदारी की मांग दोहराई। थाना प्रभारी पवन चौबे ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर कॉल डिटेल्स खंगालेरहे हैं। साइबर टीम विदेशी नंबरों की लोकेशन ट्रेस करने में जुटी है।

फतेहपुर के दो व्यवसाइयों को मिल चुकी रंगदारी की धमकियां

गौरतलब है कि लॉरेंस विश्नोई गैंग के गैंगस्टर व पांच लाख का इनामी बदमाश रोहित गोदारा व उसके गुर्गे राहुल स्वामी उर्फ राहुल रिणाऊ ने फतेहपुर शेखावाटी के दो व्यापारियों को विदेशी नंबरों से रंगदारी की धमकियां दी थी। गैंगस्टर ने 11 सितंबर को व्यवसायी नरेंद्र हुड्डा निवासी गांगियासर को दो करोड़ रुपए की रंगदारी देने की धमकी दी है। 10 सितंबर को फतेहपुर कस्बे के मांडेला ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच के बेटे और व्यवसायी बाबूलाल खूडी व पौते मोहित को फोन कर दो करोड़ की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी नहीं देने पर पीड़ित बाबूलाल खूडी और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी।

स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के भांकरोटा थाना क्षेत्र के मुकुंदपुरा रोड पर स्थित माय ऑन स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद भांकरोटा थाना पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। धमकी के बाद स्कूल परिसर को तत्काल खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू किया गया। हालांकि, तीन दिन की छुट्टियों के कारण स्कूल बंद था और उस समय परिसर में कोई मौजूद नहीं था। प्रारंभिक जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस के अनुसार, धमकी वाला ई-मेल स्कूल प्रशासन को दोपहर में प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही भांकरोटा थाना अधिकारी श्रीनिवास जांगिड़ के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड ने स्कूल के हर कोने की बारीकी से जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला। पुलिस अब धमकी भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह धमकी अफवाह या शरारत भी हो सकती है, लेकिन पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

दलित बस्ती में आग लगाकर बेरहमी से की पिटाई

फायरिंग कर फैलाया था दहशत 16 दोषियों को 7-7 साल की सजा

जोधपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) विशेष अदालत ने एक महत्वपूर्ण फैसले में 16 आरोपियों को सात-सात साल की सजा सुनाई है। ये आरोपी 13 साल पहले ओसियां कस्बे के पास पड़सला गांव में दलित बस्ती पर हमला करने, आगजनी, फायरिंग और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में दोषी पाए गए।

पुलिस ने इस मामले में कुल 19 लोगों के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी, जिनमें से तीन की ट्रायल के दौरान मौत हो गई। शेष 16 आरोपियों को दोषी मानते हुए अदालत ने सजा सुनाई।

विशेष न्यायाधीश गरिमा सौदा ने फैसला सुनाते हुए कहा, सजा हमेशा अपराध की गंभीरता के अनुपात में होनी चाहिए, और यह धर्म, जाति या सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आधार पर तय नहीं हो सकती।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि भूमि विवाद से संबंधित मामला पहले से ही सिविल कोर्ट में लंबित है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

झोपड़ियों को तोड़फोड़ कर लगा दी थी आग

मामला 31 जनवरी 2012 की रात का है। पीड़ित पक्ष ने अपनी शिकायत में बताया कि करीब दो दर्जन लोग तीन वाहनों में आए और उनकी झोपड़ियों को तोड़फोड़ कर आग लगा दी। इस दौरान उन्हें बेरहमी से पीटा गया और फायरिंग भी की गई। आरोपियों ने दलित समुदाय के लोगों पर उनकी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए हमला किया था।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही हुईं भर्तियां : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना के गठन के बाद बेरोजगार युवाओं की यह उम्मीद कि नौकरियां बढ़ेंगी, बीआरएस पार्टी के 10 साल के शासन के दौरान पूरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इन आकांक्षाओं को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली वर्तमान कांग्रेस सरकार की सराहना की जानी चाहिए। एक सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित ग्रुप-1 परीक्षा के माध्यम से चयनित होने वाले स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग में जिला रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त उम्मीदवारों को बधाई दी। उन्होंने याद दिलाया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में ग्रुप-1 की आखिरी अधिसूचना 2011 में जारी की गई थी, और भर्ती 2018 में पूरी हुई थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस सरकार ने ऐतिहासिक रूप से संयुक्त आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों राज्यों में ग्रुप-1 की नियुक्तियों को सुगम बनाया है। वर्तमान सरकार के तहत सुधारों पर प्रकाश डालते हुए, पोंगुलेटी ने कहा कि तेलंगाना सरकार लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी), जो पहले कमजोर था, को पुनर्जीवित किया गया है और पिछले डेढ़ साल में लगभग 60,000 पद भरे गए हैं। उन्होंने बताया कि स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने सेवाओं में सुधार और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए स्लॉट बुकिंग प्रणाली, आधुनिक उप-पंजीयक कार्यालय और व्यापक तकनीक का उपयोग शुरू किया है। मंत्री ने नवनियुक्त जिला पंजीयकों से आग्रह किया कि वे सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें और सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ाएं।

डीजीपी जितेंद्र को विदाई समारोह में सम्मानित किया गया

शिवधर रेड्डी आज तेलंगाना के डीजीपी का पदभार ग्रहण करेंगे

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी जितेंद्र का सेवानिवृत्ति समारोह मंगलवार को तेलंगाना पुलिस अकादमी में धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान, जितेंद्र ने राज्य में साइबर अपराध और नशीली दवाओं से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए लागू किए गए उपायों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग ने रिक्त पदों को सफलतापूर्वक भरा है और मानवीय दृष्टिकोण से कई चुनौतियों का समाधान किया है। उन्होंने पीड़ितों की सहायता के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कानून प्रवर्तन में अपनी 33 वर्षों की सेवा का जिक्र करते हुए, जितेंद्र ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पुलिस के साथ मिले अनुभवों की सराहना की। उन्होंने कहा, पंजाब से आंध्र प्रदेश स्थानांतरण पर, यहां के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिया गया प्रोत्साहन और सहयोग अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक था। अब हम तेलंगाना पुलिस को अपना घर मानते हैं। उन्होंने डीजीपी के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए तेलंगाना सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि पिछले 15 महीनों में, उन्होंने कानून-व्यवस्था को स्थिर करने और पूरे राज्य में अपराध दर को कम करने के लिए कई उपाय लागू किए हैं। जितेंद्र ने बताया कि तेलंगाना पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय पहचान मिली है। उन्होंने कहा, हम नशीले पदार्थों और साइबर अपराध से सक्रिय रूप से निपट रहे हैं। सट्टा माफिया की हमारी गहन जांच के कारण देश भर में कई छापे मारे गए हैं और इसमें शामिल लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जैसा कि इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में बताया गया है, इस मामले में तेलंगाना पहले स्थान पर है। जितेंद्र ने आगे कहा, अपराध सुलझाने में तकनीक अहम भूमिका निभाती है। तेलंगाना के नए डीजीपी शिवधर रेड्डी ने पिछले 14 महीनों में तेलंगाना पुलिस विभाग में उनके योगदान के लिए जितेंद्र को बधाई दी।

चेन्नई में थर्मल प्लांट का 30 फीट ऊंचा स्लैब गिरा

हादसे में 9 मजदूरों की मौत, 1 घायल इनमें ज्यादातर मजदूर असम के

चेन्नई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के चेन्नई में मंगलवार शाम एननोर थर्मल पावर प्लांट की कंस्ट्रक्शन साइट में 30 फीट की ऊंचाई से लोहे का स्लैब का हिस्सा गिरा। इसके नीचे दबने से 9 मजदूरों की मौत हो गई। एक घायल है।

पुलिस के मुताबिक, यहां लोहे का ऊंचा स्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा था, जिसका कुछ हिस्सा नीचे खड़े मजदूरों पर गिर है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। स्लैब किस कारण ढहा इसकी जांच की जा रही है। तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के सचिव और तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन (टैंजेडको) के चेयरमैन डॉ.जे. राधाकृष्णन ने अस्पताल पहुंचकर घायल से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि एननोर थर्मल पावर निर्माण स्थल पर एक स्टील आर्क गिरा। मृतक असम और आसपास से थे। एक व्यक्ति घायल है।

वहीं, पीएम मोदी ने प्लांट हादसे पर दुख जताया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की सहायता दी जाएगी।

बीडीएल में हिंदी माह के अंतर्गत पक्षोत्सव के दूसरे भाग का समापन

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड में 'प्रतियोगिताएं, प्रोत्साहन और प्रचार-प्रसार' संकल्पना के अंतर्गत पूरे एक महीने दो भागों में पक्षोत्सव मनाया गया। समारोह के दौरान उद्यम के सीएमडी कमोडोर ए माधवराव (से.नि.) ने निदेशकगण और उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में नकद पुरस्कार प्रदान कर विजेताओं को सम्मानित किया। राष्ट्रीय राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त होने पर सभी को बधाई दी। 15 से 30 सितंबर के बीच पक्षोत्सव भाग-2 के दौरान बीडीएल पर बनी हिन्दी फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

सागर हरनौल, वरिष्ठ प्रबंधक (अभिकल्पन एवं इंजीनियरी) ने 'लेसर तकनीक का सामरिक दृष्टि से रक्षा क्षेत्र में अनुप्रयोग, चुनौतियां और लाभ' विषय पर व्याख्यान दिया और रक्षा क्षेत्र में वर्तमान में लेजर टेक्नॉलॉजी के प्रयोग और इसकी विशेषताओं से सभी को अवगत कराया। इसी प्रकार दिवाकर दास, सहायक प्रबंधक (सिविल) ने 'भू-राजनीति के बदलते आयाम' जैसे समसामयिक व महत्वपूर्ण विषय पर व्याख्यान दिया। मोहम्मद ताबिश ने ट्रान्सफर ऑफ टेक्नॉलॉजी से बनने वाली मिसाइलों की तकनीक के स्वदेशीकरण पर विस्तार से जानकारी दी। समापन कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक (राजभाषा) होमनिधि शर्मा ने 'राजभाषा कार्यान्वयन का उद्यम की कारोबारी प्रगति में योगदान और इसकी भावी कार्य योजना' विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरसिंहम शिवकोटी, उप प्रबंधक (राजभाषा) ने किया जबकि राजभाषा विभाग के राजभाषा अधिकारी अंकित सिंह और मनोहर नाईक, मुख्य कार्यालय अधीक्षक का सक्रिय योगदान रहा।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपने कार्यकाल में समर्पण और निष्ठा के साथ सेवा की : आयुक्त

जीएचएमसी के 19 सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विदाई

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि जीएचएमसी की प्रगति में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं अमूल्य हैं। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने मंगलवार शाम जीएचएमसी मुख्यालय में विभिन्न रैंकों के 19 सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्हें शॉल और फूल मालाओं से सम्मानित किया गया और उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपने कार्यकाल में अत्यंत समर्पण और निष्ठा के साथ सेवा की है। उन्होंने कहा कि उनकी कड़ी मेहनत और दी गई सेवाएं उनके साथी कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन में एक नए अध्याय की तरह है और उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपने परिवार के साथ समय बिताने, अपनी रुचियों को प्राथमिकता देने और स्वस्थ एवं सुखी जीवन जीने की सलाह दी। उन्होंने उनके दीर्घायु और सुखी जीवन की कामना की।

जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती और अपूर्व चौहान, अतिरिक्त कमिश्नर के वेणुगोपाल, पीआरओ ममिडला दशरथम और एएमसी सारधा ने भाग लिया। इसी क्रम में सात्विक नायक को डिप्टी कलेक्टर नियुक्त किए जाने पर सम्मानित किया गया। सात्विक नायक, जो जीएचएमसी में कनिष्ठ सहायक के रूप में कार्यरत थे और डिप्टी कलेक्टर के रूप में चयनित हुए है।

अतिरिक्त आयुक्त के. वेणुगोपाल, जनसंपर्क अधिकारी ममिडला दशरथम, जीएचएमसी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जीएचएमसी मुख्यालय में उनका अभिनंदन किया। अतिरिक्त आयुक्त ने कहा कि सात्विक नायक का सफर प्रेरणादायक है।

बीआईएस द्वारा डिस्कॉम अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय ने केंद्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (सीपीटीआई), हैदराबाद में तेलंगाना राज्य के डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कुल 46 अधिकारियों ने भाग लिया, जो अत्यधिक संवादात्मक रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिस्कॉम संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर विस्तृत सत्र शामिल थे, जिसमें विद्युत वितरण क्षेत्र से संबंधित भारतीय मानकों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

पहले दिन के सत्रों में शामिल थे : बीआईएस और उसकी गतिविधियों का अवलोकन, विद्युत वितरण- ओवरहेड कंडक्टर, वितरण प्रणालियों के लिए भूमिगत केबल, वितरण ट्रांसफार्मर- प्रकार, चयन और परीक्षण, जिसके बाद एक खुली चर्चा हुई।

दूसरे दिन के सत्रों में शामिल थे : एरियल बंच्ड केबल, इंसुलेटर का चयन और आयाम निर्धारण, वितरण ट्रांसफार्मर- चयन, स्थापना और रखरखाव, खनिज इंसुलेटिंग तेल- पर्यवेक्षण और रखरखाव और वितरण ट्रांसफार्मर की मरम्मत, जिसके बाद एक खुली चर्चा और धन्यवाद ज्ञापन हुआ।

एच. राजेश कुमार को पी.एचडी

संगारेड्डी, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ प्राध्यापक एवं वक्ता एच. राजेश कुमार को उस्मानिया विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा " इक्कीसवीं सदी के हिन्दी के मुस्लिम कहानीकारों की कहानियों में युग चेतना " शोध प्रबंध पर पी.एचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शीला मिश्र के निर्देशन में अपना शोध कार्य संपन्न किया। संप्रति एच. राजेश कुमार सरकारी महिला महाविद्यालय, संगारेड्डी में हिन्दी विभागाध्यक्ष है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. के अरुणा बाई, उस्मानिया विश्वविद्यालय की हिन्दी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर मायादेवी, हिन्दी पाठ्यक्रम अध्यक्ष भाषा संकाय डॉ. संगीता व्यास, प्राध्यापक डॉ. अजय कुमार, डॉ. रेखा शर्मा, प्रो दुर्गेश नंदिनी, डॉ. जय किशन तथा बीजआर कॉलेज के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. जे.गंगाधर ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

सुल्तानाबाद में बाइक टकराने से दो की मौत

पेद्दापल्ली, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तानाबाद मंडल के सुद्धाला के पास मंगलवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हादसा तब हुआ जब विपरीत दिशाओं से आ रही दो बाइकें आपस में टकरा गईं। इस घटना में अभि और राकेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को गंभीर चोटें आईं। मृतक सुल्तानाबाद के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल भेजा और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नागाराम स्थित गुरु कृपा सदन में नवरात्रि महोत्सव, दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर कन्या पूजन कार्यक्रम मे उपस्थित आयोजक धार्मिक सेवा समिति की किरनकंवर सोलंकी, प्रियंका, नेहा, क्रिशिका, मानवी, भाग्यश्री, कीर्ती, संजना, सोनू व जयश्री।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा दुर्गा पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा 41वां दुर्गापूजा का आयोजन इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में किया जा रहा है। इस मौके पर मल्काजगिरी के विधायक एम राजशेखर रेड्डी, बिआरएस नैशनल महासचिव हिमांशु तिवारी, गौतम नगर कॉरपोरेटर रामु यादव, विनायक नगर विनायक नगर कॉरपोरेटर राजलक्ष्मी, मल्काजगिरी पार्षद सरवन कुमार, नंदी काटी श्रीधर बाबू, भाजपा लीडर वेंकट, महेश, अजय, नॉर्थ पीपल्स संगठन के अध्यक्ष राजनारायन सिंह, पप्पू सिंह, धनंजय सिंह श्याम मोहन यादव, सचिन सिंह विरेंद्र सिंह, हरि सिंह सहित बडी संख्या में लोगों ने पूजा में भाग लिया। महासचिव सागर भगत, प्रोग्राम इंचार्ज मनोज यादव, हरिश यादव, अनील ठाकुर, पंकज यादव, आनंद गुप्ता बिकाश, लल्लन मिश्रा, बिनोद, उतम यादव, हरे राम यादव, शिव कुमार, बिनोद गुप्ता, अडागुटा मनोज यादव, जैत यादव, शुशील कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया गया। बिहार महिला एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत बच्चों और बच्चियों को प्रोग्राम आकर्षण का केंद्र रहा।

महाकाल मंदिर उज्जैन के पुजारी का सम्मान

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोईनपल्ली भावना कॉलोनी स्थित प्रथम रेसीडेंसी में उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर के वरिष्ठ भस्म आरती पुजारी एवं अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य महेश गुरु एवं राहुल पुजारी, जितेंद्र पुजारी का यहां पहुंचने पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महेश गुरु एवं अन्य का सम्मान करते हुए एएमसी के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार मेंबर ए. गौतम जैन, जी. विनय सिंह जैन, पदमचंद बाफना, अजय नाहटा, गौरव नाहटा, प्रथम जैन आदि ने सम्मान किया। गौरव जैन, राखी लोढ़ा, चंदना नाहटा, पुष्पा बाफना, निर्मला देवी, सुरभि जैन, तरुणी नाहटा ने भी सम्मान किया।

सीरवी समाज, कोरेमुला बड़ेर द्वारा आयोजित नवरात्रि महोत्सव का समापन हवन यज्ञ एवं पूर्णाहुति के साथ हुआ। अवसर पर उपस्थित संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालूराम काग, सचिव डायाराम लवेटा, सह सचिव राजाराम गेहलोत, अमराराम राठौड़, पं. बाबूलाल शर्मा व अन्य।

बेगमपेट हवाईअड्डा में हिंदी पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद हवाई अड्डा के महाप्रबंधक समन्वय प्रभारी अर्चित कुमार दत्त ने हिंदी के महत्ता को रेखांकित करते हुए बताया कि आजादी के आंदोलन में हिंदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। राष्ट्रीय एकता व अखंडता को अक्षुण रखने में हिंदी का कार्य प्रशंसनीय रहा है। अधिकारियों को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने का प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. भगवान गव्हाडे, प्रोफेसर, हैदराबाद केंद्रीय विश्व विद्यालय ने भारतीय भाषाओं पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया। श्री गव्हाडे ने हवाई अड्डे मे जारी राजभाषा कार्यों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के दौरान राजभाषा कर्मी शुक्ला उपेंद्र कुमार ने हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की जानकारी दी इस दौरान टिप्पण, अंत्याक्षरी, वाद-विवाद, प्रश्नमंच, चित्र अभिव्यक्ति तथा हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अपूर्व जैन नोडल राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विजेताओं को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

अवसर पर गोपाकुमार महाप्रबंधक (एटीसी) श्रीमती प्रिसिल्ला प्रिया, संयुक्त महाप्रबंधक मानव संसाधन ने अपने विचार प्रस्तुत किए सुश्री नीता सुरेश, संयुक्त महाप्रबंधक, सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला संपन्न हुआ।

सिकंदराबाद स्थित श्री गुजराती सेवा मंडल संचालित गुजराती स्कूल में लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल,रिद्धीश जागीरदार, जसभाई पटेल, मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट, श्री गुजराती ब्राह्मण समाज अध्यक्ष तरूण महेता, विष्णुभाई पटेल, नरेन्द्र कोटक, अजय ओझा, कौशिक पटेल, दिनेश लालगुरू, दिनेश नीलकंठ, जितेश जानी, हरीश दवे, रमेश गांधी, भूपेन्द्र पटेल आदि द्वारा आई लव गौमाता अभियान संबंधी प्रचार प्रसार सामग्री का विमोचन किया गया।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर चारमीनार, हैदराबाद में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मंगलवार को अष्टमी पर लक्ष्मी प्राप्ति हवन किया गया। इस दौरान भारी संख्या में लोगों ने भाग्यलक्ष्मी माता का दर्शन-पूजन किया।

केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान में हिंदी पखवाड़ा

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भा.कृ.अनु.प. केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, संतोषनगर में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। बाबुल कुमार सिन्हा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा राजभाषा अधिकारी की अध्यक्षता में संस्थान के कर्मचारियों के लिए पखवाड़े के दौरान कई हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। प्रतियोगिताओं में प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, टिप्पण-आलेखन, गायन, भाषण, प्रशासनिक अनुवाद और वैज्ञानिक अनुवाद शामिल थे। संस्थान के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पखवाड़े का समापन समारोह 30 सितंबर को आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह मुख्य अतिथि थे। डॉ. सिंह ने अपने संबोधन में, आधिकारिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग में संस्थान के कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने 43 प्रतियोगिता विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आरसीबी बिकने वाली है? ललित मोदी ने आईपीएल 2025 की चैंपियन टीम को लेकर दिया बड़ा अपडेट

बेंगलुरु, 30 सितंबर (एजेंसियां)। क्या रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बिकने वाली है? ये सवाल इसलिए क्योंकि आईपीएल शुरू करने में जिन ललित मोदी का बड़ा हाथ रहा है, उन्होंने इसे लेकर बड़ा अपडेट दिया है. उन्होंने जो संकेत छोड़े हैं, उससे ऐसा लग रहा है कि आईपीएल 2025 की ये चैंपियन टीम अब अपने नए मालिक के तलाश में हैं. ललित मोदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए इस बारे में जानकारी दी है. इतना ही नहीं उन्होंने ये भी कहा है कि इस फ्रेंचाइजी में अभी निवेश करना नए निवेशकों के लिए क्यों फायदे का सौदा या बेहतर मौका हो सकता है?

ललित मोदी ने आरसीबी पर दिया अपडेट

ललित मोदी ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि पहले तो आरसीबी के बिकने को लेकर बस अफवाहें थीं लेकिन अब लगता है कि मालिकों ने आरसीबी को अपनी बैलेंस शीट से हटाकर बेचने का फ़ैसला कर लिया है. उन्होंने आगे लिखा कि मुझे पूरा भरोसा है कि ये टीम बिकने के लिए एक फ्रेंचाइजी के तौर पर पूरी तरह से उपलब्ध होगी. और, इसमें कोई बड़ा ग्लोबल फंड या सॉवरेन फंड निवेश कर सकता है. उन्होंने कहा कि इससे बेहतर निवेश का कोई और मौका नहीं हो सकता. जो भी आरसीबी को खरीदेगा, उसे मेरी शुभकामनाएं रहेंगी.

ललित मोदी ने आगे कहा कि आरसीबी मूल्यांकन का नया रिकॉर्ड बना सकती है, जो दिखाएगा कि आईपीएल न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली ग्लोबल स्पोर्टिंग ली है. बल्कि सबसे मूल्यवान भी है.

गुजरात टाइटंस के बाद अब आरसीबी भी बिकेगी?

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अगर बिकती है, जिसके संकेत ललित मोदी ने दिए हैं, तो ये बिकने वाली पहली फ्रेंचाइजी नहीं होगी. इससे पहले गुजरात टाइटंस को भी पिछले सीजन से पहले उसका नया मालिक मिला था. गुजरात टाइटंस को टॉरेंट ग्रुप ने खरीदा था. बहरहाल, आरसीबपी अगर बिक्री की ओर बढ़ती है, उस पर कौन दांव लगाता है, ये देखना दिलचस्प रहेगा.

आईपीएल में आरसीबी सिर्फ मौजूदा चैंपियन टीम ही नहीं है. बल्कि, ये एक ऐसी फ्रेंचाइजी है, जिससे गेल, डिविलियर्स, विराट कोहली जैसे बड़े सितारे खेल चुके हैं. विराट कोहली शुरू से ही इस फ्रेंचाइजी से जुड़े हैं.

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 के लिए आवेदन शुरू

खेल जगत के लिए बड़ा मौका

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने 2025 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय ने सभी पात्र खिलाड़ियों, कोचों और खेल संस्थाओं को आवेदन करने का अवसर दिया है। यह पुरस्कार भारत में खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है।

आवेदन प्रक्रिया

आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को मंत्रालय द्वारा उपलब्ध डेडिकेटेड पोर्टल www.dbtyas-sports.gov.in पर जाकर फॉर्म भरना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 28 अक्तूबर 2025, रात 11:59 बजे है।

पुरस्कार की श्रेणियां

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 में चार प्रमुख श्रेणियां शामिल हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को सम्मानित करना है, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना भी है।

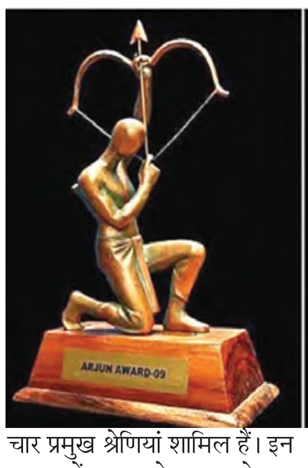

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कारः खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और उत्कृष्ट योगदान के लिए।

अर्जुन पुरस्कारः खेल में उल्लेखनीय प्रदर्शन और लगातार उत्कृष्टता दिखाने वाले खिलाड़ियों के लिए।

द्रोणाचार्य पुरस्कारः खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और कोचिंग में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कोचों के लिए।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कारः खेल संस्थाओं और कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए।

मंत्रालय की अपील

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि योग्य व्यक्तियों और संस्थाओं को जल्द से जल्द आवेदन करने का अनुरोध किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी और सभी विवरण पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

खेल जगत के लिए अवसर

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025, खिलाड़ियों और कोचों के लिए प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है। यह उनके करियर और उपलब्धियों को मान्यता देने का एक बड़ा अवसर है। पिछले वर्षों में इन पुरस्कारों ने कई खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय ख्याती दिलाई और उन्हें और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

एशिया कप जीतकर टीम इंडिया मुंबई पहुंची

एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत, सूर्या बोले- पाकिस्तान को जवाब देना जरूरी था

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप जीतने के बाद भारत की टीम सोमवार रात मुंबई एयरपोर्ट पहुंची। यहां टीम का जोरदार स्वागत किया गया। टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया। टीम इंडिया ने पीसीबी-एसीसी चीफ मोहसिन नकवी का बायकॉट किया और उनसे ट्रॉफी लेने से मना कर दिया। ट्रॉफी विवाद पर कप्तान सूर्या ने कहा- पाकिस्तान को जवाब देना जरूरी था।

उन्होंने आगे कहा- 'मेरा और गंभीर का रिश्ता भाई जैसा है। गंभीर भाई जो भी इशारा करते हैं, मैं बिना सोचे वही करता हूं।'

35 साल के सूर्या ने एशिया कप जीतने के बाद कोच के साथ अपने तालमेल पर बात की। दोनों के बीच का जुड़ाव 2012 के समय का है। जब गंभीर ने 2012 में कोलकाता नाइट राइडर्स को पहला आईपीएल टाइटल जिताया था, तब सूर्या वाइस कैप्टन थे।

स्पोर्ट्स वेबसाइट रेव स्पोर्ट्स के बोरिया मजूमदार से बात करते हुए भारतीय कप्तान ने कहा- 'हम दोनों के बीच भरोसे का स्तर बहुत बड़ा है।' सूर्या ने ट्रॉफी विवाद और फाइनल मैच से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए।

भारतीय कप्तान ने कोच से तालमेल पर कहा-

मेरा और गौती भाई (गंभीर) का रिश्ता छोटे और बड़े भाई जैसा है। गंभीर भाई जो भी इशारा करते हैं, मैं बिना सोचे वही करता हूं। हमारे बीच भरोसे का लेवल बहुत बड़ा है। हम एक-दूसरे को करीब से जानते हैं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा।

सूर्या ने माना कि उन्होंने केकेआर के दिनों में गंभीर से इस खेल की बारीकियां सीखी थीं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए सूर्या ने कहा- मैंने रोहित (शर्मा) की कप्तानी में खेला है, लेकिन केकेआर में खेलते समय मैंने उनसे (गंभीर) खेल की कई बारीकियां सीखी हैं। वो सब कुछ झेल चुके हैं, इसलिए जानते हैं खिलाड़ी के दिमाग में क्या चल रहा है। कैसे टूर्नामेंट की तैयारी करनी है, खिलाड़ी को आगे कैसे बढ़ाना है और उसे कैसे डिफेंड करना है।'

जब भी मैं डगआउट की ओर देखता हूं और वो वहां होते हैं, तो उनके पास मेरे लिए कुछ न कुछ निर्देश होता है, क्योंकि बाहर से खेल बिल्कुल अलग दिखता है। मैदान पर मेरे दिमाग में बहुत सारी बातें रहती हैं, फील्ड प्लेसमेंट, किसे गेंदबाजी करनी है वगैरह। हर एक-दो ओवर में मैं उनकी ओर देखता हूं और वो जो भी इशारा करते हैं, मैं बिना सोचे मान लेता हूं। यही हमारे बीच का भरोसा है।'

टीम ने हार्दिक पंडया को फाइनल में मिस किया

सूर्यकुमार ने बताया- 'भारतीय टीम ने फाइनल में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को मिस किया।' फाइनल मैच में हार्दिक चोट के कारण नहीं खेल सके थे। उनकी जगह रिंकू सिंह को खिलाया गया था।

सूर्या ने एशिया कप की ट्रॉफी नहीं मिलने पर कहा-

मैं इसे विवाद नहीं कहूंगा। अगर आपने देखा होगा, तो लोगों ने ट्रॉफी की तस्वीरें यहां-वहां पोस्ट की हैं, लेकिन असली ट्रॉफी तब होती है जब आप लोगों का दिल जीतते हैं, खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, उन्होंने जो भरोसा दिखाया है, जो लोग पर्दे के पीछे काम करते हैं, वही असली ट्रॉफी है। असली ट्रॉफी मैदान पर इतने सारे लोगों का काम और प्रयास है।

यह बहुत अच्छा एहसास था। जब आप कोई टूर्नामेंट अजेय जीतते हैं, तो आपको बहुत अच्छा लगता है। यह पूरी टीम और पूरे देश के लिए बहुत अच्छा एहसास था और बहुत मजा आया। हम कल रात एकसाथ आए और बैठे और हमने खूब मजे किए...।

इससे पहले, सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट की मैच फीस पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और आर्म्ड फोर्सेस को दान करने की बात कही थी।

टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे हार्दिक पंड्या, एशिया कप में लगी चोट के चलते बाहर!

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा अगले महीने से शुरू हो रहा है. व्हाइट बॉल क्रिकेट सीरीज के लिए होने वाले इस दौरे पर हार्दिक पंड्या भारतीय टीम का अहम हथियार होते. लेकिन, अब लगता है कि उन्हें इस दौरे से बाहर रहना पड़ेगा. टीम इंडिया को उनके बगैर ही ऑस्ट्रेलिया जाना होगा. ऐसी रिपोर्ट है कि भारतीय ऑलराउंडर अपनी चोट से उबरे नहीं है. इसी चोट के चलते वो एशिया कप 2025 के फाइनल में भी नहीं खेल पाए थे.

पंड्या को चोट, ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर?

हार्दिक पंड्या की चोट श्रीलंका के खिलाफ सुपर-4 के आखिरी मैच में सामने आई थी. उनको लेफ्ट क्वाड्रिसेप्स इंजरी बताई जा रही है. ये इंजरी जांघ की मांसपेशियों से संबंधित है. एशिया कप में कमेंट्री कर रहे रवि शास्त्री ने पंड्या की इस इंजरी के बारे में जानकारी दी है.

व्हाइट बॉल सीरीज के लिए भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होकर 8 नवंबर तक चलेगा. बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक पंड्या को मौजूदा इंजरी से उबरने में 4 हफ्ते लग सकते हैं. यानी, भले ही वो टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शुरू में नहीं जाएं, लेकिन वहां आखिर में कुछ टी20 मुकाबलों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं. हालांकि, इस पर भी अंतिम फैसला बीसीसीआई की मेडिकल टीम की जांच के बाद ही लिया जा सकता है.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ऐसा रहेगा भारत का शेड्यूल

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले वनडे सीरीज खेलनी है, जिसके मुकाबले 19 अक्टूबर, 23 अक्टूबर और 25 अक्टूबर को खेले जाएंगे. 3 वनडे की सीरीज के बाद 29 अक्टूबर से 5 टी20आई मैंचों की सीरीज शुरू होगी. इसके मुकाबले 8 नवंबर तक खेले जाने हैं. पहला टी20 29 अक्टूबर को केलने के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया 31 अक्टूबर को दूसरा टी20, 2 नवंबर को तीसरा टी20, 6 नवंबर को चौथा और 8 नवंबर को 5वां टी20 खेलेंगे. वनडे मुकाबले पर्थ, एडिलेड और सिडनी में होंगे जबकि टी20 सीरीज के मैच कैनबरा, मेलबर्न, होबार्ट , गोल्ड कोस्ट और ब्रिसबेन में खेले जाएंगे.

मोहसिन नकवी का ट्रॉफी लौटाने का नहीं है इरादा?

भारतीय टीम के सामने रख दी कभी ना पूरी होने वाली शर्त!

दुबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी. भारतीय टीम के प्लेयर्स ने क्लियर कर दिया था कि वो मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे. नकवी ने काफी समय इंतजार किया लेकिन टीम इंडिया के प्लेयर्स ट्रॉफी लेने नहीं गए. नकवी अपने साथ कप ले गए और अभी तक टीम इंडिया को एशिया कप का खिताब नहीं मिला है. खबरों की मानें, तो नकवी अब टीम इंडिया को ट्रॉफी लौटाने के लिए तैयार हो गए हैं लेकिन उन्होंने सामने एक बड़ी शर्त रख दी है जो शायद कभी पूरी नहीं होगी.

मोहसिन नकवी ने टीम इंडिया के सामने रखी शर्त

क्रिकबज ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मोहसिन नकवी ट्रॉफी और मेडल लौटाने के लिए तैयार हैं लेकिन उन्होंने एक शर्त रखी है. वो चाहते हैं कि एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाए और उन्हें टीम इंडिया का मेडल एवं ट्रॉफी के साथ सम्मान करने का मौका मिले. नकवी मान तो गए हैं लेकिन उन्होंने शर्त ऐसी रख दी है, जिससे लग रहा है कि उनका ट्रॉफी लौटाने का कोई इरादा नहीं है. बीसीसीआई के लिए ये मांग पूरी करना नामुमकिन सा है. भारतीय टीम के प्लेयर्स ने पहले मना कर दिया था और अब अगर वो नकवी की शर्त मान जाएंगे, तो फैंस को शायद ये बात पसंद नहीं आएगी.

नकवी नहीं चाहते कि कोई और ट्रॉफी दे

मोहसिन नकवी के सामने प्लान बी रखा गया था. रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड और एसीसी ऑफिशियल्स ने अपने विचार रखे थे. उन्होंने प्रस्ताव दिया था कि ईसीबी चेयरमैन खालिद अल जरूनी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम भारतीय खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी दे सकते हैं. नकवी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया. बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पहले ही एक इंटरव्यू में क्लियर कर दिया था कि नवंबर में होने वाली आईसीसी मीटिंग में बीसीसीआई नकवी की हरकतों का कड़ा विरोध करेगा. लग रहा है कि ट्रॉफी को लेकर ये विवाद लंबा चलने वाला है.

नेपाल ने वेस्टइंडीज को 90 रन से हराया

टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ पहली बार सीरीज अपने नाम की

शारजाह, 30 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल ने शारजाह में खेले गए दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 90 रन से हरा दिया। टीम इसी के साथ तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। नेपाल ने पहला मुकाबला 19 रन से जीता था।

पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 6 विकेट पर 173 रन बनाए, जबकि वेस्टइंडीज की टीम 17.1 ओवर में सिर्फ 83 रन ही बना सकी।

यह पहली बार है जब नेपाल ने किसी टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ किसी भी फॉर्मेट में सीरीज जीती है। इससे पहले 2014 में नेपाल ने अफगानिस्तान को हराया था, लेकिन उस समय अफगानिस्तान एसोसिएट सदस्य था।

वेस्टइंडीज की पारी 83 रनों पर सिमटी

174 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल के खिलाफ विंडीज 83 रन पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज की शुरुआत ही खराब रही। पावरप्ले में वे केवल 16/2 रन बना सके। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने ज्वेल एंड्रयू (2) को बोल्ड किया, जबकि कुशाल भुर्तेल ने शानदार कैच लेकर कीसी कार्टी (1) को पवेलियन भेजा। जेसन होल्डर (15 गेंदों में 21) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज सहज नहीं दिखा। होल्डर को 17वें ओवर में ललित राजबंशी ने आउट किया, जब गुलसन झा ने दिन का दूसरा शानदार कैच लिया। आखिरी विकेट जिशान मोराटा का रहा, जिन्हें करण केसी ने कैच आउट करवाया।

नेपाल के मध्यम तेज गेंदबाज मोहम्मद आदिल आलम 24 रन देकर 4 विकेट लिया और कुशाल भुर्तेल ने 2.1 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिए।

आसिफ-सुंदीप ने नेपाल के लिए 100 रन की साझेदारी की

इससे नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 173 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। पारी के पहले 10 ओवर में नेपाल ने एक भी छक्का नहीं लगाया। नेपाल का तीन विकेट 74 रन गिर गया था। सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख और सुंदीप जोरा ने अगले 10 ओवरों में दोनों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और 66 गेंदों पर चौथे विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की।

जोरा ने 39 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें पांच छक्के शामिल थे। आसिफ शेख 47 गेंदों में 68 रन बनाकर नाबाद रहे। मोहम्मद आदिल आलम ने 5 गेंदों में 11 रनों की तेज पारी खेली, जो तीन साल बाद उनकी वापसी का पहला मैच था। वेस्टइंडीज की ओर से स्पिनर अकील हुसैन और काइल मेयर्स ने दो-दो विकेट लिए।

हैदराबाद पहुंचते ही तिलक वर्मा को फैंस ने घेरा

पाकिस्तान को हराने के बाद देश ने बनाया हीरो

हैदराबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 69 रनों की मैच जिताऊ नाबाद पारी खेलकर भारत को रिकॉर्ड नौवीं बार खिताब दिलाने वाले युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा का सोमवार को उनके होमटाउन हैदराबाद के शमशाबाद हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत हुआ। फैंस की भारी भीड़ ने उन्हें घेर लिया और उनके नाम के नारे लगाए। तेलंगाना स्पोर्ट्स अथॉरिटी के चेयरमैन शिवसेना रेड्डी और मैनेजिंग डायरेक्टर सोनी बाला देवी ने भी तिलक को सम्मानित किया।

तिलक वर्मा के होमटाउन लौटने पर माहौल किसी जश्न से कम नहीं था। जैसे ही वह हवाई अड्डे से बाहर निकले, फैंस की भारी भीड़ जमा हो गई। एक वायरल वीडियो में, तिलक वर्मा को अपनी कार की सनरूफ से हाथ हिलाकर फैंस का अभिवादन करते देखा गया। यह स्वागत उनकी फाइनल की शानदार पारी को मिली पहचान थी।

तिलक के बड़े भाई तरुण वर्मा ने हवाई अड्डे पर मीडिया से बात की और अपने भाई के प्रदर्शन पर खुशी जताई। तरुण ने कहा, 'उसने बहुत अच्छा खेला। फाइनल में ऐसा प्रदर्शन करना मुश्किल होता है, पर उसने कर दिखाया। जब वह बल्लेबाजी कर रहा था, तो थोड़ा दबाव था, पर उसने कहा कि वह इसे संभाल सकता है। हर कोई बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहा है।'

फाइनल मैच में भारत ने जल्दी विकेट गंवा दिए थे। जब तिलक बल्लेबाजी के लिए आए, तो टीम मुश्किल में थी। ऐसे में पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उन पर दबाव बनाने के लिए काफी कुछ कहा। हालांकि, तिलक ने इसे प्रेरणा के तौर पर लिया। शिवम दुबे से बातचीत में तिलक ने बताया, 'मैं चाहता था कि मेरा बल्ला बात करे। वे बहुत कुछ कह रहे थे। मैं बस अपने बल्ले से जवाब देना चाहता था। अब वे मैदान पर कहीं नहीं दिख रहे हैं।'

ग्लेन मैक्सवेल का खेलते हुए हाथ टूटा

न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर, भारत के खिलाफ भी नहीं खेलेंगे?

मेलबोर्न, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ग्लेन मैक्सवेल को हैरतअंगेज तरीके से लगी चोट ने ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलों को डबल कर दिया है. इस चोट के चलते 36 साल के ऑलराउंडर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से तो बाहर हो ही गए हैं. उसके बाद होने वाली भारत के खिलाफ सीरीज में भी उनके खेलने के आसार अब कम लग रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया की टीम इस वक्त न्यूजीलैंड के दौरे पर है, जहां उसे 1 अक्टूबर से टी20 सीरीज खेलनी है. लेकिन, उससे पहले ही ग्लेन मैक्सवेल चोटिल हो गए हैं. 36 साल के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर के चोटों का वैसे पुराना इतिहास है. लेकिन, ताजातरीन चोट उन्हें न्यूजीलैंड में नेट्स प्रैक्टिस के दौरान लगी.

अब सवाल है कि ग्लेन मैक्सवेल को नेट्स पर चोट लगी कैसे? उन्हें चोट लगने का तरीका भी हैरतअंगेज रहा. ऐसा तब हुआ जब वो नेट्स पर मिचेल ओवन को गेंद डाल रहे थे. उनकी एक बॉल पर मिचेल ओवन ने शॉट मारा, जो कि सीधा उनके हाथ के नीचले हिस्से पर जाकर लगा. चोट के बाद उनका स्कैन हुआ, जिसमें फ्रैक्चर पाया गया. रिपोर्ट के बाद ऑस्ट्रेलियाई सेलेक्टर्स ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 T20 की सीरीज से बाहर रखने का फैसला किया और उनकी जगह जोश फिलिप को मौका दिया.

पाकिस्तानी खिलाड़ी अब विदेशी टी-20 लीग नहीं खेल सकेंगे

एशिया कप फाइनल हारने के एक दिन बाद पीसीबी का फैसला

खेल डेस्क, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने विदेशी टी-20 लीग में खेलने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ियों के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट सस्पेंड कर दिए हैं। बोर्ड ने यह फैसला एशिया कप फाइनल के एक दिन बाद लिया। बोर्ड ने इस फैसले का कारण नहीं बताया है।

क्रिकइंफो के मुताबिक, बोर्ड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुमैर अहमद सैयद ने 29 सितंबर को एक नोटिस भेजकर खिलाड़ियों और एजेंट्स को इस फैसले की जानकारी दी। नोटिस में लिखा था, पीसीब चीफ के अनुसार लीग और अन्य विदेशी टूर्नामेंटों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के सभी NOC अगले आदेश तक सस्पेंड कर दिए गए हैं।

एशिया कप का फाइनल 28 सितंबर को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया। इसमें टीम इंडिया ने पाक को 5 विकेट से हराया। यह इस टूर्नामेंट में भारत की पाकिस्तान पर लगातार तीसरी जीत थी।

एनओसी सस्पेंड होने से पाकिस्तान के कई क्रिकेटर को नुकसान होगा। इनमें बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान, फहीम अशरफ और शादाब खान शामिल हैं। यह खिलाड़ी इस साल ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने वाले थे।

इसके अलावा हारिस रऊफ और अन्य खिलाड़ी भी आईएलटी 20 जैसी फ्रेंचाइजी लीग में जाने वाले थे। आईएलटी 20 का 1 अक्टूबर को यूएई में ऑक्शन होगा। इसके लिए 18 पाकिस्तानी खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट हुए हैं।

ग्लोबल टी-20 लीग में नहीं खेल सकेंगे पाकिस्तान के खिलाड़ी

पाकिस्तानी खिलाड़ी कनाडा टी-20 लीग में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे। PCB ने एक महीने पहले ग्लोबल टी-20 कनाडा लीग में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के एनओसी पर रोक लगा दी थी।

इससे पहले, एशिया कप के दौरान पाक बोर्ड ने एक और बड़ा एक्शन लिया था। हैंडशेक विवाद के बाद पीसीब ने टीम मैनेजर उस्मान वाहला को निलंबित कर दिया था। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मोहसिन नकवी के नेतृत्व वाले बोर्ड ने भारत-पाकिस्तान मुकाबले में हाथ मिलाने के विवाद पर समय पर कार्रवाई न करने के लिए वाहला के खिलाफ कार्रवाई की थी।

'जन कल्याणकारी पुलिसिंग' को सर्वोच्च प्राथमिकता : वी.सी. सज्जनार

हैदराबाद शहर के नए पुलिस आयुक्त ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वी.सी. सज्जनार ने मंगलवार को हैदराबाद शहर के नए पुलिस आयुक्त के रूप में औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। वे बंजारा हिल्स स्थित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) पहुंचे और सर्वधर्म प्रार्थनाओं के बीच कार्यभार संभाला।

बाद में, मीडिया को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त, हैदराबाद वी.सी. सज्जनार ने घोषणा की कि शहर में 'जन कल्याणकारी पुलिसिंग' सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

सीपी ने आज जोर देकर कहा कि फोन टैपिंग मामले की समीक्षा की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह नया दृष्टिकोण हैदराबाद के नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने में अत्यंत सहायक होगा। इस मॉडल के अंतर्गत, मुख्य क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, यातायात और सड़क सुरक्षा, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, एआई-आधारित तकनीक को अपनाना, साइबर और वित्तीय अपराधों की रोकथाम, चौबीसों घंटे नागरिक सेवाएं और पुलिस कर्मियों का कल्याण शामिल होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रहे नशीले पदार्थों के खतरे से सख्ती से निपटा जाएगा।

नशीले पदार्थों से संबंधित पिछले मामलों की गहन समीक्षा की जाएगी, उनके मूल नेटवर्क का पता लगाया जाएगा और सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि एच-न्यू टीम को और मजबूत किया जाएगा और शहर भर में 'नशे को न कहें' जैसे जागरूकता अभियान तेज किए जाएंगे। साइबर अपराधों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाने वाले अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने 'डिजिटल गिरफ्तारी' और शेयर बाजार धोखाधड़ी जैसे घोटालों पर प्रकाश डाला। इन खतरों से निपटने के लिए, कॉलोनियों, अपार्टमेंट और बस्तियों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयुक्त ने खाद्य पदार्थों में मिलावट को स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर ख़तरा बताया और ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के ख़िलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया। शहर में यातायात की समस्याएं दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही हैं। जीएसटी में कमी के साथ, वाहनों की संख्या में वृद्धि हुई है। हम यातायात संबंधी समस्याओं को हल करने और सड़कों पर नागरिकों का बहुमूल्य समय बचाने के लिए दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करेंगे। नशे में गाड़ी चलाने के मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

नशे में गाड़ी चलाने वाले हमारी सड़कों पर चलते आत्मघाती बम की तरह हैं। इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से सबसे सख्ती से निपटा जाएगा। पुलिस कल्याण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि विभाग मेहनती हैदराबाद पुलिस कर्मियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। असाधारण सेवाएं प्रदान करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को उचित सम्मान और पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव के शहर के रूप में हैदराबाद की अनूठी पहचान को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद शांति और सांप्रदायिक सौहार्द का पर्याय है। यह ऐतिहासिक शहर अनेकता में एकता के लिए जाना जाता है। हम एकजुटता की गंगा-जमुनी तहजीब संस्कृति को मजबूत करते रहेंगे। इस अवसर पर पी. विश्व प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) डी. जोएल डेविस, आईपीएस, संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात), परिमाला हाना नूतन, आईपीएस, संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन) और हैदराबाद शहर के सभी पुलिस उपायुक्त उपस्थित थे। गौरतलब है कि सज्जनार, जो पूर्व आंध्र प्रदेश कैडर के 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और बाद में तेलंगाना के लिए नियुक्त हुए है। उन्होंने वारंगल जिले के जनगांव और बाद में कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में अपना करियर शुरू किया।

चुनाव आयोग ने जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी की

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची मंगलवार को प्रकाशित की गई, जिसमें बताया गया कि निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 3,99,000 है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सुदर्शन रेड्डी ने एक बयान में बताया कि संशोधित सूची, जिसमें 1 जुलाई, 2025 को अर्हता तिथि माना गया है। सूची में 2,07,382 पुरुष मतदाता, 1,91,593 महिला मतदाता और 25 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। लिंगानुपात की गणना प्रत्येक 1,000 पुरुषों पर 924 महिलाओं के आधार पर की गई है। इस सूची में 18 से 19 वर्ष की आयु के 6,106 युवा मतदाता, 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के 2,613 वरिष्ठ मतदाता और 1,891 विकलांग मतदाता भी शामिल हैं। इनमें से 519 दृष्टिबाधित हैं, 667 को चलने-फिरने में समस्या है, 311 को सुनने या बोलने में दिक्कत है, और शेष 722 अन्य श्रेणियों में आते हैं। इसके अतिरिक्त 95 विदेशी मतदाता पंजीकृत हैं। 2 सितंबर को प्रकाशित प्रारंभिक सूची में 3,92,669 मतदाता शामिल थे।

कई बार अपडेट करने के बाद, 6,976 नए मतदाताओं को शामिल किया गया, जबकि 663 को हटा दिया गया। इस समायोजन से कुल संख्या 3,98,982 हो गई। सेवारत मतदाताओं को शामिल करने के बाद, अंतिम संख्या 3,99,000 हो गई। चुनाव अधिकारियों ने घोषणा की कि जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव के लिए 139 केंद्रों पर कुल 407 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।

ब्रह्मोत्सव में 'सूर्यप्रभा वाहन सेवा' का विशेष स्थान

तिरुमला, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला में चल रहे वार्षिक 'ब्रह्मोत्स' के सातवें दिन, 'वाहन सेवाओं' में सबसे अधिक दीप्तिमान पवित्र 'सूर्यप्रभा वाहन सेवों' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, दिव्य बद्रीनारायण अलंकार से सुसज्जित श्री मलयप्पा ने भक्तों को आशीर्वाद दिया। ब्रह्मोत्सव में 'सूर्यप्रभा वाहन सेवों' का विशेष स्थान है, क्योंकि यह भगवान सूर्य को समर्पित है, जिन्हें स्वास्थ्य, जीवन शक्ति और ऊर्जा प्रदान करने वाला माना जाता है। शास्त्रों में सूर्य को रोगों का नाश करने वाला और जीवनदायिनी शक्ति का स्रोत बताया गया है। इसी मान्यता के अनुरूप, यह अनुष्ठान सभी भक्तों के कल्याण और शक्ति का आह्वान करने के लिए किया जाता है। तिरुमला की चार 'माडा' गलियों से होकर निकली इस शोभायात्रा में मंदिर के अधिकारी, पारंपरिक संगीत मंडलियां और उत्साही भक्त शामिल थे, जिन्होंने प्रार्थना की और इस आयोजन की दिव्य भव्यता का अनुभव किया। कई लोगों का मानना है कि इस सेवा में भाग लेने से उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा प्राप्त होती है। टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायुडू, ईओ ए.के. सिंघल, बोर्ड के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आरक्षित टिकट बुकिंग के लिए 'मोबाइल नंबर' अनिवार्य : रेलवे

विजयवाड़ा, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल ने कहा है कि सभी यात्रियों को रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार, यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों पर आरक्षित टिकट बुक करते समय मोबाइल नंबर देना 'अनिवार्य' कर दिया गया है। रेलवे जनता से इस संबंध में सहयोग करने की अपील करता है। रेलवे के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य यात्रियों के साथ संचार को मजबूत करना और उनकी यात्रा के दौरान समय पर अपडेट और सहायता प्रदान करना है। यात्रियों को मिलने वाले प्रमुख लाभों में चार्ट तैयार होने के बाद प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों की स्थिति के बारे में एसएमएस अलर्ट, ट्रेन के आगमन, प्रस्थान, विलंब, मार्ग परिवर्तन या रद्दीकरण की वास्तविक समय की जानकारी, शिकायतों का त्वरित समाधान और आपात स्थिति जैसे कि पटरी से उतरने या व्यवधान के दौरान प्रभावी संचार, धनवापसी और रद्दीकरण पर समय पर अपडेट। यात्रियों से अनुरोध है कि वे पीआरएस काउंटरों पर टिकट बुक करते समय आरक्षण अनुरोध पर्ची में अपना मोबाइल नंबर स्पष्ट रूप से लिखें। बुकिंग क्लर्क यह सुनिश्चित करेंगे कि यात्री या उनके प्रतिनिधि द्वारा दिया गया मोबाइल नंबर पीआरएस सिस्टम में सही ढंग से दर्ज हो।

विजयवाड़ा मंडल यात्रियों से टिकट बुकिंग के समय अपना मोबाइल नंबर प्रदान करके सहयोग करने का आग्रह करता है। यह सरल कदम यात्री सुविधा में सुधार, संचार को बेहतर बनाने और एक सुरक्षित एवं सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने 'मौसमी बीमारी मुक्त तेलंगाना' का आह्वान किया

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों को तेलंगाना को 'मौसमी बीमारी मुक्त राज्य' बनाने की दिशा में काम करने का निर्देश दिया।

मंत्री ने तेलंगाना में मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। राजीव आरोग्यश्री हेल्थकेयर ट्रस्ट कार्यालय में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक प्रस्तुति दी, जिसमें मंत्री को बताया गया कि मौसमी बीमारियां नियंत्रण में हैं और पिछले साल की तुलना में इनमें कमी आई है। स्वास्थ्य निदेशक डॉ. रविंदर कुमार ने मामलों में गिरावट का श्रेय जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा उठाए गए निवारक कदमों और जागरूकता अभियानों को दिया। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में मौसमी बीमारियों की दवाइयां उपलब्ध हैं। मंत्री ने अधिकारियों को मौसमी बीमारियों से मुक्त राज्य सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंग्लू, आरोग्यश्री के सीईओ उदय कुमार, डीएमई डॉ. नरेंद्र कुमार, टीवीवीपी आयुक्त डॉ. अजय कुमार और विशेष अधिकारी विमला थॉमस सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टीपीसीसी प्रमुख को जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस की जीत का भरोसा

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने विश्वास जताया है कि आगामी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को भारी बहुमत मिलेगा।

उन्होंने आगे विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी स्थानीय निकाय चुनावों में लगभग 85 प्रतिशत सफलता हासिल करेगी। मंगलवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत के दौरान, महेश कुमार गौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर तेलंगाना पर कर्ज का बोझ डालने का आरोप लगाया और कहा कि वर्तमान कांग्रेस प्रशासन अब केसीआर द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने के लिए काम कर रहा है।

उन्होंने तेलंगाना की वित्तीय समस्याओं के लिए केसीआर के नेतृत्व को भी जिम्मेदार ठहराया। टीपीसीसी प्रमुख ने कर्ज से जुड़े कार्ड बांटने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की और दावा किया कि लोग उनके कार्यों को मनोरंजन के रूप में देखते हैं।

उन्होंने तेलंगाना के लोगों में आत्महत्याओं को बढ़ावा देने वाले संकट के लिए पूर्ववर्ती केसीआर प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि बीआरएस और भाजपा दल दस वर्षों तक सौहार्दपूर्ण ढंग से साथ रहे और उन्होंने इस बात की भी आलोचना की कि अब भी बीआरएस और भाजपा गठबंधन में हैं।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में छठां अर्थशास्त्र सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र स्कूल ने 'झटके, बदलाव और रणनीतियां: भारत के व्यापक आर्थिक भविष्य का मानचित्रण' विषय पर छठा अर्थशास्त्र सम्मेलन आयोजित किया।

छात्र-नेतृत्व वाली इस पहल में मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण, वैश्विक व्यापार तनाव, डिजिटलीकरण और श्रम, तथा उद्योग में अर्थशास्त्र जैसे समकालीन आर्थिक मुद्दों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। सम्मेलन में भारत भर के संस्थानों के युवा विद्वानों और नवोदित शोधकर्ताओं ने भी विविध समष्टि आर्थिक विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए, जिससे विचारोत्तेजक चर्चाएं हुईं। नीति आयोग की उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने मुख्य भाषण दिया, जिसका विषय था 'भारत की व्यापक चुनौतियां: बड़े निवेश को बढ़ावा देना और उसका वित्तपोषण करना'। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.जे. राव, अर्थशास्त्र संकाय के डीन प्रोफेसर देबाशीष आचार्य और अन्य विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए।

श्रीनिवास गौड़ ने कांग्रेस सरकार पर 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण को लेकर किया हमला

कहा, कानूनी सुरक्षा के बिना आरक्षण अमान्य हो सकता है

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने कांग्रेस सरकार पर बिना किसी कानूनी सुरक्षा के 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण के नाम पर जनता को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि सुप्रीम कोर्ट में एक छोटी याचिका भी आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण को रद्द कर सकती है।

तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत में श्रीनिवास गौड़ ने सवाल उठाया कि राज्य सरकार ने विधानसभा में विधेयक पारित कर राष्ट्रपति की मंजूरी लेने या संविधान संशोधन के लिए प्रधानमंत्री के पास ले जाने के बजाय आरक्षण बढ़ाने का सरकारी आदेश क्यों जारी किया। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की अदालतों ने भी ऐसे कदमों को खारिज किया है।

बीआरएस नेता ने कांग्रेस और भाजपा पर आरक्षण में वृद्धि को रोकने के लिए मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कामारेड्डी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा न करने की आलोचना की और मांग की कि पिछड़े वर्गों के लिए नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करके सुरक्षित किया जाए। उन्होंने कांग्रेस से कहा कि मनोनीत पदों पर भी 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करके अपनी प्रतिबद्धता साबित करें। इसके साथ ही उन्होंने अदालतों में दायर हलफनामों पर भी सवाल उठाए और कहा कि ये हलफनामे सुप्रीम कोर्ट में टिक नहीं पाएंगे।

त्याग और दृढ़ संकल्प से भरा आंदोलन आज भी देता है प्रेरणा : केटीआर

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को ऐतिहासिक सागरहारम आंदोलन को याद करते हुए इसे तेलंगाना राज्य आंदोलन का एक निर्णायक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि अपार त्याग और दृढ़ता से भरा यह आंदोलन हमेशा लोगों की स्मृति में अंकित रहेगा।

रामाराव ने कहा कि आंदोलनकारियों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन किया, बाधाओं को पार किया और रबर की गोलियों का सामना करते हुए राज्य के दर्जे की अपनी मांग पर अड़े रहे। उन्होंने याद दिलाया कि लाखों तेलंगाना के युवाओं ने अटल संकल्प के साथ 'जय तेलंगाना' का नारा लगाया और तत्कालीन आंध्र प्रदेश के शासकों की साजिशों का पर्दाफ़ाश किया। केटी रामाराव ने कहा कि उस समय की सागर जैसी भावना आज भी जीवित है और आंदोलन का उत्साह और आकांक्षाएं 13 साल बाद भी लोगों को प्रेरित करती हैं।

मेडिपल्ली में धारदार हथियार से हमला

बीआरएस नेता किन्नरा लक्ष्मी जंगैया घायल, आरोपी ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिपल्ली के कचवानी सिंगाराम में मंगलवार को स्थानीय बीआरएस नेता किन्नरा लक्ष्मी जंगैया पर धारदार हथियार से हमला किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी श्रीनिवास, जो एडुलाबाद का निवासी है, ने जंगैया पर हमला किया। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला है कि यह हमला किसी संदिग्ध अवैध संबंध से जुड़ा हो सकता है, लेकिन पुलिस ने अभी तक सटीक कारण की पुष्टि नहीं की है।

घटना के बाद, श्रीनिवास ने घाटकेसर पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस उसकी बयान दर्ज कर रही है और व्यक्तिगत विवाद समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जंगैया को मेडिपल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है, और पुलिस ने शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है।

पुलिस अधिकारी पिल्ली राजू ने सफलतापूर्वक पूरी की लद्दाख मैराथन

42 किलोमीटर दौड़ 5 घंटे 36 मिनट में पूरी कर जीता पदक

खम्मम, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधिकारी पिल्ली राजू ने दुनिया की सबसे ऊंचाई वाली मैराथन, लद्दाख मैराथन, सफलतापूर्वक पूरी की। उन्होंने 42.195 किलोमीटर की दौड़ 5 घंटे 36 मिनट में पूरी की और पदक हासिल किया। यह मैराथन 11,500 से 17,618 फीट की ऊंचाई पर आयोजित की गई, जहां ऑक्सीजन का स्तर सामान्य से केवल आधा होता है, इसलिए यह एथलीटों के लिए बड़ी चुनौती है।

राजू ने कहा कि मैराथन सिर्फ़ दौड़ नहीं, बल्कि सहनशक्ति और समर्पण की परीक्षा है। भारतीय सेना और आईटीबीपी द्वारा दी गई हाइड्रेशन सहायता ने दौड़ को सफल बनाने में मदद की। लेह, सिंधु नदी और हिमालय के सुंदर दृश्यों ने अनुभव को अविस्मरणीय बना दिया। राजू ने यह भी बताया कि कठिन भूभाग और पतली हवा में महीनों के प्रशिक्षण ने उन्हें अनुकूलन में मदद की। इस उपलब्धि के बाद वह %2 किलोमीटर लंबी खारदुंग-ला चुनौती के लिए भी योग्य हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि पदक उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि का प्रतीक नहीं, बल्कि लोगों से मिले समर्थन और प्रोत्साहन का प्रतीक भी है। राजू ने आईजीपी (खेल) रमेश, खम्मम सीपी सुनील दत्त, डीसीपी (एआर) कुमार स्वामी, एडमिन (आरआई) कामराजू और एमटीओ श्रीशैलम का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि राजू ने इस साल पहले हिमाचल प्रदेश में स्पीति मैराथन और तमिलनाडु में 60 किलोमीटर लंबी बाइसन अल्ट्रा 2025 मैराथन भी पूरी की थी।

वरिष्ठ धावक ने पूरी की लद्दाख और बोस्टन मैराथन जैसी कठिन दौड़ें

74 वर्षीय नागभूषण राव ने साबित किया उम्र सिर्फ एक संख्या

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 74 वर्षीय नागभूषण राव हैदराबाद के ईसीआईएल इलाके में नियमित पैदल चलने वालों के समूह के बीच से गुजरते हैं और हाथ हिलाकर उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। उनकी तेज दौड़ को देखकर आधी उम्र के लोग भी उनकी बराबरी नहीं कर पाते। राव ने इस सितंबर में लद्दाख मैराथन पूरी की, जो समुद्र तल से 11,000 फीट की ऊंचाई पर होती है और दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण मैराथनों में गिनी जाती है।

इसके साथ ही, उन्हें अप्रैल 2026 की बोस्टन मैराथन के लिए भी अर्हता प्राप्त है। नागभूषण राव देश के प्रमुख अल्ट्रामैराथन और मैराथन में नियमित रूप से भाग लेते हैं। लंबी दूरी की लोनावाला नाइट अल्ट्रामैराथन, 65 किलोमीटर की सतारा अल्ट्रामैराथन और मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई और दिल्ली की मैराथनों में उन्होंने सफलता हासिल की है। राव का कहना है कि यह सब मानसिकता पर निर्भर करता है। उन्होंने कभी शराब या तंबाकू नहीं छुआ और स्वस्थ जीवनशैली अपनाई। वे 50 से 70 साल की उम्र के लोगों को सक्रिय जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। नागभूषण राव ने केवल पांच साल पहले लंबी दूरी की दौड़ें शुरू की थीं। उन्होंने अपने बेटे से प्रेरणा ली, जो अमेरिका में लंबी दूरी का धावक है। उन्होंने छोटी दौड़ें पूरी कर आत्मविश्वास और सहनशक्ति बढ़ाई और अब दुनिया की कठिन मैराथनों में हिस्सा ले रहे हैं।

मुत्यमपेट चीनी कारखाना खोलने का मुद्दा चुनावों के साथ उभरा

किसानों की उम्मीदें जगी, लेकिन देरी से नाराजगी भी

जगतियाल, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के चलते मुत्यमपेट चीनी कारखाने को फिर से खोलने का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। प्रत्येक चुनाव में यह विषय राजनीतिक दलों के एजेंडे में गर्म रहता है, और अब राज्य सरकार द्वारा चुनाव कराने के निर्णय के साथ ही यह फिर सुर्खियों में है। कुछ दिन पहले अनुसूचित जाति विकास मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने उद्योग और आईटी, कृषि विभाग के सचिवों, चीनी निदेशक और कलेक्टर के साथ किसानों की बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार कारखाने को पुनः खोलने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, कुछ किसानों का मानना है कि यह केवल चुनावी वादे के तहत किया जा रहा है।

मुत्यमपेट के अलावा, निजामाबाद और मेदक में स्थित एनडीएसएल की अन्य दो इकाइयों को 2015 में बंद कर दिया गया था। कांग्रेस पार्टी ने 2023 विधानसभा चुनावों में कारखानों को फिर से खोलने का वादा किया था और सत्ता में आने के बाद इस मुद्दे पर आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू की देखरेख में कैबिनेट उप-समिति बनाई। समिति ने कारखानों का दौरा कर किसानों से राय ली और सरकार को रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद 400 करोड़ रुपये के बकाया के बदले 190 करोड़ रुपये का बैंक ऋण भुगतान किया गया।

हालांकि, एनडीएसएल में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली डेल्टा पेपर्स लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि सरकार कारखानों को खोल भी दे तो वह उन्हें संचालित नहीं कर सकती। सरकार को निजी साझेदार से कारखाने लेने के लिए संपत्ति मूल्य, तकनीकी और कानूनी पहलुओं की जांच करनी होगी। इस वजह से, राज्य सरकार द्वारा दिसंबर 2025 तक कारखाने को पुनः खोलने की घोषणा में देरी हो रही है। किसानों का कहना है कि सरकार इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.